दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
श्योपुर ■ शनिवार 19 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -19 ■ अंक-279 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार
शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
-स्वामी ज्ञानानंद

ब्रीफ न्यूज

पीएम मोदी ने इलॉन मस्क से फोन पर की बातचीत

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क से फोन पर बात की है। दोनों के बीच टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन के क्षेत्रों यानी एरियाज में कॉलेबोरेशन की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस बात की जानकारी मोदी ने एक्स पर शेयर कर दी।

पूर्व सीएम जगन रेड्डी की 27.5 करोड़ के शेयर जब्त

नई दिल्ली। ईडी ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ पुराने मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने जगन रेड्डी और उनकी कंपनियों के 27.5 करोड़ रुपए से ज्यादा के शेयर अस्थाई रूप से जब्त कर लिए हैं।

आयोग एआई के इस्तेमाल पर बना रहा गाइडलाइन

नई दिल्ली। चुनाव प्रचार के लिए कंटेंट तैयार करने में एआई की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए चुनाव आयोग इसके दुरुपयोग पर रोक लगाने और बेहतर इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए गाइडलाइंस बना रहा है।

हेमकुंट साहिब के कपाट 25 मई खोले जाएंगे

अमृतसर। उत्तराखंड में सिखों के प्रसिद्ध तीर्थस्थल गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब के रास्ते को बर्फ से साफ करने और तैयार करने के लिए भारतीय सेना की एक टीम गुरुद्वारा गोविंदघाट पहुंच गई है। हेमकुंट साहिब के कपाट 25 मई से खोल दिए जाएंगे।

अमेरिका में पकड़ा गया मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हैप्पी

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। पंजाब में ग्रेनेड अटैक के लिए जिम्मेदार कुख्यात गैंगस्टर हैप्पी पासिया को अमेरिका में हिरासत में ले लिया गया है। वो इस वक्त आईसीई की कस्टडी में है। उसने पंजाब में 14 से ज्यादा आतंकी वारदातों को अंजाम दिलवाया है। उसके सिर पर 5 लाख का इनाम घोषित था।

कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून बनाए सरकार

बंगलूरू। कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने का आह्वान करते हुए राहुल गांधी ने इस कांग्रेस शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम सिद्धारमैया को लिखे पत्र में कहा कि सरकार को रोहित वेमुला एक्ट नाम से कानून बनाना चाहिए। इस कानून का मकसद शिक्षा प्रणाली में जाति आधारित भेदभाव को खत्म करना है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 22 नक्सलियों ने किया सरेंडर

रायपुर। छग के सुकमा में एक्टिव 22 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। लिस्ट में 16 लाख की इनामी नक्सली दंपत्ति का नाम भी शामिल है। 22 नक्सलियों पर 40 लाख तक का इनाम था।

राजधानी भोपाल में जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

वनों में मौजूद आस्था स्थलों का संरक्षण करेगी सरकार

केंद्रीय वन मंत्री यादव बोले- पृथ्वी पर निवासरत हर व्यक्ति को ऊर्जा, अन्न और जल को सुरक्षित रखना होगा

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- वन प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होना जरूरी

नदियों का प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रदेश के वनों का राष्ट्रीय स्तर पर संरक्षण आवश्यक

प्रवासी पक्षियों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और रैप्टाईल्स और जल जीवों के संरक्षण के लिए कार्य योजना की आवश्यकता

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे अहम विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सीएम डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन, आजीविका से संबद्ध विषय है। जनजातीय क्षेत्र में अपार वन संपदा उपलब्ध है। इसके प्रबंधन में ध्यान रखना होगा कि विकास से जनजातीय वर्ग के हित प्रभावित न हो। भारतीय जीवन पद्धति वनों पर आधारित रही है। वनों के प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होने की जरुरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने विरासत से विकास और प्रकृति को जोड़ते हुए प्रगति और प्रकृति में सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। पेसा एक्ट इसी दिशा में अहम कदम है। जीवन का आनंद समग्रता में है, और प्रकृति आधारित जीवन जीने से कई समस्याओं का समाधान स्वतः ही हो जाता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में वनों की स्थिति में सुधार और वन प्रबंधन में नवाचार के लिए के लिए वन विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वन्य जीवों के संरक्षण से इको सिस्टम बेहतर हो रहा है। पीएम की पहल पर चीतों का पुनर्स्थापना हो पाया है। उन्होंने किंग कोबरा सहित रैप्टाइल्स की प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि इससे सर्पदंश की घटनाओं में कमी आएगी। सीएम ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के पूजा और आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी। जरूरत होने पर केंद्र शासन से भी सहयोग प्राप्त किया जाएगा।

मैं दो चार बार बोल चुका हूं...सर्पों की गिनती चालू कराएं

कार्यशाला में मौजूद अफसरों से सीएम ने कहा कि सर्पों की गिनती चालू कराएं। ये अभी तक फॉरेस्ट एक्ट में ही नहीं हैं। वाइल्ड लाइफ एक्ट में है, लेकिन गिनती नहीं करते। मैं दो चार बार बोल चुका हूं तो कहते हैं कि इसका कोई हिसाब किताब नहीं हैं। मैं पूछता हूं कि ये जानवर नहीं हैं या इसका कोई हिसाब- किताब ही नहीं हैं।

मप्र की नदियां कई राज्यों को पिला रहीं पानी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश वन की दृष्टि से बहुत संपन्न है। प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किन्तु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। मध्यप्रदेश से निकली सोन, केन, बेतवा, नर्मदा नदियां देश के कई राज्यों में जल से जीवन पहुंचा रही हैं। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश की प्रगति में प्रदेश के वनों से निकले इस जल का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश के वन, पूरे देश के वन हैं। इन नदियों के संरक्षण और उनके निर्मल अविरल प्रवाह को बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश के वनों का संरक्षण और संवर्धन महत्वपूर्ण है। नर्मदा समग्र के माध्यम से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। अन्य नदियों पर भी कार्य किया जाएगा। सीएम ने जल जीवों के संरक्षण पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने प्रवासी पक्षियों पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की आवश्यकता बताई।

सॉलिड वेस्ट और ई-वेस्ट मैनेजमेंट बड़ी चुनौती

केन्द्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि हमें प्रकृति के संरक्षण के लिए समुदाय आधारित योजनाएं तैयार करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री प्रकृति के संरक्षण के लिए एनवायरमेंट फ्रेंडली लाइफ पर ध्यान देने के लिए जनता को निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। पृथ्वी पर निवासरत हर व्यक्ति को ऊर्जा, अन्न और जल को सुरक्षित रखना होगा। पर्यावरण संरक्षण में सॉलिड वेस्ट और ई-वेस्ट मैनेजमेंट बड़ी चुनौती हैं। प्लास्टिक के उपयोग को कम करना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना आवश्यक है। विकास की इस धारा में वन और प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चलना होगा। केंद्र सरकार ने कैपेसिटी बिल्डिंग के माध्यम से वनों में रहने वाले लोगों के जीवन में परिवर्तन के लिए कार्य किया है। वन और यहां रहने वाले लोगों के विकास और संरक्षण के लिए समग्र चिंतन की आवश्यकता है। एक पेड़ मां के नाम हमारा बड़ा अभियान बन चुका है। नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए सोलर एनर्जी अलायंस बनाया गया है। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए भी अलायंस की स्थापना की गई है। अंतर्राष्ट्रीय बायोफ्यूल अलायंस बनाया गया है। भारत आज दुनिया के विकासशील देशों में ग्लोबल साऊथ का नेतृत्व कर रहा है। हमें वोकल फॉर लोकल तो होना है। साथ में भारत को जनजातीय वर्ग और पर्यावरण के संरक्षण में वैश्विक नेतृत्वकर्ता भी बनना है।

प्लास्टिक के उपयोग को करना होगा कम
अंतर्राष्ट्रीय बायोफ्यूल अलायंस बनाया गया

जनजातीय समाज और वनों का संबंध अभिन्न...

केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा

केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि जनजातीय समाज और वनों का संबंध अभिन्न है। मिश्रित वनों के शरण के कारण जनजातीय समुदाय वन क्षेत्र से पलायन के लिए विवश हो रहा है। इसी का परिणाम है कि वन प्रबंधन और जनजातीय समुदाय के आजीविका के संसाधनों पर विचार-विमर्श की जरूरत उत्पन्न हो रही है। भारत में अरण्यक संस्कृति में ही वेद पुराण आदि का लेखन संपन्न हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा और वन्य व जनजातीय समाज एक दूसरे पर आश्रित हैं। इनका समग्रता में महत्व स्वीकारते हुए भविष्य की नीतियां निर्धारित करना आवश्यक है।

मप्र के विवेक अग्रवाल केंद्र में संभालेंगे संस्कृति मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शीर्ष नौकरशाहों की नियुक्ति और तबादले से जुड़ा आदेश जारी किया है। नागरिक उड्डयन विभाग के सचिव को अब व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। शीर्ष स्तर पर किए गए फेरबदल के तहत वरिष्ठ नौकरशाह अरविंद श्रीवास्तव को नया राजस्व सचिव नियुक्त किया गया है। 1994 बैच के कर्नाटक कैडर के आईएएस श्रीवास्तव वर्तमान में पीएमओ में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वहीं नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम को व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वे मनोज गोविल का स्थान लेंगे, जिन्हें कैबिनेट सचिवालय में सचिव नियुक्त किया गया है। मप्र कैडर के 1994 बैच के आईएएस विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। अग्रवाल वर्तमान में राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। वे वित्तीय खुफिया इकाई-भारत के निदेशक का कार्यभार भी संभाल रहे हैं। इसके अलावा मप्र कैडर के आशीष श्रीवास्तव सचिव, अंतर-राज्यीय परिषद सचिवालय को सचिव, आंतरिक सुरक्षा विभाग की कमान सौंपी गई है। इसी तरह मप्र कैडर की पल्लवी जैन गोविल महानिदेशक, हाइड्रोकार्बन को सचिव, युवा मामले विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईएएस अफसर अरविंद श्रीवास्तव बने राजस्व सचिव
केंद्र ने किया तबादला, मध्यप्रदेश के अफसरों का दबदबा

मुर्शिदाबाद हिंसा... राज्यपाल पहुंचे मालदा

पीड़ितों से मिलकर केंद्र को रिपोर्ट भेजेंगे
विश्व हिंदू परिषद का आज देशभर में प्रदर्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प. बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शुक्रवार को मालदा पहुंचे। इसके बाद ट्रेन से मुर्शिदाबाद जाएंगे। यहां अगले 2 दिन राज्यपाल हिंसा प्रभावित इलाकों और शरणार्थी शिविरों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं जमीनी स्थिति का जायजा लूंगा। वहां जो कुछ भी हुआ चौंकाने वाला है। किसी भी कीमत पर शांति स्थापित होनी चाहिए। बोस ने कहा कि वह पीड़ितों से मिलने के लिए जा रहे हैं और इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को देंगे। इससे पहले गुरुवार को सीएम ममता बनर्जी ने राज्यपाल से दौरा स्थगित करने का अनुरोध किया था। ममता ने कहा कि मैं गैर-स्थानीय लोगों से अनुरोध करूंगी कि वे अभी मुर्शिदाबाद का दौरा न करें।

चेतावनी... भारत के मसलों में दखल न दे बांग्लादेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने बंगाल हिंसा पर बयानबाजी कर रहे बांग्लादेश से कहा है कि वह भारत के मसलों में दखल देने की बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा पर फोकस करे। दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा था कि भारत को उन अल्पसंख्यक मुस्लिमों की रक्षा करनी चाहिए, जो पिछले हफ्ते बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा से प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात से इंकार कर दिया कि इस हिंसा को भड़काने में बांग्लादेश का हाथ है। भारत ने शुक्रवार को इस बयान का कड़ा विरोध किया है। भारत ने कहा कि

अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा करे, अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं...

बांग्लादेश का यह बयान धूर्तता और कपट से भरा है। वह अपने यहां अल्पसंख्यकों के नरसंहार से ध्यान भटकाना चाहता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प.बंगाल में हुई घटनाओं को लेकर बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को हम खारिज करते हैं। बांग्लादेश इस तरह के बयान दे रहा है, जबकि वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं।

एमएसपी पर गेहूं खरीदी में मप्र ने पंजाब और हरियाणा को पछाड़ा

मध्य प्रदेश में सरकार ने 80 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य किया तय

सत्ता सुधार ■ भोपाल

यूपी, एमपी, गुजरात-राजस्थान, पंजाब हरियाणा, हिमाचल व बिहार में एमसपी पर गेहूं की खरीद चल रही है। इसी बीच केंद्र सरकार ने गेहूं खरीदी के आंकड़े जारी किए हैं। जहां हैरान करने वाला आंकड़ा सामने आया है। मध्य प्रदेश ने हरियाणा और पंजाब को पछाड़ दिया है। मध्य प्रदेश में 14,55,270 किसानों ने एमएसपी पर गेहूं बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। अब तक सरकार ने 3,67,722 किसानों से 32,36,441.00 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा और इनमें से 1,81,335 किसानों को 3,50,323.40 लाख का भुगतान किया है। वहीं पंजाब में 19,395 व हरियाणा में 7,78,350 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पंजाब में 6,986 किसानों से 89,813.80 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा है और इनमें से 4,803 किसानों को 14,396.92 लाख का भुगतान किया है। हरियाणा में सरकार ने 54,068 किसानों से 6,64,866.38 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा है।

देश में अभी लागू रहेगा फास्टैग सिस्टम

एक मई से नहीं लागू होगा सैटेलाइट टोल सिस्टम

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने जारी किया स्पष्टीकरण

ऑटोमैटिक नंबर रिकग्निशन सिस्टम का चल रहा ट्रायल

नई दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्रालय ने शुक्रवार को 1 मई-2025 से फास्टैग बंद करने की खबर को अफवाह बताया। मंत्रालय ने कहा कि ये खबरें अफवाह हैं और फास्टैग अभी देश में टोल कलेक्शन का ऑफिशियल तरीका बना रहेगा। इससे पहले 1 मई से फास्टैग को बंद कर सैटेलाइट टोल सिस्टम लागू करने की बात सामने आई थी। इस पर मंत्रालय ने कहा कि नेशनल हाइवे अथॉरिटी ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। सैटेलाइट टोल सिस्टम के बजाय, सरकार एक नए बैरियर-लेस टोल सिस्टम का टेस्ट कर रही है। इसमें ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों और फास्टैग को मिलाकर वाहनों का टोल बिना रोके काटा जाएगा, जिससे ट्रैफिक जाम और समय की बचत होगी। सरकार देश के कुछ चुनिंदा टोल प्लाजा पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान प्रणाली और फास्टैग को मिलाकर बिना बैरियर वाली टोल प्रणाली टेस्ट कर रही है।

पहल | एम्स-ऋषिकेश में दुनिया की पहली मिनिमली इनवेसिव ऑटोप्सी शुरू, केवल 2 सेंमी के छेंद किए जाएंगे

पोस्टमॉर्टम के लिए अब शव की नहीं की जाएगी चीरफाड़

एजेंसी ■ ऋषिकेश

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश ने फॉरेंसिक चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई पहल हुई है। इसके तहत दुनिया की पहली न्यूनतम इनवेसिव शव परीक्षण विधि (मिनिमली इनवेसिव ऑटोप्सी) शुरू की गई। यह न सिर्फ क्राइम ट्रायल और उसकी जांच को और सटीकता देगी, बल्कि पोस्टमार्टम के पूरे प्रोसेस को ज्यादा अधिक मानवीय और सम्मानजनक भी बनाएगी। इसमें पारंपरिक तौर पर पूरे शरीर की चीरफाड़ करने के बजाय दूरबीन से पोस्टमॉर्टम को अंजाम दिया जाएगा। एम्स-ऋषिकेश के विधि विज्ञान (फॉरेंसिक) विभाग के अध्यक्ष बिनय कुमार बस्तिया ने बताया की नई टेक्नोलॉजी में शव के आंतरिक अंगों की जांच के लिए मृत शरीर पर तीन जगहों पर करीब दो-दो सेंटीमीटर के छेंद किए जाएंगे। इसके बाद इन छेदों में लैप्रोस्कोपिक दूरबीन डाली जाएगी। फिर सीटी स्कैन से इमेजरी तैयार की जाएगी, जिसे अदालत को सीधे सबूत के तौर पर दे दिया जाएगा। वैसे देखा जाए तो अभी तक पोस्टमार्टम में शव की अमानवीय चीरफाड़ होती थी और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को 'हार्ड कॉपी' में अदालत तक पहुंचाया जाता था। उन्होंने बताया कि ये इनोवेशन न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एडवांस्ड है, बल्कि इससे ऑटोप्सी प्रोसिजर ज्यादा मानवीय और सम्मानजनक भी रहेगा।

संवेदनशीलता का एक 'अनूठा संगम'

बस्तिया ने बताया कि इस प्रक्रिया को पूरी तरह से रिकॉर्ड किया जाता है, जिससे कानूनी जांच के लिए पारदर्शी दस्तावेजीकरण और चिकित्सा शिक्षा के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध होती है। इसको विज्ञान और मानवीय संवेदनशीलता का एक 'अनूठा संगम' बताते हुए बस्तिया ने कहा कि एम्स-ऋषिकेश की यह उपलब्धि भारत और विश्व में फॉरेंसिक प्रथाओं के लिए एक नया मानक स्थापित करती है।

संवेदनशील केसों में अहम सबूत जुटाने में मदद मिलेगी

बस्तिया ने बताया कि 14 अप्रैल को शुरू हुई इस तकनीक में उच्च-रिजॉल्यूशन लैप्रोस्कोपिक कैमरों के इस्तेमाल से आंतरिक चोटों और नुकसान का अधिक सटीकता से पता लगाया जा सकता है, जबकि यौन उत्पीड़न जैसे संवेदनशील मामलों में यह प्रोसेस अधिक सम्मानजनक और विस्तृत जांच की सुविधा देगा, जिससे अहम सबूत जुटाने में मदद मिल सकती है। जहर या नशीले पदार्थों के सेवन के मामलों में एंडोस्कोपिक उपकरणों के माध्यम से बिना घाव के मुंह तथा नाक का आंतरिक परीक्षण किया जाता है।

ट्रंप के नागरिकता वाले फैसले पर सुप्रीम रोक

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

रष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए गए जन्म से नागरिकता पर बैन लगाने वाले प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। तीन संघीय न्यायाधीशों ने अलग-अलग फैसलों में ट्रंप के उस आदेश को रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी की, जिसमें अमेरिका में जन्मे बच्चों की नागरिकता खत्म करने की बात कही गई थी। न्यायाधीशों ने कहा कि यह आदेश 14वें संशोधन का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि यह संशोधन लंबे समय से अमेरिका में जन्मे करीब सभी लोगों को नागरिकता का अधिकार देता है। फिलहाल अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट यह तय नहीं करेगा कि ट्रंप का यह फैसला संविधान के अनुसार है या नहीं। कोर्ट इस तकनीकी बात पर भी ध्यान देगा कि यह मुद्दा पर निचली अदालतों के जज पूरे देश में राष्ट्रपति की नीतियों को रोकने का आदेश दे सकते हैं या नहीं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रस्ताव पर रोक लगाते हुए कहा कि वह 15 मई को इस मामले में सुनवाई करेगा।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका

ब्रीफ न्यूज

अब अपराधियों को आसानी से नहीं मिल पाएगी जमानत

भोपाल। मप्र में अब जमानत मिलने के मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। अब अपराधियों को आसानी से जमानत नहीं मिल पाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट समेत सभी खंडपीठ के लिए फार्मेट जारी किया है। हाईकोर्ट में अब जमानत याचिका लगाने वाले संबंधित व्यक्ति को अपने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी कोर्ट के सामने रखनी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मप्र से जुड़े जमानत के मामलों में यह महत्वपूर्ण आदेश दिया है। 1 मई से यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट जबलपुर समेत इंदौर और ग्वालियर खंडपीठ को जमानत याचिका या अलग-अलग तरह के मामलों की सुनवाई करने को लेकर एक फॉर्मेट जारी किया है।

सभी स्कूलों में 22 को होगा पृथ्वी दिवस का आयोजन

भोपाल। प्रदेश की सभी शालाओं में 22 अप्रैल मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किए हैं। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'इको क्लब फॉर मिशन लाइफ' कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पृथ्वी दिवस पर विद्यालय द्वारा 'इको क्लब फॉर मिशन लाईफ' पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। विद्यालय के इको क्लब प्रभारी द्वारा विद्यार्थियो के समूह बनाएं जाकर स्कूल परिसर एवं आस-पास के बाग बगीचों इत्यादि में उपलब्ध पेड़-पौधों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार की जाएगी।

बिना वर्दी और बॉडी वॉर्न के कैमरे में नहीं होगी चैकिंग

भोपाल। मप्र में परिवहन चेक पोस्ट भले ही बंद कर दिए गए हों। लेकिन, ट्रकों और वाहनों से अवैध वसूली की लगातार शिकायतें मिलती रहती हैं। इसके बाद परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने नया आदेश जारी किया है। इस आदेश में परिवहन विभाग के अमले द्वारा की जाने वाली वाहन चेकिंग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। परिवहन आयुक्त के निर्देश के अनुसार बिना वर्दी और बिना बॉडी वॉर्न कैमेरे के चैकिंग नहीं होगी। साथ ही पॉइंट ऑफ सेल से ही चालानी कार्रवाई होगी।

उज्जैन में 'जल-जागरण' की ऐतिहासिक शुरुआत, गंधर्व सागर का भूमि पूजन

हर बूंद में भविष्य है, हर प्रयास में परिवर्तन है, जल ही जीवन अब नारा नहीं, जन-आंदोलन है

कार्यक्रम में जल प्रहरी बनने का लिया गया संकल्प

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उज्जैन धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना की भूमि उज्जैन आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब गंधर्व सागर के भूमि पूजन के साथ जल-जागरण की क्रांति का विधिवत शुभारंभ हुआ। यह आयोजन केवल एक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रव्यापी जन-जागरण की पहली औपचारिक आहुति बन गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा महाकाल के स्मरण, भारत माता की जय और वंदे मातरम् की गूंज के साथ हुई। पूरे वातावरण में देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का संचार हुआ।

गंगा जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत यह आयोजन एक जन-आंदोलन के रूप में सामने आया, जिसका उद्देश्य केवल जल स्रोतों का पुनरुद्धार नहीं, बल्कि नागरिकों में जल प्रबंधन और संरक्षण की भावना जाग्रत करना भी है। वक्ताओं ने इस अभियान को जनभागीदारी की मिसाल बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है। अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि यह जन-आंदोलन बन चुका है। गंधर्व सागर का पुनरुत्थान उज्जैन सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को जल संकट से उबारने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगा।

इस दौरान कार्यक्रम में सप्तसागर की गौरवगाथा का स्मरण करते हुए

उज्जैन के सप्तसागर रूद्रसागर, रत्नाकर सागर, गोवर्धन सागर, पुरुषोत्तम सागर, पुष्कर सागर, विष्णु सागर और क्षीर सागर का उल्लेख करते हुए उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित किया गया। अगर आज जल नहीं बचाया गया, तो कल इसके लिए संघर्ष करना पड़ेगा, इस चेतावनी के साथ सभी को जल संचयन, जल प्रबंधन और जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। उपस्थित जनसमूह ने पूरे उत्साह से 'जल-जागरण' को जन-जागरण में बदलने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उज्जैन से विधायक डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व, दृष्टिकोण और संकल्पशक्ति की सराहना करते हुए आयोजन समिति ने उनके प्रति आभार प्रकट किया। वक्ताओं ने कहा कि उनकी दूरदृष्टि से ही यह जल-जागरण आंदोलन वास्तविक धरातल पर उतर पाया है। इस प्रेरणादायक मूल मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जो उज्जैन ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन गया।

कार्यक्रम में रहे उपस्थित

इस भव्य आयोजन में प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल तथा विक्रमादित्य मंडल अध्यक्ष विक्रम ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दतिया बनेगा आध्यात्मिक पर्यटन केन्द्र प्रसाद योजना से संवरेगी मां पीताम्बरा की नगरी

केन्द्र सरकार ने दी 44.24 करोड़ की सौगात, धार्मिक विरासत को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिए सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के विकास के लिए 44.24 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। प्रसाद योजना का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी। हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 किमी के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरिष्ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने के लिए विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा। शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। इससे शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा। मंदिर प्रबंधन ने उत्तर गेट के समीप इसके लिये लगभग 1000 वर्ग मीटर की भूमि उपलब्ध कराई है, उत्तर गेट भविष्य का मुख्य द्वार होगा। उत्तर द्वार से मंदिरों में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर बनाया जाएगा, जहां मंदिर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी जाएगी। प्रथम तल पर मंदिर ट्रस्ट का कार्यालय एवं भीड़ नियंत्रण कक्ष भी होगा। ग्वालियर एवं झांसी से आने वाले वाहनों/यात्रियों के लिए यातायात प्रबंधन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए बम-बम भोले एवं हनुमान चौक पर रोटरी की डिज़ाइन की जायेगी। यह न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में मदद करेगा बल्कि सौंदर्यीकरण में भी योगदान देगा। बढ़ती यातायात समस्या को ध्यान में रखते हुए, मंदिर के समीप बहु-स्तरीय कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। इससे वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या कम होगी और सड़कें अधिक व्यवस्थित रहेंगी। पार्किंग के भूतल पर दुकानों की व्यवस्था होगी। इससे दुकान व्यवस्थित हो सकेगी एवं श्रद्धालुओं के लिए भी सुविधाजनक होगी। भविष्य में मल्टीलेवल पार्किंग को सीधे मंदिर पाथ-वे से जोड़ा जाएगा। पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथों का पुनर्विकास किया जाएगा। इसमें समतल और मजबूत फुटपाथ, प्रकाश व्यवस्था, छाया के लिये शेड, पौध-रोपण और बैठने की सुविधाएं जोड़ी जाएंगी ताकि लोग आराम से चल सकें। शहर में प्रमुख स्थानों, पर्यटन स्थलों, के बारे में जानकारी देने के लिए स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक लगाए जाएंगे।

पहले भी मिल चुकी है सफलता मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर और अमरकंटक जैसे धार्मिक स्थलों को भी इस योजना के अंतर्गत क्रमशः 44.81 करोड़ और 50 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त हो चुकी है। ओंकारेश्वर में विकास कार्य पूर्ण हो गए है। अमरकंटक में विकास कार्य अप्रैल 2025 तक पूरे हो जाएंगे।

कल मुख्यमंत्री कूनो में जन्मे दो चीतों को बाड़ों में छोड़ेंगे

मंदसौर स्थित गांधीसागर अभयारण्य में चीतों को बसाने की तारीख तय हो गई है। यहां भारत में जन्मे चीतों को बसाया जाएगा। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में जन्मे दो नर चीतों को 20 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गांधीसागर अभयारण्य में बने बाड़ों में छोड़ेंगे। अभी यहां दो ही चीते लाने की योजना है। यहां अभी विदेशी चीते नहीं लाए जाएंगे। बरसात के बाद जब विदेशी चीते आएंगे तो संख्या बढ़ेगी। इसके साथ ही देश में कूनो के बाद गांधीसागर अभयारण्य चीतों के दूसरे घर के रूप में पहचाना जाएगा। अफ्रीका, केन्या के प्रतिनिधिमंडलों और केंद्र सरकार की सात सदस्यीय हाइपावर कमेटी के निरीक्षण के बाद आखिरकार तय हो गया कि भारत की धरती पर जन्म लेने वाले चीतों से ही गांधीसागर आबाद होना है।

प्रदेश अध्यक्ष से लेकर विस अध्यक्ष तक का होगा चुनाव

यूथ कांग्रेस चुनाव का ऐलान, पहली बार ब्लाक अध्यक्ष का होगा सीधे चुनाव

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मप्र यूथ कांग्रेस के चुनावों का ऐलान हो गया है। इसी के साथ प्रदेश अध्यक्ष से लेकर विधानसभा अध्यक्ष तक का चुनाव होगा। स्टेट प्रेसिडेंट, स्टेट कमेटी, डिस्ट्रिक्ट कमेटी के सदस्य भी चुने जाएंगे। विधानसभा कमेटी, ब्लॉक अध्यक्ष तक के चुनाव होंगे। पहली बार ब्लाक अध्यक्ष का भी सीधे चुनाव होगा। सदस्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष के लिए मतदान करेंगे। चुनाव प्रक्रिया लगभग पांच महीने में पूरी होगी। चुनाव की घोषणा के साथ ही युवक कांग्रेस से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल है। चुनाव प्रक्रिया के तहत 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक कोऑर्डिनेटर जिलों का दौरा करेंगे। नॉमिनेशन 27 अप्रैल से 6 मई तक चलेंगे। दावे अपत्तियों ओर सुनवाई 28 अप्रैल से 7 मई तक होगी। नॉमिनेशन फॉर्म्स की स्क्रूटनी 7 मई से 9 मई तक की जाएगी। 11 मई तक फाइनल उम्मीदवार तय हो जाएंगे। पिछले बार साल 2020 में चुनाव हुए थे। जानकारी सैयद नासिर हुसैन, इलेक्शन कमिश्नर यूथ कांग्रेस एमपी और शेषनारायण ओझा, प्रभारी यूथ कांग्रेस एमपी ने दी।

एससी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षित जिले

चुनाव में प्रदेश के इन जिलों को एससी और एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। इनमें सागर, देवास, जबलपुर(शहर), पांढुर्णा, गुना, बुरहानपुर, सतना शामिल है। चुनाव के अभ्यर्थियों की आयु 27 अप्रैल 1990 से 26 अप्रैल 2007 तक मान्य होंगे। एक सदस्य 6 वोट करेंगे। यानी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के लिए वोट डालेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ परामर्श के लिए टेली-मेडिसिन सेवा वरदान

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया टेली मेडिसिन सेवा का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि टेली-मेडिसिन सेवा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाओं के प्रदाय का सशक्त माध्यम है। उप मुख्यमंत्री ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में टेली-मेडिसिन सेवा का शुभारंभ किया। इस सेवा से रीवा और सीधी जिलों के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों को वरिष्ठ विशेषज्ञों का परामर्श प्राप्त होगा।

इस सेवा के तहत अब संजय गांधी अस्पताल, रीवा के मेडिसिन, शिशु रोग (पेडियाट्रिक्स) तथा स्त्री रोग (गायनी) विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक, दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत डॉक्टरों को फोन या अन्य संचार माध्यमों से जरूरी परामर्श देंगे। इससे उन मरीजों को तुरंत लाभ मिलेगा जिन्हें विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता होती है। अब ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को विशेषज्ञ सेवाओं के लिए ज़िला मुख्यालय आने की आवश्यकता विशेष परिस्थितियों में ही पड़ेगी।

शुक्ल ने कहा कि यह सेवा न सिर्फ मरीजों की यात्रा की आवश्यकता को कम करेगी, बल्कि समय, धन और संसाधनों की भी बचत करेगी। साथ ही, इससे प्राथमिक स्तर पर कार्यरत चिकित्सकों को विशेषज्ञों की मदद से त्वरित एवं सटीक निर्णय लेने में सुविधा होगी। इससे मातृ-शिशु स्वास्थ्य, गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान व इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि टेली-मेडीसिन सेवा का प्रभावी उपयोग सशक्त व स्वस्थ मध्यप्रदेश के विजन को धरातल पर उतारने में सहयोगी होगा। शुक्ल ने टेली-मेडिसिन कक्ष की व्यस्थाओं का अवलोकन किया।

रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव से विंध्य क्षेत्र के विकास के खुले हैं द्वार

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हाल ही में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव, रीवा के माध्यम से विंध्य क्षेत्र में निवेश के अपार अवसर खुले हैं। जो विंध्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पतंजलि समूह जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की भागीदारी से इस क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति की मजबूत आधारशिला रखी जा सकती है। शुक्ल से अमहिया, रीवा स्थित निज निवास पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक सचिव आचार्य श्री बालकृष्ण ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर पतंजलि संस्थान द्वारा विंध्य क्षेत्र में किए जा रहे निवेश एवं संभावित औद्योगिक परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। क्षेत्रीय विकास, स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग तथा युवाओं को रोजगार से जोड़ने के विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता, प्राकृतिक संसाधनों और जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर विंध्य के निर्माण की दिशा में सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री से थल सेना प्रमुख ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने पुष्प-गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की प्रतिमा भेंट कर थल सेना प्रमुख का स्वागत किया। मुख्यमंत्री को जनरल द्विवेदी ने मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भेंट में प्रदेश में जारी विकास गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार तथा युवाओं में कौशल उन्नयन के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश में विद्यमान सैन्य इकाईयों के प्रबंधन संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल पीपी सिंह तथा मेजर जनरल सुमित मौजूद थे।

व्यवस्था जल जीवन मिशन से हुए इस सकारात्मक बदलाव से पूरा गांव उत्साहित

जनजातीय गांव उफरी के हर घर में पहुंचा नल से जल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

डिंडोरी जिले के करंजिया ब्लॉक का उफरी गांव, जहां कभी जल संकट विकराल रूप ले लेता था, अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा से आत्मनिर्भर हो चुका है। यह वही गांव है, जहां पानी की एक-एक बूंद के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जहां महिलाओं और बच्चों का बड़ा हिस्सा अपने दिन का अधिकांश समय पानी की व्यवस्था करने में ही गंवा देता था। अब यह सब बीते समय की बात हो गई है।

गांव के बुजुर्ग गंगाराम बैगा बताते हैं कि गर्मियों में पानी की इतनी दिक्कत थी कि कई बार हमें रात में भी पानी भरने जाना पड़ता था। कई बार तो ऐसा हुआ कि झिरियों से गंदा पानी पीने के कारण गांव के कई लोग बीमार पड़ गए। हमें कभी उम्मीद नहीं थी कि हमारे गांव में भी नल से पानी मिलेगा। अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। यह हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। जल संकट से जूझ रहे इस गांव में पीएम जनमन योजना के साथ जल जीवन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यहां एक बड़ी पेयजल टंकी का निर्माण कराया गया, जिससे पाइपलाइन के माध्यम से हर घर तक पानी पहुंचाया गया।

गांव की महिला सुकली बाई कहती हैं, पहले हमें रोज सुबह जल्दी उठकर पानी के लिए निकलना पड़ता था। कई बार रात में भी पानी भरना पड़ता था, क्योंकि सुबह भीड़ अधिक होती थी। हमारी पूरी दिनचर्या पानी पर निर्भर थी, खेती-किसानी और बच्चों की देखभाल भी पीछे छूट जाती थी। अब हमें यह चिंता नहीं रहती, अब समय बचता है और हम अन्य कामों पर ध्यान दे सकते हैं।

110 परिवारों के जीवन में बदलाव: लगभग 530 जनसंख्या वाले उफरी गांव में जल जीवन मिशन के तहत 110 परिवारों को घर-घर नल कनेक्शन दिए गए। अब ग्रामीणों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध है, जिससे कई समस्याएं हल हो गई हैं। सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि अब बीमारियों का खतरा कम हो गया है। पहले दूषित पानी पीने के कारण गांव में डायरिया, पीलिया जैसी बीमारियां आम थीं, लेकिन अब स्वास्थ्य केंद्र में ऐसे मामलों में काफी कमी आई है।

विकास की ओर बढ़ता उफरी

पीएम जनमन योजना जल जीवन मिशन से हुए इस सकारात्मक बदलाव से पूरा गांव उत्साहित है। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा है कि यह योजना उनके लिए केवल जल उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। अब उफरी गांव विकास की एक नई राह पर आगे बढ़ रहा है, जहां हर घर जल है और हर घर खुशहाली की ओर अग्रसर है।

नर्सिंग घोटाले में बड़ी कार्रवाई 70 कर्मचारियों की होगी जांच

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

भोपाल। नर्सिंग घोटाले में शासन ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। राज्य सरकार ने शासकीय नर्सिंग कॉलेज जीएमसी की प्राचार्य राधिका नायर को पद से हटा दिया है। साथ ही गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के एक दर्जन से अधिक नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों समेत प्रदेशभर के लगभग 70 लोगों के विरुद्ध चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं। हालांकि एनएसयूआई नेता रवि परमार ने इस कार्रवाई में घोटाले से जुड़े अन्य लोगों को बचाने के भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग महाघोटाले में जिनको नोटिस जारी हुए थे, उनमें जीएमसी के पूर्व प्राचार्य रोसी शाहुल समेत प्रोफेसर में डॉ जितेंद्र महावर, डॉ हरिसिंह मकवाना, डॉ संदीप कुमार मर्सकोले, डॉ वीरेंद्र धुर्वे वहीं नर्सिंग स्टाफ में रजनी नायर, प्रियदर्शनी डेहरिया दीपिका कुंभारे, राजश्री मालवीय शामिल हैं। इन पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होना सवाल खड़े करती है। परमार ने मांग करते हुए कहा सभी संदिग्ध नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही चिकित्सा शिक्षा विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

ब्रीफ न्यूज

जमीन फर्जीवाडे में शामिल अधिकारी और कर्मचारी पर भी हो केसः चौहान

श्योपुर। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ब्रजराज सिंह चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि पिछले कुछ समय में प्रशासन द्वारा फर्जी तरीके से शासकीय भूमि के अवैध पट्टे करवाने वालों पर कार्यवाही करके भूमि को दोबारा शासकीय किया जा रहा है जो की स्वागत योग्य है। प्रशासन को इस प्रकर की कार्यवाही जारी रखने के साथ साथ इस तरह के फर्जीवाडे में संलिप्त अधिकारियो और कर्मचारियों पर भी एफआइआर दर्ज करवानी चाहिए। बिना किसी अधिकारी या कर्मचारी की मदद के आम व्यक्ति स्वयं फर्जी प्रविष्टि तो कर नहीं सकता है। इस प्रकार के मामलों को जमीन को शासकीय घोषित करने के बाद बंद कर दिया जाता है लेकिन आजतक किसी भी अधिकारी कर्मचारी का खुलासा नहीं हो पाया जिसकी मदद से इस प्रकार का फर्जीवाडा किया जाता है। प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रजराज सिंह चौहान ने कहा की जिला प्रशासन इस प्रकार के मामले में संलिप्त अधिकारी कर्मचारी पर एफआइआर दर्ज करवा देगा तो इस प्रकार के फर्जीवाडे स्वतः रुक जाएँगे।

घर के पास घूमने की बात पर मारपीट, केस दर्ज

श्योपुर। जिले के मानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गुरूनावदा में एक युवक के घर के पास घूमने की बात को लेकर गुरूवारर की रात्रि 8 बजे मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने जानकारी दी कि फरियादी राजा पुत्र धनराज आदिवासी उम्र 21 साल ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि आरोपी बृजराज पुत्र रामहेत आदिवासी नि. डाबनी का सहराना को घर के पास घूमने की मना करने की बात को लेकर आरोपी ने जमकर गाली गलौच करते हुए मारपीट कर दी तथा जान से मारने की धमकी दी है।

युवक ने छत पर फांसी लगाकर की खुदकुशी, मर्ग कायम

श्योपुर। जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के वार्ड 2 किला मोहल्ला में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर की छत पर शुक्रवार की सुबह 6 बजे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने जानकारी दी कि सूचनाकर्ता मकसूद खान ने थाने में सूचना दी कि उसका 18 वर्षीय पुत्र ने घर के कमा किला मोहल्ला में छत में लगे कुंदे में फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

मुक्तिनाद नगर एवं किला फीडर से आज बंद रहेगी बिजली

श्योपुर। फीडर मेंटीनेंस के चलते आज 19 अप्रैल को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक 11 केव्ही मुक्तिनाद नगर फीडर एवं किला फीडर से बिजली की आपूर्ति बंद रहेगी। जिसके चलते वार्ड नंबर 14,15, फक्कड चौराहा, गांधी नगर, कमालखेडी, कंडेल बाजार, बडा इमामबाडा, चतरदास जी का टीला, भैस पाडा, हरिजन बस्ती, किला बगीची, छारबाग, कौली चौक, कुम्हार मोहल्ला, मसालदार मोहल्ला, मेवाती मोहल्ला, ईदगाह रोड, किलागेट, जैन मंदिर, नारनौल मस्जिद क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद रहेगी।

सहालगी सीजन में बाजार हुए गुलजार

अक्षय तृतीया की खरीदी करने बाजार में उमड़ी भीड, लगे जाम

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

अक्षय तृतीया के अबूझ मुहूर्त के सहालग के लिए बाजार पूरी तरह से गुलजार है। हालांकि तारा अस्त होने से विवाह के अन्य मुहूर्त नहीं है, लेकिन 30 अप्रैल को आखातीज(अक्षय तृतीया) का अबूझ सावा है। लिहाजा जिले भर में बड़ी संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होंगे। इसके साथ ही विभिन्न समाजों के सामूहिक विवाह सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि इस बार रबी फसल भी अच्छी हुई है, लिहाजा मंडी में फसल विक्रय के बाद किसान भी बाजार में खरीदारी को आ रहे हैं। चूंकि जिले में इस बार सामूहिक विवाह समेलनों की सख्या भी ज्यादा है, लिहाजा बाजार पर असर साफ दिख रहा है। जैसे-जैसे आखातीज नजदीक आ रही है,

वैसे वैसे बाजार में रौनक बढ़ रही है और ग्राहकी की भीड़ बाजारों में उमड़ रही है वहीं बाजार में जाम के हालात भी निर्मित हो रहे है। शहर सहित जिले भर के कस्बाई बाजारों में भी आखातीज की अच्छी ग्राहकी से दुकानदारों और व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं और अच्छे कारोबार से हर वर्ग खुश है। आखातीज के सहालगी सीजन के चलते बढ़ी ग्राहकी से बाजार में वाहन, फर्नीचर, ज्वैलरी व कपड़ों के साथ बिजली के उपकरणों के साथ मिठाई व फूलों क दुकानों में भी रौनक बढ़ी हुई है। वहीं सौंदर्य प्रसाधनों की भी खरीदारी बढ़ी है। विवाह सीजन चलने से चूड़ी मार्केट में महिलाओं की सर्वाधिक भीड़ उमड़ रही है। कांच व लाख के चूड़ा-चूडियां और सौंदर्य प्रसाधनों की खरीदारी के लिए महिलाएं बड़ी संया में पहुंच रही है। महंगाई के बावजूद सर्राफ बाजार में चमक दिख रही है। शहर के साथ ही अंचल के कस्बाई बाजार बड़ौदा, विजयपुर, वीरपुर, कराहल तहसील मुयालयों के बाजारों सहित मानपुर, सोंई, रघुनाथपुर, प्रेमसर, पांडोला, दांतरदा, गसवानी, इकलौद आदि में भी खरीदारी बढ़ गई है और दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं।

शहर के थ्री स्टॉर होटल में जमकर चले लात-घूंसे, सीसीटीवी भी आया सामने

एनवर्सिरी मनाने आये परिवार ने गुलाब जामुन की घटिया क्वालिटी का लगाया आरोप

कोतवाली थाने में दोनो पक्षो ने की शिकायत, केस दर्ज नहीं

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

शहर के लक्जरी थ्री स्टॉर होटल राधिका विलास में गुरूवार की रात्रि 12 बजे एनवर्सिरी मनाने आये परिवार के साथ होटल स्टॉफ द्वारा मारपीट करने के आरोप लगाये हैं, वहीं होटल के संचालक द्वारा व्यापारी पर ही जबरन हाथापाई का आरोप लगाया गया है।

इस दौरान विवाद इतना बड़ा कि परिजनो ने होटल के बाहर धरना देकर जमकर नारेबाजी की और विवाद बढ़ता देख मौके पर पुलिस भी पहुंच गई जिसने मामले को कंट्रोल में लेकर थाने में दोनो पक्षो के आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि मामले में अभी कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ हैं।

व्यापारी दिनेश बंसल ने बताया कि वे अपने परिजनो और मित्रो के साथ होटल राधिका विलास में अपनी एनिवर्सरी मनाने पहुंचे थे, जहां उन्होंने 50 प्लेट की बुकिंग 500 रूपये प्रति प्लेट के हिसाब से बुक की थी, जिसमें परिजनो ने गुलाब जामुन की खराब क्वालिटी को लेकर शिकायत कर डाली। इस बात को लेकर जब होटल स्टॉफ से शिकायत की गई तो बात बिगड गई और मारपीट शुरू हो गई, मारपीट का सीसीटीवी वीडियो सामने आया हैं। बंसल ने यह भी कहा कि हमारी तरफ से होटल स्टॉफ द्वारा की गई कार्यवाही का विरोध जताया गया था, बचाव में हमने भी मारपीट की, लेकिन बाद में मामला शांत हो गया और महिलाओं और बच्चों के साथ नीचे चले गये लेकिन होटल स्टॉफ ने मेन गेट बंद कर दिया और लाठी, फरसे से हमला बोल दिया, इसके बाद परिवार वाले सहम गये और हमारी तरफ से भी बचाव की कोशिश की गई, इतनी देर में पुलिस आ गई और हम लोगो को जाने दिया। मामले में दोनो पक्षो ने कोतवाली थाने में शिकायती आवेदन दिया है।

होटल संचालक का आरोप, व्यापारी ने स्टॉफ से की मारपीट

इस मामले में राधिका विलास होटल के मालिक मनोज सर्राफ ने कोतवाली थाने में भी शिकायती आवेदन दिया जिसमें उल्लेख किया गया कि रात्रि 11 बजे के बजाय होटल से 12 बजे तक खाना लिया गया। 50 प्लेट के बजाय 87 प्लेट ली गई। जब बिल 87 प्लेट का मांगा तो 50 का देने का कहते हुए मारपीट की गई। स्टाफ के सदस्य जब रिसेप्शन की ओर बढ़े, तब दिनेश बंसल और उनके साथियों ने गाड़ी से डंडा निकालकर स्टाफ से मारपीट की, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी होटल की ओर से पुलिस को दिया गया है।

इनका कहना है-

राधिका विलास होटल में हुई मारपीट की वीडियो और सीसीटीवी फुटेज सामने आये हैं वहीं व्यापारी दिनेश बंसल द्वारा एक शिकायती आवेदन सौंपा हैं, दोनो ही आवेदन की जांच की जा रही है, तथ्यों के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

-कमलेन्द्र सिंह
प्रभारी टीआई कोतवाली श्योपुर

मंडी में गेंहू खरीदी कार्य का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

23 हजार मैट्रिक टन गेहूं की हुई खरीदी, जैदा मंडी में किसानो से भी की चर्चा

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा शुक्रवार को जैदा कृषि उपज मंडी स्थित खरीद केन्द्रों का अवलोकन कर समर्थन मूल्य पर किये जा रहे गेहूं उपार्जन कार्य का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने सेट्रल वेयरहाउस कार्पोरेशन तथा स्टेट वेयरहाउस के गोदामो पर की जा रही खरीद प्रक्रिया का अवलोकन किया। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने खरीद केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान टोकन व्यवस्था एवं क्रम से आ रही ट्रॉलियों के संबंध में जानकारी ली गई तथा निर्देश दिये कि क्रम संख्या के आधार पर ही तुलाई का कार्य किया जायें, उन्होने निर्देश दिये कि लाईन तोडकर अव्यवस्था करने वालो की ट्रॉलियों को चिन्हित किया जाये तथा उनकी खरीद सबसे अंत में की जायें। इसके साथ ही उन्होंने खरीद कर रही सोसायटियों के प्रबंधको को गेहूं भण्डारण के लिए ओर अधिक लेबर लगाये जाने के निर्देश भी दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, फूड आफिसर सुनील शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्योपुर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 33 केन्द्र बनाये गये है, जिले में 20 हजार से अधिक किसानों द्वारा गेहूं विक्रय के लिए पंजीयन कराया गया है, अभी तक 23 हजार मैट्रिक टन के लगभग गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। इस वर्ष 1 लाख 30 हजार मैट्रिक टन गेहूं उपार्जन होना है। अभी तक 5 हजार किसानों द्वारा गेहूं विक्रय के लिए स्लाट बुक कराये गये है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर ने किया अवलोकन

चौपडा तालाब के पिचिंग कार्य का निरीक्षण, गहरीकरण के निर्देश दिये

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने शुक्रवार को दोपहर 3 बजे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत जैदा अंतर्गत चोपडा तालाब पर कराये जा रहे पिचिंग कार्य का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिये कि तालाब का ओर अधिक गहरीकरण कराया जाये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, परियोजना अधिकारी विक्रम जाट, आरईएस एई पंकज राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चौपडा तालाब के जीर्णोद्वार कार्य के अवलोकन के दौरान निर्देश दिये कि तालाब की पाल को मजबूत और ऊचाई की जाये, जिससे बारिश का पानी तालाब में पर्याप्त मात्रा में भर सकें। इसके साथ ही तालाब के कैचमेंट एरिये में साफ-सफाई की जायें, जिससे तालाब में पानी आने के रास्ते में कोई अवरोध न रहें। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने इस दौरान ग्राम जैदा स्थित प्राचीन बावडी का निरीक्षण भी किया तथा बावडी के जीर्णोद्धार कार्य को शुरू कराने के निर्देश दियें। उन्होने कहा कि 15 दिवस के अंदर बावडी का रिनोवेशन कार्य पूर्ण किया जायें। इसके साथ ही ग्रामीणों द्वारा अवगत कराये जाने पर हरिजन बस्ती में स्थित कुए की साफ-सफाई का कार्य कराये जाने के निर्देश भी दिये गये। सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि जैदा स्थित चौपडा तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य 14 लाख 95 हजार रूपये की लागत से कराया जा रहा है। इसके अतंर्गत 380 मीटर लम्बाई में तालाब की पाल पर पिचिंग का कार्य किया जा रहा है तथा 20 हजार क्यूविक मीटर मिट्टी निकालकर गहरीकरण का कार्य किया जायेगा।

बच्चों को छोड़ अधेड़ के साथ रफूचक्कर हुई महिला

श्योपुर। डॉक्टर पति और बच्चों को छोड़ अधेड़ के साथ रफूचक्कर हुई पत्नी, पति बोला तांत्रिक तंत्र मंत्र कर ले गया। पत्नी को को वापस लाने पति अब दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। श्योपुर के सलापुरा से एक अजीब मामला सामने आया है जहां प्रायवेट डॉक्टर ने आरोप लगाए हैं कि तांत्रिक के द्वारा मेरी पत्नी पर तंत्र मंत्र की विद्या कर उसे घर से भगा ले गया। पीड़ित पति ने बताया कि कुछ समय पहले मेरी पत्नी को कुछ समस्या थी मुझे कुछ लोगों के द्वारा बताया गया कि बिहारी गुर्जर नाम का तांत्रिक व्यक्ति तुम्हारी पत्नी को सही कर देगा जब मैने उसको बुलाया तो उसने मेरी पत्नी को सही कर दिया तब से उसका हमारे यहां आना जाना था फिर उसने मौका पाकर मेरी पत्नी का दिमाग डायवर्ड कर ओर मेरे घर पर तंत्र मंत्र कर मेरी पत्नी को लेकर चला गया है मेरे घर के बाहर गड्ढे में तांत्रिक विद्या के सामान भी गढ़े हुए मिले हैं मेरे छोटे छोटे बच्चे हैं पत्नी को तांत्रिक के पास से वापस लाने अब विश्वजीत विश्वास पुलिस के चक्कर लगा रहा है।

सरकारी गौशालाओं में गौवंश रहे मौजूद : कलेक्टर

पशुपालन विभाग की बैठक से अनुपस्थित तीन चिकित्सको को नोटिस जारी

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा है कि जिले में संचालित गौशालाओ में पर्याप्त संख्या में गौवंश की उपलब्धता सुनिश्चित की जायें। पशु औषधालयों के चिकित्सक अपने-अपने क्षेत्र में स्थित गौशालाओं में गौवंश की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पंचायत सचिव तथा गौसेवको के माध्यम से प्रयास करें। इसके साथ ही गौशालाओं का नियमित निरीक्षण भी करें। वे आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। इस दौरान बैठक से अनुपस्थित तीन पशु चिकित्सको की एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोके जाने हेतु कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये गये। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने निर्देश दिये कि आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना सहित मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना में वर्तमान वर्ष में सभी लक्ष्य पूर्ण किये जायें।

नेशनल लाइव स्टोक मिशन अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान का कार्य सुनिश्चित किया जायें तथा मॉनीटरिंग की जाये कि कितने एआई सफल रहें और कितने में फीमेल गौवंश एवं भैसवंशीय पैदा हुए। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा बैठक से अनुपस्थित डॉ जीएस गहलोत पशु चिकित्सालय विजयपुर, डॉ देवप्रकाश शाक्य जिला कार्यालय पशुपालन विभाग एवं डॉ वैशाली उईके पशु चिकित्सालय कराहल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उप संचालक पशु पालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे ने बताया कि नेशनल लाइव स्टोक मिशन के तहत 1132 एआई सफल रहे है, जिनमें 932 फीमेल पैदा हुए है। इसके साथ ही उन्होने जानकारी दी कि आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना में 8 हितग्राही का लक्ष्य था, जो शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, 1800 पशुपालको के केसीसी लक्ष्य के विरूद्ध 1843 की प्रगति रही है।

पीएम जनमन योजना अंतर्गत संचालित कार्यो की समीक्षा

पंचायतों में अब कोई पात्र हितग्राही शेष न रहें : कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा है कि वर्तमान में आवास सर्वे के लिए 65 पंचायते रिओपन कराई गई है, इन ग्रामों में सभी पात्र हितग्राहियों के नाम सर्वे में जोडे जायें, इसके उपरांत कोई भी हितग्राही शेष न रहें। इसके साथ ही स्वीकृत आवास के निर्माण कार्य की गति बढाते हुए शीघ्रता से पूर्ण कराये जायें। वे आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित पीएम जनमन अंतर्गत संचालित कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत 23 हजार 854 आवास में से अभी तक 3831 आवास पूर्ण हुए है, यह प्रगति 16 प्रतिशत के लगभग है। इसके अलावा उन्होने आरईएस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पीएम जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत 24 मल्टीपरपज सेंटर का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें, वर्तमान में 23 कार्य शुरू हो गये है। उन्होने कहा कि धीरोली में स्वीकृत मल्टीपरपज सेंटर का कार्य भी भूमि उपलब्धता की समस्या का निराकरण करते हुए शीघ्र ही शुरू कराया जाये। पीएम जनमन के तहत 1455 आदिवासी परिवारों को बिजली कनेक्शन के संबंध में निर्देश दिये कि एक सप्ताह में संबंधित क्षेत्र के उपयंत्रियों से रिपोर्ट लेकर कार्य कराये जायें, वर्तमान में 172 कार्य पूर्ण हुए है। उन्होने आंगनबाडी केन्द्रों के भवन निर्माण के प्रगतिरत 14 कार्यो को भी जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये, योजना के तहत 37 आंगनबाडी भवन स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 23 का कार्य पूर्ण हो गया है। सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि पीएम जनमन के तहत अभी तक 27 हजार 965 हितग्राहियों का सर्वे किया गया है, जिनमें से 23 हजार 854 आवास स्वीकृत कर 22 हजार 118 हितग्राहियों को प्रथम किस्त प्रदान की गई है।

उन्होने कहा कि प्रगति बढाने के लिए नियमित रूप से सभी जनपद सीईओ एवं आवास कोर्डीनेटरो की समीक्षा की जा रही है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, एसडीएम कराहल मनोज गढवाल, प्रभारी सहायक आयुक्त रिशु सुमन, महिला बाल विकास अधिकारी ओपी पाण्डेय सहित बिजली, शिक्षा, पीएमजीएसवाय, आरईएस, स्वास्थ्य आदि विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

अस्पताल में भर्ती मरीज के लिए किया रक्तदान

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

जिला अस्पताल में भर्ती महिला मरीज के लिए शुक्रवार को एक समाजसेवी युवा द्वारा बी पॉजीटिव रक्त का दान कर उसकी जान बचाने की कोशिश की है। जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में बीमार महिला का ब्लड केवल 5 पॉइंट रह गया था, जिसकी सूचना विभिन्न ग्रुपो मे शेयर की गई, जिसके बाद देवसेना के जिलाध्यक्ष सुग्रीव गूर्जर ने क्रीडा भारती के पूर्व जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र प्रताप सिंह गौड़ को सूचना दी, और जानकारी मिलने के बाद भूपेन्द्र रक्तदाता रविन्द्र प्रजापति को लेकरर अस्पताल पहुंचे जहां ब्लड बैंक में रक्तदान कराया है। इस दौरान परिजनो ने श्री प्रजापति का आभार जताते हुए धन्यवाद दिया वहीं ब्लड बैंक की और से प्रशस्ती पत्र भी भेंट किया गया है।

दलित भाई-बहनों के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म भाजपा की सरकारों ने किया: पिरौनिया

भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहेब को हमेशा सम्मान दिया हैः राजौरिया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने देश में 55 वर्षों तक शासन किया। कांग्रेस ने अपने नेताओं को तो सम्मान दिया, लेकिन बाबा साहब अंबेडकर को सम्मान देने के स्थान पर उनका अपमान किया। आजादी के बाद कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का तिरस्कार किया था। 1947 के बाद प्रथम बार हुए चुनावों में डॉ. अंबेडकर की प्रबल इच्छा थी कि चुनाव लड़े, लेकिन जवाहर लाल नेहरु ने उनकी यह इच्छा पूरी नहीं होने दी और उनको चुनाव में टिकिट नहीं दिया। इसके अलावा भी 70 वर्षों तक अंबेडकर की जयंती पर सरकार ने अनिवार्य छुट्टी की घोषणा नहीं की। जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तब जाकर के बाबा साहब अंबेडकर को जो सम्मान मिलना चाहिए, वो सम्मान भाजपा की केंद्र सरकार ने दिया। उक्त बात भाजपा मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने बराहर-वंशकार समाज द्वारा डॉ. अंबेडकर की जयंती पर तिलक नगर स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित संगोष्ठी का संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम सभी को भी बाबा साहब अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। आज केंद्र की मोदी सरकार और मप्र की मोहन सरकार बाबा साहेब के बताए हुए मार्गो पर चल रही है। आज हम सभी जिस माहौल में रह रहे है, वो बहुत ही अच्छा माहौल है। डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक न्याय और सुधारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने महिलाओं की स्थिति में सुधार पर विशेष जोर दिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक घनश्याम पिरौनिया ने कहा कि सामाजिक न्याय की कल्पना को साकार करने के लिए डॉ. आंबेडकर के विचारों को अपनाना जरूरी है। देश की आजादी के बाद जब पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी, तो पं. नेहरू ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगाने का प्रावधान हमारे संविधान में कर दिया। इसमें ये प्रावधान था कि जम्मू-कश्मीर का संविधान अलग होगा, वहां का प्रधानमंत्री अलग होगा और वहां का झंडा भी अलग होगा। इसके साथ ही इसमें यह भी प्रावधान भी था कि अगर किसी सफाईकर्मी का बच्चा योग्य भी है, तब भी वह कुछ और नहीं बन सकेगा, उसे अपना परंपरागत व्यवसाय ही करना होगा। इस भेदभाव का डॉ. अंबेडकर ने पुरजोर विरोध किया। देश की आजादी के बाद 75 वर्षों तक किसी ने इस भेदभाव की चिंता नहीं की। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाकर दलित भाई-बहनों के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म किया और उन्हें अधिकार प्रदान किए। इस अवसर पर मंच पर महामंत्री विनोद शर्मा, राजू पलैया, गिर्राज व्यास, मुलायम सिंह यादव, अखिल राजौरिया उपस्थित थे। इस अवसर पर संगोष्ठी में देवेंद्र सैन्या, करन सिंह धनौलिया, बलवीर भारती, ललित सैन्या, हेमंत धनौलिया, डॉ. धर्मेंद्र दिसौरिया, डॉ. रविंद्र लिधौरिया, डॉ. अरविंद बैदोरिया, एड. गजेंद्र दिसोरिया, पवन भरदेले, अर्जन नागलि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नीडम के बाद अब चेतकपुरी रोड को लेकर सोशल मीडिया पर अभियान

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर के प्रबुद्ध जन नीडम आरओबी के शुभारंभ के बाद अब चेतकपुरी रोड बनवाने के लिए पुन: सक्रिय हो गये हैं। महानगर के प्रबुद्ध जनों ने अब चेतकपुरी की लगभग छह माह से खुदी पड़ी सड़क के लिए सोशल मीडिया पर आवाज उठाना शुरू कर दिया है।

वहीं प्रबुद्धजनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 24 अप्रैल के प्रस्तावित दौरे से पहले आमजन की सुविधा को देखते हुये तत्काल चेतकपुरी रोड निर्माण कराये जाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि चेतकपुरी रोड महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि से चेतकपुरी रोड तक डाली गई बड़ी सीवर लाइन के चलते खुदी पडी है। हालांकि उक्त सड़क पर सीवर लाइन डालने का कार्य विगत 15 दिन पूर्व ही पूरा हो चुका है लेकिन उसके बाद भी ठेकेदार द्वारा अभी तक नहीं बनवाई गई है। और न ही अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे हैं। जिसके चलते चेतकपुरी रोड पर धूल के गुबार उड़ रहे हैं और वहां से निकलने वाले राहगीर धूल से रंगे पुते होकर निकल रहे हैं और प्रशासन को कोस रहे हैं। दिन में लगातार उड़ने वाली धूल को दबाने के लिए टैंकर से पानी तो जरूर डलवा रहा है लेकिन उक्त सड़क पर अभी तक ठेकेदार ने निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया है। ज्ञातव्य है कि उक्त सड़क पर रोजाना हजारों चार पहिया, दो पहिया से लेकर भारी वाहन के साथ ही अधिकारी कर्मचारी भी निकलते हैं लेकिन कोई भी उक्त रोड पर संज्ञान लेने के लिए आगे नहीं आया है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर श्रेय लेने से पहले नीडम के आरओबी को बिना उद्घाटन के शुरू होने के बाद फिर बंद होने पर प्रबुद्धजनों ने अपनी ही सरकार को चेतावनी दे डाली और उक्त नीडम आरओबी को बिना शुभारंभ ही शुरू करने पर जोर दे डाला। इसके बाद प्रशासन जागा और आनन फानन में मुख्यमंत्री से वर्चुअल शुभारंभ कराया। उधर अब प्रबुद्ध वर्ग के लोग आमजन की सुविधा के लिए एक बार फिर सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गये हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री के आगमन से पहले चेतकपुरी रोड को तत्काल निर्माण कराये जाने की मांग की है। वहीं प्रबुद्ध जनों ने चेतावनी दी है कि नहीं तो वह लोगों को साथ लेकर सड़क निर्माण को लेकर आंदोलन छेड़ देंगे।

तरणताल के संचालन के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन अनिवार्य

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश नगर पालिका तरणतालों का विनियमन आदर्श उपविधियां, 2011 के तहत् नगर निगम सीमांतर्गत तरणताल (स्विमिंग पूल) के संचालन के लिए विभिन्न मापदण्डों का पालन अनिवार्य है। उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार तरणताल के संबंध में भवन निर्माण अनुज्ञा तथा तरणताल का ड्राइंग, ले-आउट दो प्रतियों में पंजीयन हेतु आवेदन के साथ उपलब्ध कराना अनिवार्य है। तरणताल की न्यूनतम गहरायी 0.9 मीटर से 1.5 मीटर होना चाहिये। तरणताल फिल्टर प्लांट उपलब्ध होना एवं नियमित चालू अवस्था में होना अनिवार्य है। उसके साथ ही तरणताल का पानी स्वच्छ एवं तैरने योग्य होना चाहिये। तरणताल के पानी का पी.एच. मान 7 से कम तथा 8 से अधिक नहीं होना चाहिये। यदि क्लोरीन आधारित रोगाणुनाशी उपयोग किये गयें हैं, वहां न्यूनतम 0.5 मिलीग्राम प्रतिलीटर मुक्त उपलब्ध क्लोरीन अवशिष्ट के साथ अधिकतम 3 मिलीग्राम प्रतिलीटर मुक्त उपलब्ध क्लोरीन अवशिष्ट बनाये रखा जाना चाहिये। निश्चित समयान्तराल पर तरणताल के पानी की जांच एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त लैबोरेटरी से कराया जाना चाहिये। तरणताल में महिला एवं पुरुषों के लिए पृथक-पृथक चेंजिंग रूम एवं स्नान गृह होना अनिवार्य है। तरणताल में महिला एवं पुरुष बैचों हेतु लाईफगार्ड एवं प्रशिक्षक पृथक-पृथक होना चाहिये। तरणताल में प्राथमिक उपचार एवं प्रशिक्षित स्टाफ होना आवश्यक है। तरणताल में सुरक्षा उपकरण जैसे लाईफबॉय, लाईफजैकेट्स, सेफ्टी रॉड आदि होना चाहिये। तरणताल में गहरायी के संकेतक लगे होना चाहिये। तरणताल प्रकाश की व्यस्था पर्याप्त होना तथा तरणताल पर सभी विधुत वायरिंग, उपस्करल और संस्थापन भारतीय विधुत नियमों के अनुरूप होंगे। अनुज्ञप्त विद्युत ठेकेदार या विद्युत निरीक्षक से लिखित साक्ष्य लिया जायेगा कि सभी विद्युत संहिताओं का अनुपालन किया गया है।

भाजपा युवा कार्यकर्ताओं ने जिला संयोजक आईटी से की भेंट

ग्वालियर। भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं ने हाल ही में जिला संयोजक (आईटी) राघवेंद्र सिंह कुशवाह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर श्री कुशवाह ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि भाजपा संगठन को मजबूत बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमें समाज हित में निरंतर कार्य करते रहना चाहिए और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। बैठक में अमित श्रीवास्तव जिला सह संयोजक आईटी, भाजपा योगेश दंडोतिया जिला महामंत्री (ग्रामीण), नमो नमो मोर्चा एवं भाजपा युवा नेता राजीव श्रीवास्तव, जिला संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ नमो नमो मोर्चा प्रदीप गर्ग, मंडल सह संयोजक ऋतिक अग्रवाल, मंडल संयोजक आईटी कृष्णा थानेश्वर, मंडल महामंत्री नमो नमो मोर्चा हरिओम गौड़, मंडल संयोजक आईटी विनोद कुशवाह आदि भाजपा युवा नेता उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री तोमर करेंगे शुभारंभ

क्षत्रिय महासभा का मल्टी स्पेशलिटी निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर कल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में मल्टी स्पेशलिटी निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण शिविर का आयोजन शनिवार को महाराणा प्रताप भवन, कुंज विहार कॉलोनी, (शताब्दीपुरम फेज-2) पर प्रातः 9 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक किया जाएगा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश सचिव ललित सिंह तोमर एवं जिला महामंत्री संजय सिंह भदौरिया ने बताया कि इस मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सा शिविर का उद्घाटन ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा किया जाएगा तथा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री इंजी. राजेंद्र सिंह भदौरिया मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस चिकित्सा शिविर का मुख्य उद्देश्य सर्व समाज को निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर के दौरान हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष चौहान, न्यूरो एवं स्पाइन विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक सिंह चौहान, भेषज (मेडिसिन) विशेषज्ञ डॉ. अवधेश सिंह तोमर, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वदेश भदौरिया, डॉ. आनंद रावत, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शालिनी सिंह, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल गुप्ता, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस जादौन, डॉ. संतोष सिंह तोमर, मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. दृष्टि, अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. जेपीएस कुशवाह सहित लगभग सभी चिकित्सीय विधाओं के चिकित्सक शिविर के दौरान मरीजों के आरोग्य हेतु परामर्श के लिये उपलब्ध रहेंगे। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के संभागीय इकाई के अध्यक्ष मैहर सिंह जादौन एवं जिला इकाई के अध्यक्ष विष्णु प्रताप सिंह भदौरिया ने बताया कि चिकित्सा शिविर में आने वाले रोगियों के लिए अनेक प्रकार की जांचों की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। जिसमें न्यूरोपैथी, बीएमडी, रक्त अल्पता, मधुमेह तथा अन्य प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचें शामिल हैं।

आशा सिंह बनीं ग्राहक पंचायत की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की राष्ट्रीय साधारण सभा उत्तरप्रदेश के बाराबंकी में आयोजित की गई। सभा में घोषित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में ग्वालियर की श्रीमती आशा सिंह को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घोषित की गईं। आगामी 3 वर्षों के लिए घोषित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मध्यभारत प्रांत की सहभागिता बढ़ी है। जिसमें श्रीमती आशा सिंह के अलावा पूर्व न्यायाधीश अशोक पाण्डेय भोपाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। श्रीमती दीपलक्ष्मी धामनकर इंदौर को सह महिला प्रमुख, श्रीमती अनिला जगत इंदौर को विशेष आमंत्रित सदस्य तथा रविकांत जायसवाल रायपुर को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। गुना के अलंकार वशिष्ठ को मध्यक्षेत्र संगठन मंत्री और विजय पाटिल (बुरहानपुर) को मध्यक्षेत्र सह संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया।

सभापति ने वार्ड 47 में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

ग्वालियर। सभापति मनोज सिंह तोमर ने वार्ड 47 में विकास कार्यों का पूजन बुजुर्गों एवं रहवासियों से कराया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद जितेंद्र मुद्गल, वरिष्ठ जन एवं क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अवसर पर सभापति श्री तोमर ने कहा कि सभी वार्डों में आमजन की मूल भावनाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता अनुसार विकास कार्य तेजी से कराई जा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय शोध सेमिनार व पुस्तक का लोकार्पण ग्लोबल टॉप 50 अचीवर्स अवार्ड कन्याकुमारी में संपन्न

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर प्रशांत हिंद महासागर से घिरे भारत के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी में गोपाल किरण समाजसेवी संस्था द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती के एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय भव्य सेमिनार वाय एमसीए कन्याकुमारी में एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया। जिसमें पुस्तक लोकार्पण, कविता पाठ एवं शोध प्रबंध पर व्याख्यान हुए। जिसका उद्घाटन सूर्यकांत शर्मा सीनियर कंसलटेंट (एएमएफआई) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एम.आर.रायपुरिया 'आदर्श' प्राचार्य साहित्यकार, सामाजिक चिंतक तथा विकास दत्तू गवई, राष्ट्रीय अध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापिठ औरंगाबाद, श्रीमती बी. यदु, (धमतरी), जे. नागराज, डॉ. शेख बेनजीर, विभागाध्यक्ष, हिंदी, चित्तूर, हरिलाल डेगल, (एडवोकेट), जिला एवं सत्र न्यायालय, दंतेवाड़ा, डॉ. रविंद्र सिंह नाग, सहायक मेडिकल ऑफिसर, आदित्य प्रताप सिंह, चेन्नई, डॉ.जे.नागराज एसोसिएट प्रोफेसर, तमिलनाडु, डीआर डॉ.आर.श्रीदेवी, मंजूनाथ नीलप्रा, उत्तर कन्नड़, डॉ.एल.पी.लमानी, असिस्टेंट प्रोफेसर, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ आदि थे। स्वागत गीत डॉ.सुनीता पंद्रो अंतरराष्ट्रीय शोध लेखिका, कवयित्री,सामाजिक वैज्ञानिक, सामाजिक चिंतक, भोपाल एवं श्रीमती बी.एल.यदु ने प्रस्तुत किया। डॉ.एल.पी.लमानी ने अंबेडकर जी के जीवन के संघर्षों पर प्रकाश अपने प्रभावी वक्तव्य से डाला। डॉ. एम.आर. रायपुरिया 'आदर्श' ने अपने अनुभव के आधार पर अंबेडकर जी के ऊपर अपने बहुमुखी विचार रखें।

डॉ. उद्धव पटेल ने चिकित्सा क्षेत्र में रहते हुए अपने विद्यालय में साथ पढ़े हुए अपने एलमनाई साथियों को जोड़कर समूह बनाकर अनोखी पहल कर रहे हैं। डॉ. महिमा सिंह ने अपनी एकल काव्य पुस्तक भावमीहिका में से ÷तीन प का जाल÷ नामक कविता का काव्य पाठ किया जिसे सभी ने सराहा। डॉ. सुधांशु कुमार चक्रवर्ती ने एकांकी हिन्दी नाटक सत्ता पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया।

भोजन काल के उपरांत इस समारोह मे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनेक सुधीजनों को ग्लोबल टॉप 50 के तहत इंटरनेशनल सिंबल ऑफ नॉलेज डॉ. बी.आर.अंबेडकर आइकॉन अचीवर्स अवॉर्ड, सावित्रीबाई फुले ग्लोबल डायमंड डिग्निटी अचीवर्स अवॉर्ड, ग्लोबल आइकॉन इक्कलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड, ग्लोबल आइकॉन इक्कलिटी लिटरेरी अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किये गए।

निगम ने बंद कराये 13 अवैध वाहन धुलाई सेंटर

चार स्थानों पर चालू कराई सार्वजनिक प्याऊ

ग्वालियर। गर्मी के मौसम में जल समस्या को देखते हुए नगर निगम ग्वालियर द्वारा अवैध वाहन धुलाई सेंटरों पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही है तथा यदि चेतावनी के बाद भी धुलाई सेंटर संचालक धुलाई सेंटर बंद नहीं करते तो उनके कनेक्शन काटने के साथ ही सामान जब्त किया जा रहा है। जिसके तहत शुक्रवार को 13 अवैध धुलाई सेंटर बंद कराए गए। सहायक यंत्री प्रवीण दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार विभिन्न स्थानों पर अवैध धुलाई सेंटरों को बंद कराया गया। जिसके तहत आज जलप्रदाय संधारण उपखंड लश्कर पश्चिम क्रमांक 2 की संयुक्त टीम द्वारा वार्ड 47 एवं 53 में संचालित 13 वाहन धुलाई सेंटरों को तत्काल बंद कराया गया। इसके साथ ही विभिन्न चार स्थानों पर सार्वजनिक प्याऊ को चालू किया गए। साथ ही वार्ड 44,43,53 में खुले नलों के पानी के अपव्यय को रोकने के लिए 145 नलों में टोटियां लगाई गई।

बढ़ते हुए तापमान को ध्यान में रखकर जिले के उपार्जन केन्द्रों पर की विशेष व्यवस्थायें

किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है शरबत और ओआरएस

ग्वालियर। बढ़ते हुए तापमान को ध्यान में रखकर जिले के उपार्जन केन्द्रों पर किसान व हम्माल भाईयों को शीतल जल के साथ-साथ ओआरएस व शरबत जैसे पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को तिघरा संस्था द्वारा संचालित खरीदी केन्द्र पर जब किसानों व हम्माल भाईयों को शरबत पीने को दिया गया तो वे काफी खुश हुए और सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को उपार्जन केन्द्र पर अपनी उपज बेचने में कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए। सभी केन्द्रों पर शीतल पेयजल व छाया सहित अन्य बुनियादी सुविधायें भी पुख्ता रहें। इसी कड़ी में अत्यधिक गर्मी को ध्यान में रखकर सभी खरीदी केन्द्रों पर ओआरएस की व्यवस्था की गई है। साथ ही सुविधा के अनुसार अन्य शीतल पेय पदार्थ भी किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिले में समर्थन मूल्य पर किसान भाइयों से गेहूँ का उपार्जन जारी है। अब तक 1363 किसानों से एक लाख 65 हजार 498 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। समर्थन मूल्य पर अपना गेहूँ बेचकर गए किसानों को अब तक 4 करोड़ 69 लाख 85 हजार रूपए से अधिक का भुगतान किया गया है। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिये कुल 41 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूँ बेचने के लिये जिले के कुल 13 हजार 574 किसानों ने 40 उपार्जन केन्द्रों पर अपना पंजीयन कराया है। किसानों द्वारा अभी तक 41 संस्थाओं पर 3 हजार 505 स्लॉट बुक कराए जा चुके हैं। किसान भाई अपनी सुविधानुसार मोबाइल फोन से स्लॉट बुक कराकर अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेच सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा 2600 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की जा रही है। जिसमें 175 रूपए प्रति क्विंटल बोनस शामिल है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल आज ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे

ग्वालियर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल 19 अप्रैल को दतिया, ग्वालियर व मुरैना जिले के प्रवास पर रहेंगे। शुक्ल इस दिन प्रात: काल दतिया में माता पीताम्बरा शक्ति पीठ के दर्शन करने के बाद सड़क मार्ग द्वारा प्रात: 10 बजे ग्वालियर सर्किट हाउस पहुँचेंगे और जनप्रतिनिधियों, जन सामान्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों से भेंट करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप मुख्यमंत्री शुक्ल दोपहर 12.30 बजे गजराराजा मेडीकल कॉलेज की साधारण सभा की बैठक में शामिल होंगे। शुक्ल दोपहर बाद 3 बजे शनिश्चरा मंदिर के लिये प्रस्थान करेंगे। शनिश्चरा मंदिर के दर्शन करने के बाद बड़ागाँव-नावली जिला मुरैना पहुँचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कार्यालय
वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल श्योपुर (म.प्र.)

E-Mail ID:- dfotskalan@mp.gov.in | Office Add. :- Eco Center, Shivpuri Road, Sheopur MP

क्रमांक / 2025 / 3231 | श्योपुर, दिनांक 17/4/2025

ई– निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वनवृत ग्वालियर के श्योपुर सामान्य वनमंडल अतंर्गत प्रधानमंत्री वन धन विकास केन्द्र कराहल में वित्तीय वर्ष 2025–26 (31.03.2026 तक) में Bel Pulp Extractor Machine, Electricity Dryer, Pulveriser cum Grinder मशीन कय के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, शर्ते एवं विस्तृत जानकारी हेतु म.प्र. शासन की बेबसाईट https://mptenders.gov.in पर लॉग–ऑन करें।

निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रूपयें 500.00 तथा सत्यंकार की राशि 25000.00 (पच्चीस हजार मात्र) है। निविदा प्रपत्र ऑन–लाईन ही कय किया जा सकेगा एवं निविदा ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी।

क्र.	सामग्री का नाम	सत्यंकार की राशि (रु. में)	अनुमानित मात्रा
01	Bel Pulp Extractor Machine	25,000/-	01 No's.
02	Electricity Dryer	25,000/-	01 No's.
03	Pulveriser cum Grinder	25,000/-	01No's.

निविदा का कुल मूल्य लगभग रूपयें 500000.00 (पांच लाख मात्र) है। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होने की स्थिति में संशोधन की जानकारी बेबसाईट पर दी जावेगी।

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1	Publishing Date	17.04.2025	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईटhttps://mptenders.gov.inपर दर्शित है।
2	Documents download	23.04.2025	
3	Bid Submission Start Date	24.04.2025	
4	Bid Submission Closing Date	07.05.2025	
5	Bid Opening Date	09.05.2025	

(के0एस0 रंधा)
भा.व.से.
वनमंडलाधिकारी
सामान्य वनमंडल श्योपुर (म.प्र.)

G-11732/25

ब्रीफ न्यूज

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दिखाई आंखें, कहा- 4.3 बिलियन डॉलर देकर माफी मांगे

ढाका। हाल में खबरें आ रहीं थीं पाकिस्तान और बांग्लादेश में काफी नजदीकियां बढ़ रहीं हैं, लेकिन अब सब कुछ उल्टा दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से स्पष्ट कहा कि 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए माफी मांगे और 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करे। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ हुई ऐतिहासिक बातचीत में कई अनसुलझे मुद्दे उठाए, इनमें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेनाओं द्वारा किए गए अत्याचारों को लेकर सार्वजनिक माफी और पाकिस्तान से लंबित वित्तीय मामलों को उठाया है।दोनों देशों के बीच में 15 सालों में पहली बार हुई सेक्रेटरी स्तर की मीटिंग में बांग्लादेश ने इस्लामाबाद से पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए कृत्यों के बदले माफी और इसके अलावा संयुक्त संपत्ति से अपने हिस्से के रूप में 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने की मांग की है।

कानून व्यवस्था संभालने वाली मां की पिस्तौल से बेटे ने चलाई गोलियां

वॉशिंगटन। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में गुरुवार को उस वक्त खौफ फैल गया, जब एक 20 साल के नौजवान ने अंधाधुंध गोलियां चला दीं।हमलावर एक शेरिफ डिप्टी का बेटा है, जिसने अपनी मां की पुरानी सर्विस पिस्तौल से यह कांड किया। शेरिफ अमेरिका और कुछ अन्य देशों के काउंटीज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है। पुलिस ने उसे गोली मारकर काबू किया और अब वह हिरासत में है। दोपहर के करीब 11ः50 बजे, जब यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट यूनियन गुलजार था, तभी गोलियों की तड़तड़ाहट ने सबको दहला दिया। हमलावर, जिसका नाम फीनिक्स इकनर बताया जा रहा है, यूनिवर्सिटी का ही स्टूडेंट है। पुलिस के मुताबिक, फीनिक्स ने अपनी मां की पुरानी सर्विस पिस्तौल से हमला किया। उसकी मां 18 साल से शेरिफ ऑफिस में काम कर रही हैं और एक मॉडल कर्मचारी मानी जाती हैं। हैरत की बात यह है कि फीनिक्स खुद शेरिफ ऑफिस के यूथ एडवाइजरी काउंसिल का पुराना मेंबर था। शेरिफ वॉल्ट मैकनील ने कहा, वह हमारे ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का हिस्सा रहा।

टैरिफ की जंग खत्म होने के आसारः चीन और अमेरिका के बीच होगी बात?

वॉशिंगटन। चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ की जंग खत्म होने के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार खत्म हो सकता है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया जब इस सप्ताह चीन से आयात पर टैरिफ 245 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया था। ट्रंप ने कहा कि वह टैरिफ में और वृद्धि नहीं चाहते, क्योंकि इससे उपभोक्ता खरीदारी बंद कर सकते हैं। उन्होंने टिकटॉक के भविष्य पर भी समझौते की संभावना जताई। वाइट हाउस में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, कि मैं नहीं चाहता कि टैरिफ और बढ़े, या मैं उस स्तर तक भी नहीं जाना चाहता।

सामान्य स्मार्टफोन से करीब 25 करोड़ गुना तेज कैमरा वैज्ञानिकों ने किया तैयार

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने ऐसा कैमरा तैया किया है, जो एक सेकंड के खरबवें हिस्से में फोटो खींच सकता है। यह कैमरा सामान्य स्मार्टफोन से करीब 25 करोड़ गुना तेज है। कैमरे का नाम है वीएसपीडीएफ, कैमरे को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने तैयार किया है। इसकी मदद से परमाणुओं की गति और उनकी हलचल को बेहद सटीकता से देख सकते है। दरअसल वैज्ञानिक लंबे समय से इस प्रक्रिया को समझना चाहते थे, लेकिन तकनीक की सीमाओं के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। अब इस नए सुपर-फास्ट कैमरे से संभव हो सकेगा। यह कैमरा आम कैमरों की तरह रोशनी का इस्तेमाल नहीं करता, बल्कि न्यूट्रॉन नामक सूक्ष्म कणों की मदद से परमाणुओं की स्थिति का पता लगाता है।

कैलीफोर्निय में बर्कले यूनीवर्सिटी में एक रैली में बैनर लेकर प्रदर्शन करते हुए लोग।

मेलोनी मुझे बहुत पसंद उनकी प्रतिभा का मैं कायलः ट्रंप

टैरिफ लगाए जाने के बाद इटली की पीएम ने की ट्रंप से मुलाकात

एजेंसी ■ वाशिंगटन

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी अमेरिकी दौरे पर हैं। उन्होंने यहां व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। टैरिफ लगाए जाने के बाद मेलोनी पहली ऐसी नेता हैं, जिन्होंने अमेरिका पहुंचकर ट्रंप से मुलाकात की। इस बीच ट्रंप ने मेलोनी की दिल खोलकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि वह मेलोनी को बहुत पसंद करता हैं। उन्हें लगता है कि वह एक बेहतरीन पीएम है और इटली में अच्छा काम कर रही हैं उनकी प्रतिभा में कायल हूं।

ट्रंप ने कहा कि मेलोनी में गजब की प्रतिभा है। वह दुनिया के

बेहतरीन नेताओं में से एक हैं, उनका करिश्माई व्यक्तित्व है और उनके जैसा कोई नहीं है। हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं और दोनों देश एकजुट होकर आगे बढ़ रहे हैं। ट्रंप ने मेलोनी की महान पीएम बताते हुए कहा है कि उन्होंने पूरे यूरोप में हलचल मचा रखी है। मैं उनको शुरुआती दिनों से जानता हूं कि उनके पास अद्भुत प्रतिभा है। व्हाइट हाउस में मेलोनी और ट्रंप के बीच व्यापार, टैरिफ से लेकर इमिग्रेशन और पर भी चर्चा हुई।

ट्रंप ने कहा कि वह कारोबारी सौदे जल्दबाजी में नहीं करना चाहते। टैरिफ से अमेरिका को बहुत फायदा हो रहा है। हालांकि इस दौरान ट्रंप ने यूरोपीय संघ के साथ समझौते के संकेत भी दिए हैं। इस दौरान मेलोनी ने बताया की इटली की कंपनियां अमेरिका में 10 अरब यूरोप का निवेश करेंगी और इटली, अमेरिका से एनर्जी का इंपोर्ट बढ़ाएगा।

आखिरकार घुटने के बल आया हमास बोला- गाजा में युद्ध रोक दो, सभी बंधकों को छोड़ देंगे

हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने एक टेलीविजन भाषण में दिया

एजेंसी ■ गाजा

हमास ने कहा है कि वह इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले सभी इजरायली बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है। यह बयान हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने एक टेलीविजन भाषण में दिया। इसका मतलब है कि इस प्रस्ताव को गाजा में डेढ़ साल से अधिक समय से चल रहे संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक संभावित कदम के रूप में देखा जा रहा है। वजह ये है कि इजरायल की ताबड़तोड़ कार्रवाई से हमास के हौंसले पस्त हुए हैं। फिलिस्तीन के इस कट्टरपंथी संगठन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा में कहा है कि वह गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने के वास्ते सभी बंधकों को छोड़ने के लिए तैयार है।

हमास ने यह भी कहा कि कोई भी समझौता स्थायी युद्धविराम, इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और गाजा के पुनर्निर्माण की गारंटी पर आधारित होना चाहिए। एक वरिष्ठ

फिलिस्तीनी अधिकारी ने कहा, इजरायल का नवीनतम प्रस्ताव युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने की घोषणा नहीं करता और केवल बंधकों को प्राप्त करना चाहता है। हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने कहा, हम एक व्यापक समझौते के लिए तैयार हैं, जिसमें सभी इजरायली बंधकों की रिहाई, इजरायल में कैद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, गाजा युद्ध का अंत और क्षेत्र के पुनर्निर्माण की शुरुआत शामिल हो। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया कि वह इजरायल की उस मांग को स्वीकार नहीं करेगा जिसमें उसे अपने हथियार डालने होंगे। अल-हय्या ने इजरायल के 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया, जिसमें हमास के हथियार डालने की शर्त शामिल थी।

इधर, इजरायली सेना ने गाजा पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। गुरुवार को हुए हवाई हमलों में गाजा स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कम से कम 32 फिलिस्तीनियों की मौत हुई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जबालिया में संयुक्त राष्ट्र संचालित एक स्कूल पर हमले में छह लोगों की जान गई। इजराइल ने दावा किया कि वहां एक हमास कमांड सेंटर था।वहीं, हमास ने यह जानकारी दी कि इजरायली-अमेरिकी सैनिक एडन अलेक्जेंडर को बंधक बनाकर रखने वाले लड़ाकों से उनका संपर्क टूट गया है। बताया गया कि जिस स्थान पर अलेक्जेंडर को रखा गया था, वहां इजराइली हमले हुए। हमास ने एक वीडियो संदेश में बंधकों के परिवारों को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे हमलों में उनके प्रियजन मारे जा सकते हैं।

रिहाई को प्राथमिकता देने की मांग

इजरायल में, बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देने की मांग बढ़ रही है। सैकड़ों पूर्व मोसाद और वायुसेना कर्मियों ने सरकार से युद्ध को रोककर बंधकों की रिहाई पर ध्यान देने का आह्वान किया है। तेल अवीव में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जहां लोग बंधकों की सुरक्षित वापसी के लिए समझौते की मांग कर रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी, योना शिनट्जर ने कहा, गाजा में बंधकों की स्थिति सामान्य नहीं होनी चाहिए। यह दिल दहलाने वाला है।

रूस ने तालिबान को आतंकी सूची से हटाया, दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंध होंगे मजबूत

एजेंसी ■ मास्को

रूस ने भी तालिबान को आतंकी संगठन की सूची से हटाया दिया है और उस पर लगे प्रतिबंध भी हटा लिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस कदम से अफगानिस्तान के वास्तविक शासकों के प्रति मास्को के कूटनीतिक रुख में एक अहम बदलाव का संकेत मिलता है। रूस की सर्वोच्च अदालत ने तालिबान को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करने से हटा दिया जो कि अफ़गानिस्तान के शासकों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने के उद्देश्य से एक प्रतीकात्मक इशारा है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना के हटने के बाद अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज हो गया था।

2003 में लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का रूस की सर्वोच्च अदालत का फैसला तुरंत प्रभावी हो गया और यह क्रेमलिन और तालिबान के बीच व्यापक जुड़ाव का मार्ग प्रशस्त करता है। बता दें अगस्त 2021 में सत्ता पर काबिज होने के बाद से किसी भी देश ने तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी है लेकिन मॉस्को ने हाल के वर्षों में तालिबान के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है।

रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले तालिबान को आतंकवाद से निपटने में भागीदार बताया था। रिपोर्ट में बताया कि रूस अब समूह के साथ सहयोग को एक रणनीतिक जरुरत के रूप में देख रहा है, खासकर चरमपंथी संगठनों से बढ़ते क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों के बीच। तालिबान अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड के कारण अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग है खासकर महिलाओं के अधिकारों के संबंध में। समूह ने अफगान महिलाओं पर व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं जिसमें उन्हें माध्यमिक और उच्च शिक्षा से प्रतिबंधित करना और पुरुष अभिभावक के बिना उनकी सार्वजनिक उपस्थिति को सीमित करना शामिल है। तालिबान का दावा है कि उसकी नीतियां इस्लामी सिद्धांतों के अनुरूप हैं।

अब जेलेंस्की के सामने नई मुसीबत- चीन रूस को दे रहा आधुनिक हथियार?

एजेंसी ■ मास्को

रूस और यूक्रेन युद्ध तीन साल से चल रहा है। इस बीच इस युद्ध में चीन का एंगल भी सामने आ रहा है। सवाल है कि क्या रूस और चीन मिलकर यूक्रेन को तबाह करने की साजिश रच रहे हैं? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चीन पर गंभीर आरोप लगाया है कि वह रूस को हथियार सप्लाई कर रहा है। कीव में जेलेंस्की ने दुनिया को चौंकाते हुए कहा, हमारी खुफिया जानकारी पक्की है कि चीन रूस को बारूद और तोपखाने दे रहा है। उन्होंने अगले हफ्ते और सबूत पेश करने का वादा किया। यह पहली बार है जब यूक्रेन ने साफ कहा कि बीजिंग रूस को हथियार देकर युद्ध में मदद कर रहा है। इससे पहले डोनेट्स्क में यूक्रेन ने रूसी सेना के साथ लड़ रहे दो चीनी नागरिकों, वांग गुआंगजुन और झांग रेनबो को पकड़ा। यह दावा तब आया जब यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी

सेना के साथ लड़ रहे चीनी नागरिकों को पकड़ा। इन चीनी सैनिकों ने बताया कि उन्हें पैसों का लालच देकर रूस भेजा गया, लेकिन वहां धोखा मिला। जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि रूस 20 अप्रैल के ऑर्थोडॉक्स ईस्टर के आसपास बिजली इन्फ्रास्ट्रक्चर पर नए हमले कर सकता है। भारत में रूस के दूतावास ने यूक्रेन में भारतीय कंपनी के गोदाम पर मिसाइल गिरने के मामले में सफाई दी है। आइए देखें रूस-यूक्रेन युद्ध में नया क्या है? जेलेंस्की ने गुरुवार को चेतावनी दी कि 20 अप्रैल से पहले और बाद में यूक्रेन के बिजली ढांचे पर बड़े हमले कर सकता है। खुफिया जानकारी के आधार पर उन्होंने कहा, रूस कुछ खतरनाक प्लान कर रहा है। मार्च में रूस ने अमेरिका के साथ 30 दिन के लिए बिजली ढांचे पर हमले रोकने का वादा किया था, लेकिन यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हियोर्ही तिखी ने बताया कि रूस ने 30 से ज्यादा बार इस समझौते को तोड़ा।

इंस्तांबुल एयरपोर्ट पर 1700 की बीयर और 565 रुपए में मिलता है एक केला

इंस्तांबुल। तुर्किए का इंस्तांबुल हवाई अड्डा ऐसी ही एक जगह के रूप में विख्यात है, जहां पर खाने-पीने की चीजों के मूल्य लोगों को हैरत में डाल देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक यात्री ने दावा किया कि इंस्तांबुल एयरपोर्ट खाने पीने की बुनियादी चीजों को भी प्रीमियम कीमतों पर बेचता है। यह कई बार इतना महंगा होता है कि एक साधारण आदमी के लिए इसे खरीदना तक बहुत मुश्किल होता है। कीमतों के बारे में लिखा गया कि यहां पर एक बीयर की बोतल करीब 15 पौंड या करीब 1700 रुपए में मिल रही हैं, वहीं एक केला करीब 565 रुपए का बेचा जा रहा है।

इस एयरपोर्ट पर हर दिन करीब 2 लाख से ज्यादा लोग आते और जाते हैं ऐसे में इन सभी यात्रियों के लिए इतनी ज्यादा कीमत रखना एक प्रकार से उनका अपमान करने और लूटने जैसा है। इंस्तांबुल एयरपोर्ट पर आसमान छूती कीमतों को लेकर इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा ने भी एक रिपोर्ट की थी।

मास्को में रुस की अभिनेत्री नताशा सेमबरकेसाया मास्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में तस्वीरों के लिए पोज देती हुई।

हलचल ट्रंप ने एक इंटरव्यू में दिए संकेत

टैरिफ से होगी इतनी कमाई, इनकम टैक्स हटा दूंगा

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ टूल ने दुनियाभर के बाजारों में हलचल मचा रखी है। एक ओर वह टैरिफ को लेकर जापान सहित कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। वहीं चीन टैरिफ को लेकर अमेरिका से दो-दो हाथ करने को तैयार है। इस बीच ट्रंप ने इनकम टैक्स हटाने के संकेत दिए हैं।

ट्रंप ने कहा है कि उनकी टैरिफ पॉलिसी से अमेरिका इतना राजस्व आएगा कि इनकम टैक्स को पूरी तरह से खत्म कर सकते है।

ट्रंप ने टैरिफ पॉलिसी पर चर्चा कर कहा कि टैरिफ से इतनी आय

हो सकती है कि हम इनकम टैक्स को पूरी तरह से खत्म कर सकते हैं। इसकी पूरी-पूरी संभावना है कि टैरिफ से होने वाली बेतहाशा आय की वजह से हम इनकम टैक्स को खत्म कर दें। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि 1870 से 1913 के बीच टैरिफ ही सरकार की आय का मुख्य स्रोत था और इस दौरान हमने टैरिफ से इतना पैसा कमाया कि हम सबसे अमीर मुल्क बने थे।

उन्होंने कहा कि इनकम टैक्स को खत्म कर अमेरिकी नागरिकों पर टैक्स के बोझ को कम कर सकते है। टैरिफ से अन्य देशों पर टैक्स लगाकर अमेरिका को बेतहाशा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि 1880 के दशक में सरप्लस फंड को खत्म करने के उद्देश्य से एक समिति का गठन हुआ था लेकिन इससे 1913 में इनकम टैक्स सिस्टम की शुरुआत की। टैरिफ से हमें अरबों डॉलर मिलने जा रहे हैं। हम टैरिफ से एक दिन में दो से तीन अरब डॉलर कमा रहे हैं। ट्रंप ने सबसे पहले दो अप्रैलको करीब 180 देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। इसके पीछे उनका का तर्क था कि टैरिफ से अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार का सृजन होगा और इंपोर्ट पर निर्भरता कम होगी।

घर-घर में सीमेंट से बनेगी बिजली

वैज्ञानिकों ने बिजली पैदा करने वाली सीमेंट बनाई

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी सीमेंट बनाई है। सीमेंट के प्लास्टर के माध्यम बिजली का उत्पादन संभव होगा।चीन के वैज्ञानिकों ने इस सीमेंट को बायो इंस्पायर्ड थर्मोइलेक्ट्रिक सीमेंट का नाम दिया है। यह सीमेंट दीवारों और फर्श को मजबूत बनाएगी। इसके साथ ही बिजली का उत्पादन भी करेगी। इस सीमेंट में पालीविनाइल एल्कोहल की परतों से जोड़ा गया है। चीनी वैज्ञानिकों ने इस सीमेंट का तकनीकी नाम सीमेंट पॉलिविनाइल एल्कोहल कंपोजिट (सीपीसी) युक्त है। जो बिजली का उत्पादन करने में सक्षम है। इसमें बिजली को स्टोर करने की क्षमता भी है।

यह सीमेंट पर्यावरण के लिए वरदान साबित होगी। इस तकनीकी से ऊर्जा की बचत होगी। वही कार्बन ब्लू फुटप्रिंट भी कम होगा। इस सीमेंट के व्यापारिक उत्पादन होने के बाद ऊर्जा के क्षेत्र में इस नई क्रांति के रूप में देखा जा रहा है।

थर्मोइलेक्ट्रिक सीमेंट एक एसी सीमेंट होगी, जो तापमान के अनुसार बिजली बनाने का काम करेगी। दीवारें,सड़कों,बान्ध और जहां पर भी इस सीमेंट का इस्तेमाल होगा।

जहां पाकिस्तान भारत से हर रोज हारता है !

भारत -पाकिस्तान की बीच अमृतसर से लाहौर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी-बाघा बॉर्डर दोनों देशों के लिए अपनी अपनी राष्ट्रभक्ति प्रदर्शित करने और प्रत्येक दिन कम से कम एक बार दोनों देशों के सैनिकों द्वारा हाथ मिलाने से मधुरता का न सही एक पड़ोसी देश के साथ औपचारिक रिश्ता जरूर बना हुआ है। भारत मे पाकिस्तान की सीमा को अटारी गांव जोड़ता है,तो पाकिस्तान का बाघा गांव भारत की सीमा से सटा हुआ है।अमृतसर से करीब 30 किलोमीटर दूर अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन दोनों देशों द्वारा सन 1959 में शुरू हुआ था,जो आज तक बदस्तूर जारी है।राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह समारोह देश और दुनिया में काफी प्रसिद्ध है।अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन सर्दियों में शाम चार बजे और गर्मियों में शाम 5.15 बजे शुरू होता है। यहां प्रवेश करने का समय 3 बजे शुरू होता है और सीट पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर मिलती है। अटारी-बाघा बॉर्डर पर होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह में भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान और पाकिस्तानी रेंजर्स फोर्स एक साथ मिलकर अपनी अपनी सीमाओं में शानदार परेड व शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसे देखने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक व नागरिक भाग लेते हैं।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच स्थित एक सीमा क्रॉसिंग है। जमीन मार्ग से यहीं से एक दूसरे देश मे आया व जाया जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी- वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमा रेखा बनी हुई है। जिसे रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है।इस रेखा का नाम ब्रिटिश वकील सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है, जो देश बंटवारे के समय सीमांकन करने के लिए जिम्मेदार रहा। इस आयोजन के तहत सीमा द्वार बंद करने की सैन्य परंपरा हैं, लेकिन यह एक बेहद कोरियोग्राफ्ड और लोकप्रिय सार्वजनिक सैन्य प्रदर्शन बन गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। वाघा बॉर्डर समारोह ऐतिहासिक संघर्षों और राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग की स्थायी उम्मीद का प्रतीक बना हुआ है। यह भारत के अमृतसर व पाकिस्तान के लाहौर आने वाले आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बन गया है सन1959 से दोनों देश यहां रोजाना झंडा उतारने की रस्म निभाते आ रहे हैं। अगस्त 2017 में भारत ने वाघा बॉर्डर के भारतीय हिस्से अटारी में 110 मीटर ऊंचा झंडा फहराया था। जवाब में पाकिस्तान ने अपनी तरफ 122 मीटर ऊंचा झंडा फहराया। भारत की तरफ वाला झंडा फहराने वाला झंडा देश में सबसे ऊंचा है, जबकि पाकिस्तान की तरफ वाला झंडा दक्षिण एशिया में सबसे ऊंचा माना जाता है।

देश में समाप्त होने के कगार पर नक्सलवाद

▪ रमेश सर्राफ धमोरा

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है।

इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था।

हिंसा के बीच योगी का ममता पर फायर

भारत की संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ है, इसके बावजूद मुस्लिम समुदाय को खुश करने के उद्देश्य से विपक्ष द्वारा आक्रामक बयानबाजी की जा रही है, जबकि उच्चतम न्यायालय समूचे प्रकरण पर सुनवाई कर रहा है, फिर भी ममता बनर्जी ने कह दिया कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होगा, इससे भारत विरोधी शक्तियों का मनोबल बढ़ा, उन्होंने उपद्रवियों के सहारे पश्चिम बंगाल में आग लगाने का प्रयास किया, जो कुछ हद तक सफल भी हुये। ममता बनर्जी संवैधानिक दायित्व संभाल रही हैं, उनकी भाषा शैली भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्य रखने वाली होनी चाहिये, इसीलिये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को उन पर फायर करने का अवसर मिल गया, इसी मुद्दे पर बात कर रहे हैं बीपी गौतम...

प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की, तीन की मौत

वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की संस्तुति से कानून बन चुका है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड, सुन्नी वक्फ काउंसिल सहित कई संगठन नये कानून का विरोध कर रहे हैं, जिसको लेकर देश में अलग-अलग जगह प्रदर्शन हुये हैं लेकिन, पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन हिंसक हो गये। हालांकि पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन विधेयक जब संसद में पेश हुआ, उसी समय विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये थे, जिसने 8 अप्रैल को हिंसक रूप ले लिया। 8 अप्रैल को मुर्शिदाबाद से लगे राष्ट्रीय राजमार्ग- 12 को जाम करने के लिये कट्टरपंथी प्रदर्शन कर रहे थे, इसी दौरान मार्च जंगीपुर से उमरपुर की ओर बढ़ा, पुलिस ने उन्हें रोका तो, कुछ प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हो गई, इसके बाद उपद्रवियों ने पुलिस वाहनों में तोड़-फोड़ कर दी और कुछ वाहनों में आग लगा दी, साथ ही पुलिस पर पत्थरबाजी भी की गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया, इसके बाद हिंसा मुर्शिदाबाद के बनियापुर और उमरपुर तक फैल गई, जहां कट्टरपंथियों ने घरों में भी तोड़फोड़ की, इसके बाद शुक्रवार 11 मार्च को जुमे की नमाज के बाद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और फिर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, इसी दौरान उन्होंने एक बार फिर नेशनल हाईवे- 12 पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस पहुंची तो, उस पर उपद्रवियों ने पत्थरबाजी कर दी, कई पुलिस वैन आग के हवाले कर दीं, सार्वजनिक बसों में भी तोड़-फोड़ की और उनमें आग लगा दी, साथ ही उपद्रवियों ने पुलिस पर बम फेंके, जिसके चलते भयभीत पुलिसकर्मियों को मस्जिदों में शरण लेनी पड़ी, इसके बाद जिला प्रशासन को स्थिति काबू में करने के लिये सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद लेनी पड़ी लेकिन, तब तक हिंसा पड़ोस के जिलों में भी फैल गई। मालदा में प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक जाम कर दिये। न्यू फरक्का से अजीमगंज के सेक्शन पर ट्रेनों को पूरी तरह रोक दिया गया, इसके बाद दो ट्रेनें रद्द करना पडीं और पांच ट्रेनों के रास्ते बदलने पड़े, रेलवे स्टेशन में भी तोड़-फोड़ की घटनायें हुईं। मुस्लिम बाहुल्य मुर्शिदाबाद जिले में हुई झड़पों में पिता-पिता पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोगों की मौत समसेरगंज में और एक की मौत मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान हुई। समसेरगंज में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई थी। हिंसा के बाद पुलिस ने अब तक 210 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी की है, वहीं अन्य उपद्रवियों को पकड़ने के लिये छापेमारी की जा रही है।

बीपी गौतम

उच्च न्यायालय ने दिया केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर कार्रवाई करते हुये प्रभावित क्षेत्रों में सीएपीएफ कर्मियों की तैनाती का आदेश दिया। केंद्रीय बल राज्य प्रशासन के साथ समन्वय में काम करेंगे, वहीं न्यायालय ने इस मामले में राज्य सरकार और केंद्र दोनों को स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया, इस मामले की अगली सुनवाई के लिये 17 अप्रैल की तारीख तय की है। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की विशेष पीठ गठित की थी, वहीं राज्य के वकील ने न्यायालय को बताया कि मुर्शिदाबाद के हिंसा प्रभावित सूती, धुलियान और समसेरगंज क्षेत्रों में बीएसएफ की सात कंपनियां तैनात की गई हैं। हालांकि, इस मामले में शुभेंदु अधिकारी के वकील ने आरोप लगाया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिये बीएसएफ कर्मियों को ठीक से तैनात नहीं किया जा रहा है, जिसके बाद पीठ ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुये शनिवार को अवकाश के दिन भी याचिका पर सुनवाई की, इस मामले में शनिवार को जब सुनवाई शुरू हुई तो, कोर्ट ने राज्य सरकार को आधे घंटे का समय दिया। केंद्रीय बलों की तैनाती पर, उनकी राय मांगी गई। राज्य ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती की कोई जरूरत नहीं है। राज्य ने कहा कि राज्य के डीजी राजीव कुमार स्वयं मुर्शिदाबाद के लिये रवाना हो गए हैं लेकिन, न्यायालय ने आखिरकार केंद्रीय बलों की तैनाती के पक्ष में फैसला सुनाया। न्यायालय ने कहा कि जब इस तरह के आरोप लगाये जाते हैं तो, न्यायालय आंखें बंद नहीं कर सकता। असली दोषियों की पहचान की जानी चाहिये और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिये। फिलहाल मुख्य लक्ष्य मुर्शिदाबाद में शांति और सद्भाव बहाल करना है, इसलिये मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश जारी किया गया है। अगर, चाहें तो अन्य जगहों पर भी कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिये केंद्रीय बलों को बुलाया जा सकता है।

राजकाज

सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटेगी सरकार?

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर जो फैसला दिया है। केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वीकार नहीं है। सरकार जल्द ही विधेयक ला सकती है। विधेयक के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का फैसला सरकार पलट देगी। एक संभावना यह भी व्यक्त की जा रही है। सरकार सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी। बड़ी बेंच से दो जजों की खंडपीठ का फैसला सरकार बदलवाने का प्रयास करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तमिलनाडु के 10 कानून को मान्यता मिली है। यदि ऐसा होता रहा, तो केंद्र सरकार कुछ कर ही नहीं पाएगी। केंद्र सरकार के जो हाथी के दांत दिखाने वाले हैं। यदि वह टूट गए तो राज्य सरकारों का डर और भय खत्म हो जाएगा। अभी तो राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार की सत्ता राज्यों में चल रही है। केंद्र सरकार इस सत्ता को किसी भी कीमत में खोना नहीं चाहती है। केंद्र सरकार ने राज्यपालों के इस्तीफा नहीं लिए। जिनके कामकाज के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की थी। केंद्र सरकार हैरान हैं। सुप्रीम कोर्ट के जज इस तरह का फैसला कैसे दे सकते हैं।

योगी महाराज की शासन प्रणाली से नए जातीय समीकरण

उत्तर प्रदेश की योगी बाबा की सरकार को मुगालता है, कुंभ के सफल आयोजन के बाद हिंदू मतदाता बड़े पैमाने पर एकजुट हो गया है। अयोध्या, वाराणसी और मथुरा के साथ-साथ अब संभल भी हिंदू आस्था का बड़ा केंद्र बन गया है। जिस तरह से उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति है। हिंदू मुस्लिम के साथ अब दलित और राजपूत का झगड़ा शुरू हो गया है। उसके कारण हिंदुओं की कई जातियों में योगी सरकार के प्रति भारी विद्रोह देखने को मिल रहा है। आगरा के सांसद रामजीलाल सुमन के साथ जिस तरह की दादागिरी करणी सेना ने की है। जिस तरह से सड़कों पर तलवार लहराकर दलित सांसद को धमकी दी गई है। सरकार चुपचाप तमाशा देख रही है। इससे उत्तर प्रदेश के दलित नाराज हो गए हैं। पिछडे और दलित वर्ग की नाराजी खुलकर सामने आने लगी है। सत्ता का नशा बड़ा भयंकर होता है। सत्ता से उतरने के बाद ही यह नशा उतरता है। जिस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं। उसके बाद कहा जा सकता है, योगी बाबा ज्यादा दिन सत्ता पर टिकेंगे नहीं।

जय भीम जय संविधान भाजपा के गले में हड्डी की तरह अटका

उत्तर प्रदेश में इन दोनों राणा सांगा को लेकर करणी सेना सड़कों पर उतरी हुई है। दलित सांसद रामजीलाल सुमन को खुलेआम घातक हथियारों के साथ धमकी दी जा रही है उत्तर प्रदेश में राजपूत बनाम दलित की नई राजनीति शुरू हो गई है।योगी बाबा राजपूत हैं, सनातन धर्म की वर्ण व्यवस्था को लेकर दलित पहले ही नाराज रहते हैं।अब खुलकर यह खेल सड़कों पर खेला जा रहा है। उत्तर प्रदेश में नया जातीय ध्रुवीकरण बनना शुरू हो गया है। मुस्लिम और दलित अब एक साथ हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में रोजाना हिंदू मुस्लिम और कानून व्यवस्था को लेकर अन्य हिंदू जातियां भाजपा से छिटक रही हैं। योगी बाबा ने कई मोर्चे एक साथ खोल लिए हैं।

फीचर

ट्रैवल जॉब्स के जरिये घूमने के साथ ही करें मोटी कमाई

अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं तो आजकल देश में कई ऐसे जॉब विकल्प हैं, जहां आप घूमते-घूमते अच्छी कमाई कर सकते हैं।

इनमें से ज्यादातर ट्रैवल जॉब्स में रहने, खाने, आने-जाने की सुविधा भी फ्री मिलती है। सबसे बढ़िया बात है कि ऐसी नौकरी के लिए अलग से छुट्टी लेने की भी कोई जरूरत नहीं।

ट्रैवल जॉब्स की खासियत है कि इन्हें फुल टाइम या पार्ट टाइम, अपनी सुविधा के हिसाब से कैसे भी कर सकते हैं। घूमने के साथ ही लिखने के भी शौकीन हैं तो ब्लॉग लिख सकते हैं या किसी ट्रैवल मैगजीन के साथ जुड़कर अपने सपने पूरे कर सकते हैं। वहीं कैमरा इको फ्रेंड्ली हैं तो वीडियो बनाकर दर्शकों को अपने साथ किसी अच्छी जगह पर घुमा सकते हैं। कई ऐसी ट्रैवल जॉब्स हैं, जिनमें लाखों की कमाई आसानी से की जा सकती है।

टूर गाइड - ये टूरिस्ट स्पॉट्स पर उस जगह की खासियत और इतिहास बताते हुए नजर आते हैं। अगर आप घूमना पसंद करते हैं, इतिहास में दिलचस्पी है और संवाद शैली भी अच्छी है तो टूर गाइड बन सकते हैं। कई ट्रैवल एजेंसी टूर गाइड की वैकेंसी निकालती हैं। ट्रैवल एजेंसी यात्रियों के साथ अपना गाइड भेजती हैं। ट्रैवल गाइड के खाने और रहने का खर्च ट्रैवल एजेंसी की तरफ से दिया जाता है। कई यात्री इन्हें टिप भी देते हैं. इवेंट कोऑर्डिनेटर पिछले कुछ सालों में इवेंट कोऑर्डिनेटर की डिमांड काफी बढ़ गई है। मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन, ऑर्गनाइजेशनल, स्ट्रैटेजी बनाने जैसी स्किल्स में महारत हासिल है तो यह आपके लिए अच्छी नौकरी है। इसमें भी अगर आप वेडिंग प्लानर बन जाते हैं तो डेस्टिनेशन वेडिंग करवाने के बहाने अलग-अलग जगहों पर घूम सकते हैं।

ट्रैवल व्लॉगर - दुनियाभर में बहुत लोगों ने ट्रैवल व्लॉगिंग को कमाई का जरिया बनाया हुआ है।

प्रेरणा

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए। कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मर्यादा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए। गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए।

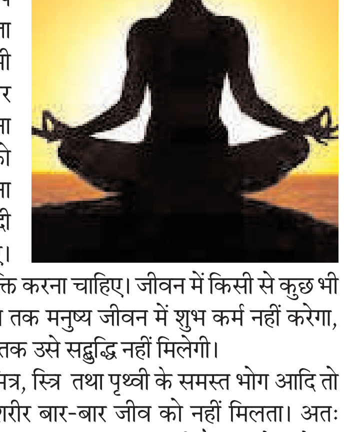

हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो।

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन में नए आयाम जुड़ रहे हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों का संरक्षण न केवल जैव विविधता की रक्षा के लिए आवश्यक है, अपितु पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से भी अनिवार्य है। प्रदेश में गिद्ध संरक्षण को भी नई दिशा दी जा रही है।

रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने कहा- मैं निडर हूं, खुद बता रहा हूं। मैं यदि भाजपा में जाता हूं तो सारी कार्रवाई खत्म हो जाएगी। इनके वॉश रूम में साफ हो जाता है सब कुछ। मैं 2019 में भी इसी मामले में ईडी के सवालों के जवाब दे चुका हूं। 15 बार जा चुका हूं, 10-10 घंटे मैंने सवालों के जवाब दिए हैं। वही सवाल इस बार भी पूछे जा रहे हैं। कोई नए सवाल हैं नहीं। हर चीज क्लियर है, सारे जवाब दिए जा रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

न्यूसिटी कॉलोनी में बिजली की केबल से भड़की आग, जद में आई कार

गुना। शहर में बढ़ती गर्मी के साथ अग्निकांड की घटनाएं भी तेजी से सामने आ रही हैं। शुक्रवार को न्यूसिटी कॉलोनी में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक बिजली की केबल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते जलती हुई केबल एक खड़ी कार पर आ गिरी और कुछ ही पलों में कार ने भी आग पकड़ ली। जिसमें कार का शीश और गेट जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना दोपहर के समय की है, जब कॉलोनी में अचानक एक केबल से चिंगारियां उठने लगीं और केबल धधकने लगी। उसी समय यह जलती हुई केबल एक कार के ऊपर गिर गई, जिससे कार में आग लग गई और तेज लपटें उठने लगीं। स्थानीय रहवासियों ने तत्काल स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बिजली कंपनी को फोन कर बिजली सप्लाई बंद करवाई और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। समय पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि तब तक कार बुरी तरह जल चुकी थी। इस घटना ने एक बार फिर गर्मी के मौसम में बिजली नेटवर्क की खामियों और संभावित जोखिमों की ओर इशारा किया है। कॉलोनीवासियों ने मांग की है कि बिजली विभाग पुराने और जर्जर केबलों की शीघ्र मरम्मत कराए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। वहीं, राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

कैंसर से जूझ रहे युवक ने की आत्महत्या, इलाज के बीच घर में फांसी लगाकर दी जान

गुना। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लंबे समय से पीड़ित एक युवक ने बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। यह दुखद घटना शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के जाटपुरा मोहल्ले में सामने आई, जहां 35 वर्षीय युवक प्रदीप केवट ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदीप पिछले तीन वर्षों से कैंसर की गंभीर अवस्था से जूझ रहा था। भोपाल के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था और बीते एक वर्ष से उसे नली के माध्यम से ही भोजन दिया जा रहा था। शारीरिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी, जिससे वह मानसिक रूप से भी बेहद टूट चुका था। बताया जा रहा है कि गुरुवार शाम उसकी पत्नी अपने बेटे को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गई थी। घर में अकेले रह गए प्रदीप ने इसी दौरान कमरे में साड़ी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जब परिवार की अन्य सदस्य घर लौटे तो घटना की जानकारी मिली और तत्काल पुलिस को सूचित किया गया। शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रदीप के बड़े भाई ने बताया कि परिवार पूरी कोशिश कर रहा था कि उसका इलाज जारी रखा जाए।

धरने पर गुड फ्राइडे पर सेंट पीटर्स चर्च में प्रभु यीशु के बलिदान को श्रद्धा और भक्ति से किया स्मरण

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के सेंट पीटर्स ई.एल. चर्च में पवित्र सप्ताह के अंतर्गत गुड फ्राइडे के अवसर पर विशेष आराधना का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को श्रद्धा के साथ याद किया गया। यह आयोजन पाम संडे से ही शुरू हो गया था, जब प्रभु यीशु के यरुशलम आगमन की स्मृति में चर्च में भजन और वचन प्रचार के साथ सप्ताहभर की संध्या आराधनाओं की शुरुआत हुई। हर दिन संध्या को आयोजित आराधनाओं में भजन, प्रार्थना और प्रभु के वचनों पर विशेष प्रवचन हुए। सोमवार को पास्टर हाबिल कुमार, मंगलवार को अंकुश डेविड और बुधवार को श्रीमती प्रीतिका काक ने वचन का संदेश दिया। वहीं, गुरुवार को खुरई से आए पास्टर संदीप परमार्थ ने प्रभुभोज (होली कम्यूनियन) की आराधना कराई,

जिसमें प्रभु यीशु द्वारा अंतिम भोज की स्मृति को जीवंत किया गया।

गुड फ्राइडे के दिन विशेष आराधना में प्रभु यीशु द्वारा क्रूस पर कहे गए सात अंतिम वचनों पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्च सभा में क्रमशः रितिका मसीह, चंचल काक, पास्टर केंडीडेट अंकुश डेविड, प्रितिका काक, रश्मि काक, कमल काक और निर्मला काक ने इन वचनों की आध्यात्मिक व्याख्या की। इस दौरान चर्च में भक्ति और भावनाओं का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि गुड फ्राइडे ईसाई धर्म में अत्यंत महत्व का दिन है। मान्यता है कि इसी दिन प्रभु यीशु को निर्दोष होते हुए भी मानव जाति के पापों का बोझ उठाने हेतु क्रूस पर चढ़ा दिया गया था। उन्हें यरुशलम के पास स्थित गलगथा नामक पहाड़ी पर ले जाकर क्रूस पर लटकाया गया था, जहां उन्होंने दोपहर 12 बजे से लेकर तीन बजे तक अत्यंत पीड़ा में सात वचन कहे। इन वचनों को आज भी ईसाई धर्मावलंबियों द्वारा अत्यंत श्रद्धा से याद किया जाता है।

प्रभु यीशु के बलिदान की स्मृति में इस दिन उपवास रखा गया, जिसे उनकी मृत्यु की घड़ी यानी दोपहर तीन बजे समाप्त किया गया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रार्थना कर प्रभु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में पास्टर केंडीडेट अंकुश डेविड और पंचायत सचिव कमल काक ने समस्त जिलेवासियों को गुड फ्राइडे और आगामी ईस्टर पर्व की शुभकामनाएं दीं। ईस्टर रविवार को प्रभु यीशु के पुनरुत्थान की स्मृति में पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से प्रभु यीशु के बलिदान, प्रेम और क्षमा की शिक्षा को आत्मसात करने का संदेश दिया गया, जिससे समाज में भाईचारे, मानवता और सेवा की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

क्राईस्ट स्कूल परिसर में हुआ रक्तदान

इस अवसर पर क्राइस्ट स्कूल स्थित चर्च और समाज के युवा संगठन द्वारा स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें समाजजनों द्वारा रक्तदान किया गया। फादर डेनी जार्ज ने बताया कि जरुरतमंदों के लिए रक्तदान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इससे किसी को नया जीवन मिल सकता है। प्रभु यीशु मसीह की शिक्षा भी यही कहती है कि जन कल्याण के भाव से कार्य किया जाना चाहिए और जरुरतमंदों व गरीबों की मदद करना चाहिए। इसलिए आज गुड फ्राइडे के मौके पर यहां रक्तदान शिविर लगाया गया है। जिसमें दोपहर 12 बजे तक समाज के 35 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया। उन्होंने बताया कि ये संख्या 50 से ऊपर पहुंचेगी। रक्तदान शिविर में समाज के युवाओं का बढ़-चढ़कर योगदान मिल रहा है।

बंद कमरे में प्रभारी मंत्री की नपाध्यक्ष और पार्षदों के साथ विकास कार्यों पर समीक्षा बैठक

बंद कमरे में प्रभारी मंत्री की नपाध्यक्ष और पार्षदों के साथ विकास कार्यों पर समीक्षा बैठक

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के विकास कार्यों और व्यवस्थाओं की समीक्षा को लेकर शुक्रवार को नगर पालिका परिषद सभाकक्ष में प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की अध्यक्षता में पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी, सभी पार्षद, गुना विधायक पन्नालाल शाक्य, भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेजसिंह यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान पूरी समीक्षा बैठक बंद कमरे में आयोजित की गई। जिसमें मीडिया का प्रवेश निषेध रहा। नपा बैठक हॉल के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों का पहरा रहा।

बैठक में शहर की स्वच्छता, सफाई और विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने पार्षदों से वार्डों की समस्याएं जानकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुना को बड़े शहरों की तर्ज पर स्वच्छ और सुंदर बनाना है। उन्होंने पार्षदों से शहर के कायाकल्प हेतु सुझाव आमंत्रित किए और कहा कि सभी का समन्वित प्रयास ही शहर को आदर्श बना सकता है। बैठक के दौरान भाजपा पार्षद तरुण मालवीय स्वच्छता और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते नजर आए। उन्होंने कहा कि शहर में सफाईमित्रों की भारी कमी है, जबकि जनसंख्या में बीते एक दशक में कई गुना इजाफा हो चुका है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में नगर में सफाईकर्मी वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर कार्यरत हैं और 2014 के बाद कोई नई भर्ती नहीं हुई है। वहीं, सेवानिवृत्त होने वाले सफाईकर्मियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे व्यवस्था चरमरा रही है। तरुण मालवीय ने इस विषय में प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए आग्रह किया कि शहर के बढ़ते विस्तार को देखते हुए कम से कम 200 नए सफाईमित्रों की भर्ती की जाए। उन्होंने बताया कि नगरपालिका द्वारा इस संबंध में शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है।

सिंगवासा के साथ भुजरिया तालाब का भी उठा मुद्दा: बैठक में शहर के प्रमुख जलस्रोतों के संरक्षण की दिशा में भी बातचीत हुई। जहां सिंगवासा तालाब के सौंदर्यकरण और गहरीकरण का प्रस्ताव आया, वहीं पार्षद तरुण मालवीय ने भुजरिया तालाब पर हो रहे अतिक्रमण की समस्या को जोरशोर से उठाया। उन्होंने कहा कि जब तक यहां मौजूद पट्टेधारियों और रजिस्ट्रीधारियों को वैकल्पिक भूमि आवंटित नहीं होती, तब तक तालाब का विस्तार नहीं हो सकता। उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में ठोस कार्यवाही की मांग की।

विपक्ष ने मांगा अलग से कक्ष : विपक्ष के पार्षदों, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ ने बैठक में विपक्ष के लिए अलग कक्ष की मांग की। इस पर प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की व्यवस्था केवल नगर निगमों में होती है, नगर पालिकाओं में नहीं। इसके पूर्व बैठक का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता द्वारा प्रभारी मंत्री के स्वागत से हुआ। सुरक्षा व्यवस्था के चलते यह बैठक बंद कक्ष में पुलिस की निगरानी में आयोजित की गई। बाहरी व्यक्तियों को बैठक स्थल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी।

कलेक्टर किशोर कन्याल ने बैठक की शुरुआत करते हुए कहा कि नगर पालिका की व्यवस्था सभी के सहयोग से संचालित होती है। हमें मिलकर कार्य करना है ताकि गुना नगर पालिका से नगर निगम बनने के प्रस्ताव को और मजबूती मिल सके। सीएमओ तेज सिंह यादव ने नगर में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 112 करोड़ रुपए की लागत से 120 एमआईजी, 336 एलआईजी एवं 720 ईडब्ल्यूएस भवनों का निर्माण प्रगति पर है। इनमें से अनेक भवन हितग्राहियों को सौंपे जा चुके हैं और शेष कार्य सितंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। सीएमओ ने बताया कि बजरंगगढ़ बायपास रोड पर 375 लाख की लागत से ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य जारी है, जिसका 60 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। अमृत 1.0 योजना के अंतर्गत 177.3 किलोमीटर सीवरेज लाइन प्रस्तावित थी, जिसमें से 176.8 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है। योजना के अंतर्गत अब तक 19,600 सीवर कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। इस पर कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि ट्रीटेड वॉटर प्लांट से प्राप्त जल का उपयोग औद्योगिक क्षेत्रों में कर नगरपालिका आय का एक नया स्रोत विकसित कर सकती है। कायाकल्प योजना 2.0 के अंतर्गत नगर की सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 230 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें 60 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य को शेष राशि प्राप्त होते ही तीन माह में पूरा किया जाएगा। नगर में कुल 52 पार्कों का रखरखाव नगर पालिका एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है। जलप्रदाय व्यवस्था के संबंध में जानकारी देते हुए सीएमओ ने बताया कि नगर की कुल जल मांग 25 एमएलडी है, जिसमें से 15 एमएलडी सिंध नदी पर निर्मित फिल्टर प्लांट एवं 10 एमएलडी जल 405 नलकूपों एवं 165 हैंडपंपों से आपूर्ति की जा रही है। नामांतरण के संबंध में अब तक 1109 प्रकरण स्वीकृत किए जा चुके हैं, शेष 290 प्रकरणों को आगामी तीन-चार दिवस में पूर्ण करने की प्रक्रिया जारी है।

कलेक्टर ने नामांतरण प्रक्रिया को ऑनलाइन किए जाने के निर्देश भी दिए। राजस्व वसूली की जानकारी देते हुए बताया गया कि 9 करोड़ के लक्ष्य के विरुद्ध 4.3 करोड़ की वसूली की जा चुकी है। साथ ही घर-घर से कचरा संग्रहण हेतु 30 प्रति घर शुल्क शीघ्र लागू किए जाने की योजना है। बैठक में ग्वालियर रोड, इंदौर रोड एवं अशोक रोड पर प्रवेश द्वार निर्माण सहित 7 करोड़ रुपए के नवीन विकास कार्य प्रस्तावों की भी जानकारी दी गई।

शहर के प्रवेशद्वारों का बजट बढ़ाया जाएः कलेक्टर

बैठक में भाजपा पार्षद दिनेश शर्मा ने सभी वार्डों में बराबर संख्या में सफाईकर्मियों को तैनात करने की बात कही। जिस पर पार्षद मालवीय ने कहा कि यह व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के कुछ वार्ड बड़े हैं, जबकि कुछ छोटे। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही सफाईकर्मियों की संख्या तय की जानी चाहिए, न कि समरूप तरीके से। विकास कार्यों पर चर्चा के दौरान शहर के दो प्रमुख प्रवेशद्वार दो खंभा और चिंताहरण–को आकर्षक रूप देने की बात भी सामने आई। इस पर नगरपालिका द्वारा 2.5 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने की जानकारी दी गई। हालांकि, कलेक्टर किशोर कन्याल ने इस बजट को कम बताते हुए इसे और बढ़ाने की आवश्यकता जताई।

वार्डों से राजस्व वसूली में सहयोग करें पार्षद, विकास कार्यों के लिए मिलेगा आधा पैसा

बैठक के दौरान कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों ने नपा पार्षदों से राजस्व वसूली, जलकर सहित अन्य करों की वसूली में सहयोग देने का आव्हान किया। कलेक्टर के अनुसार यदि नपा की राजस्व वसूली बढ़ती है तो नपा की आय बढ़ेगी। यह आए नपा के वार्डों में खर्च की जाएगी। कलेक्टर के अनुसार जिस वार्ड से जितनी वसूली होगी। उसका 50 फीसदी पैसा उसी वार्ड के विकास कार्यों में खर्च किया जाएगा। बैठक के बाद प्रभारी मंत्री चांचौड़ा रवाना हुए, जहां उन्होंने शाम 4 बजे विधानसभा एवं नगर परिषद अंतर्गत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक और भूमिजन कार्यक्रम में भाग लिया। इसके पश्चात कार्यकर्ताओं से भेंट कर राघौगढ़ के गेल रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया।

जिले में नरवाई जलाने वाले 112 किसानों पर लगभग 04 लाख रूपयें का जुर्माना

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में नरवाई जलाने पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा प्रतिबंध लगाया गया हैं। प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही हैं। जिले में नरवाई जलाने पर इस आदेश के तहत जिले में 112 किसानो के विरूद्ध लगभग 4.00 लाख रूपये का अर्थदण्ड किया गया हैं। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन किये जाने पर राधौगढ़ के ग्राम-दौराना के कृषक गिरराज पुत्र रामसिंह मीना पर 5 हजार रूपये, घनश्याम पुत्र भगवानलाल मीना, राजाराम पुत्र नत्थूलाल मीना, पप्पू लाल मीना पर 2500-2500 रूपये, इसी प्रकार ग्राम-नसीरपुर के कृषक दीवान सिंह शिवहरे पुत्र घासीराम शिवहरे, कौशल्या बाई पत्नि दीवान सिंह शिवहरे, अजय, विजय पुत्र दीवान सिंह शिवहरे पर 5-5 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया।ग्राम-गारखेड़ा के कृषक पवन पुत्र नारायण जादौन पर 5 हजार का जुर्माना एवं जीतेन्द्र पुत्र निरपत सिंह, लाखन सिंह पुत्र पर्वत सिंह, विवेक पुत्र जगमोहन लोधी, कुलदीप, राहुल, विशाल पुत्रगण बहादुर सिंह पर 2500-2500 रूपये का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार अन्य विकासखण्ड के कृषको द्वारा नरवाई जलाने पर जुर्माने की कार्यवाही लगातार की जा रही हैं। 02 एकड़ भूमि की नरवाई जलाने पर 2500 रूपये अर्थदण्ड, 2-5 एकड़ में 5 हजार एवं 5 एकड़ से अधिक भूमि पर 15000 रूपये का अर्थदण्ड भरना होगा। इसके अतिरिक्त पुलिस कार्यवाही भी की जा सकती हैं। किसानों के खेतो में नरवाई जलाने की घटनाओं की जानकारी सेटेलाईट मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रतिदिन जिला प्रशासन को प्राप्त हो जाती है, जिसके आधार पर नरवाई जलाने वाले गांवो में राजस्व एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण तैयार कर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के द्वारा जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है।

प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत बोले, माफिया को नहीं मिलेगी बख्शीश, गुना को बनाएंगे और सुंदर

सत्ता सुधार ■ गुना

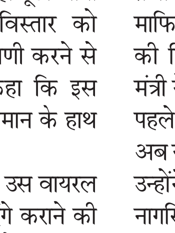

जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत शुक्रवार को नगरपालिका में पार्षदों की बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कई मुद्दों पर जवाब दिए और प्रदेश सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने जवाब देने से बचते हुए कहा कि यह विषय राष्ट्रीय स्तर का है और इसे वहीं पूछा जाना चाहिए। मंत्रीमंडल विस्तार को लेकर भी उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि इस संबंध में निर्णय हाईकमान के हाथ में है।

दिग्विजय सिंह के उस वायरल वीडियो पर, जिसमें दंगे कराने की बात सामने आई है, उन्होंने कहा कि ऐसे वीडियो की सच्चाई दिग्विजय सिंह ही स्पष्ट कर सकते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अक्सर उनके वीडियो की सच्चाई कुछ और निकलती है। गुना जिले में सक्रिय राशन माफिया पर सख्त रुख अपनाते हुए राजपूत ने कहा कि किसी भी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में माफिया राज को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। खासकर मेरे प्रभार वाले जिले में तो कोई माफियागिरी चलेगी ही नहीं। गुना की विकास यात्रा पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि आज से 20 साल पहले का गुना कुछ और था, लेकिन अब यह शहर सुंदर रूप ले चुका है। उन्होंने नगर पालिका और आम नागरिकों से मिलकर काम करने की अपील की, ताकि स्वच्छता रैंकिंग में गुना शीर्ष पर पहुंचे।

प्रभारी मंत्री राजपूत ने ग्राम सागर में तालाब गहरीकरण कार्य में दी अपनी सहभागिता

गुना। जिले के ग्राम सागर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण के कार्य में प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत एवं चांचौड़ा विधायक प्रियंका पैंची द्वारा अपनी सहभागिता दी गई । मंत्री श्री राजपूत द्वारा पूजा कर गेती-फावड़ा लेकर स्वयं श्रमदान करते हुए तालाब गहरीकरण कार्य की शुरुआत की और जल संरक्षण की इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर विधायक चांचौड़ा प्रियंका पेंची, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, अन्य जनप्रतिनिधिगण कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा रवि मालवीय सहित जनपद एवं पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रामवासियों द्वारा पुष्पमालाओं से अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात मंत्री एवं विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि जन-सहभागिता से जुड़ा एक संकल्प है। तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण हमारे भविष्य की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से इस अभियान को जनांदोलन के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में शासकीय महाविद्यालय चांचौड़ा बीनागंज में विभागवार समीक्षा बैठक संपन्न

सत्ता सुधार ■ गुना

प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत की अध्यक्षता में शासकीय महाविद्यालय चांचौड़ा बीनागंज में एक महत्वपूर्ण विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर विधायक चांचौड़ा प्रियंका पैंची, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत नगर परिषद चांचौड़ा-बीनागंज की समीक्षा से हुई, जिसमें स्वास्थ्य, स्वच्छता, जलप्रपात योजना, संपत्ति कर, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन एवं पीएम सुनिधि कर जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। तत्पश्चात नगर परिषद कुंभराज के कार्यों की समीक्षा भी उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर की गई।

प्राथमिकता में नल-जल योजनाः मंत्री श्री राजपूत ने नल-जल योजना की प्रगति पर विशेष बल देते हुए कहा कि हर घर नल से जल के लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें, जिससे ग्रामीणजन को समुचित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

ग्रामीण विकास, कृषि, सिंचाई एवं स्वास्थ्य विषयों पर विशेष फोकसः बैठक में मनरेगा, अमृत सरोवर, गौशाला निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन वितरण, कृषि बीज वितरण, बायोगैस योजना और सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सिंचाई योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति की स्थिति पर भी जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने डेमोग्राफिक प्रोफाइल, लेबर रूम, प्रसूति वार्ड और आयुष्मान कार्ड की प्रगति की जानकारी ली और स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया।

राजस्व, महिला-बाल विकास एवं विद्युत व्यवस्था पर भी हुई चर्चाः राजस्व विभाग अंतर्गत नवीन तहसील भवन और कृषि उपज मंडियों के लिये भूमि चयन पर विचार किया गया। वहीं, लाडली बहना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, मातृ वंदना योजना और आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की गई और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

नगरीकरण एवं विकास कार्यों पर सुझावः बैठक में परिषदों के अध्यक्षों और पार्षदों द्वारा तालाब गहरीकरण, ट्रैफिक जाम की समस्या, रैन बसेरा निर्माण, और पुराने बाईपास मार्गों के पुनर्निर्माण के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही बीसी पार्वती, काली सिंध, चाबी और चंबल परियोजनाओं से संभावित लाभों पर भी विचार किया गया।

मंत्री का संदेश सामूहिक प्रयासों से ही होगा विकास

बैठक के समापन पर प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि जो भी सुझाव बैठक में आए हैं, उन पर यथाशीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने कहा कि स्वच्छता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके बाद विभिन्न हितग्राहियों आवास, पेंशन, रुफ हार्वेस्टिंग सहित विभिन्न योजना अंतर्गत हितलाभ वितरित किए गए।

बच्चा जब घर से बाहर निकले

बच्चा जब बड़ा होकर स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई करने के बाद, घर से बाहर अपनी नयी दुनिया बनाने निकलता है, तो अक्सर अभिभावक के लिए इसे सहजता से ले पाना मुश्किल हो जाता है। बच्चे के बिना खाली घर अभिभावक को इतना ज्यादा परेशान करता है, जितना बच्चे की शैतानियां भी नहीं करती थीं लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि परिवर्तन संसार का नियम है, इसलिए बेहतर यही है कि आप अपने जीवन में आये इस नये बदलाव को स्वीकारें और सहज रहने की कोशिश करें।

बच्चे के लिए महत्वपूर्ण हैं आप: कॉलेज की पढ़ाई पूरी करना इस बात का सूचक है कि अब आपका नन्हा बड़ा हो चुका है और उसे अब आपकी उंगली पकड़ कर चलने की जरूरत नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि उसके जीवन में आपका महत्व कम हो गया है। इस बात को खुले दिल से स्वीकारें कि यह आपकी ही अथक मेहनत और लगन का नतीजा है कि आज आपका बच्चा अपने पैरों पर खड़े होने के काबिल बन पाया है। इसलिए बच्चे की सफलता में खुद की सफलता का जश्न भी मनाएं। बच्चे की सफलता इस बात का प्रमाण है कि अपनी तमाम परेशानियों और दिक्कतों के बावजूद आप अपने बच्चे को बेहतर परवरिश देने में कामयाब रही हैं। इससे उसमें भी यह अहसास जगेगा कि आप उसकी खुशी में बराबर से शरीक हैं।

स्वीकारें कि अब वह बच्चा नहीं रहा: जब बच्चा बड़ा होने के बाद पहली बार बाहर की दुनिया में कदम रखता है, तो वो हर नया अनुभव लेना चाहता है। ऐसे में संभव है कि वह आपके साथ ज्यादा समय न बिता पाये। यह भी हो सकता है कि उसके जीवन पर किसी अन्य व्यक्ति का विशेष प्रभाव पड़ रहा हो। लेकिन ऐसे समय में घबराने के बजाए या असुरक्षित महसूस करने के बजाए संयम से काम लें। बेशक अपने बच्चे को लायक और काबिल बनाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान आपका ही है, लेकिन जब बच्चा आत्मनिर्भर होना शुरू करता है, तो बहुत से नये लोगों के संपर्क में आता है, जिनमें से कुछ उसके जीवन को बहुत ज्यादा प्रभावित भी करते हैं।

बदलिये अपना नजरिया

गिलास आधा खाली है या आधा भरा, यह तय करना आपकी सोच और जीवन के प्रति आपके नजरिये को व्यक्त करता है। तो क्यों न इस बदलाव को पूरी तरह सकारात्मक रूप में लिया जाए। बेशक आपका बच्चा इतने साल आपके जीवन की धुरी बना रहा, लेकिन अब जरा अपनी सोच और जीने के तरीके में बदलाव लाइये। आप चाहें तो कोई हॉबी क्लास ज्वाइन कर सकती हैं। बरसों से किसी मित्र से नहीं मिलीं हैं, तो उससे मिलने का समय निकालिये। दोस्तों संग बाहर घूमने का प्रोग्राम बनाइये। या फिर लिखने-पढ़ने का शौक है, तो उसे पूरा कीजिए। कहने का मतलब है कि उम्र के इस पड़ाव पर अकेलापन महसूस करने और दुखी होने के बजाए इस बात की खुशी मनाइये कि आपको एक बार फिर से अपनी जिंदगी अपनी तरह से जीने का मौका मिला है। अगर आप ऐसा करेंगी तो यकीन मानिये आपके बच्चे को भी इससे बहुत खुशी मिलेगी और जिंदगीभर आप उसके लिए एक आदर्श और मिसाल बनकर रहेंगी कि जिंदादिली के साथ कैसे जिया जाता है।

बच्चों को अच्छी नींद ऐसे आयेगी

बच्चों को सुलाना आसान नहीं होता क्योंकि जरा सी भी आवाज से उनकी नींद टूट जाती है पर साथ में सुलाकर आप उसे आत्मनिर्भर बनने से रोकती हैं, इसलिए उनको अलग सुलाएं। रही बात उम्र की, तो इस पर सबके अपने-अपने विचार हो सकते हैं। कुछ लोग 3-4 साल की उम्र के बाद से ही बच्चे को अलग सुलाने की बात कहते हैं, तो वहीं कुछ लोग इसकी सही उम्र 6-7 साल मानते हैं। इस सबके बीच आपको सबसे पहले बच्चों की सोने से जुड़ी आदतों को समझना होगा। बिना इन आदतों को समझे बच्चे को अलग सुलाना कठिन होता है। ऐसे में ये जरूरी है कि आप उनकी नींद को ठीक से समझें और इसको समझ कर ही उनको अलग सुलाने की योजना बनाएं।

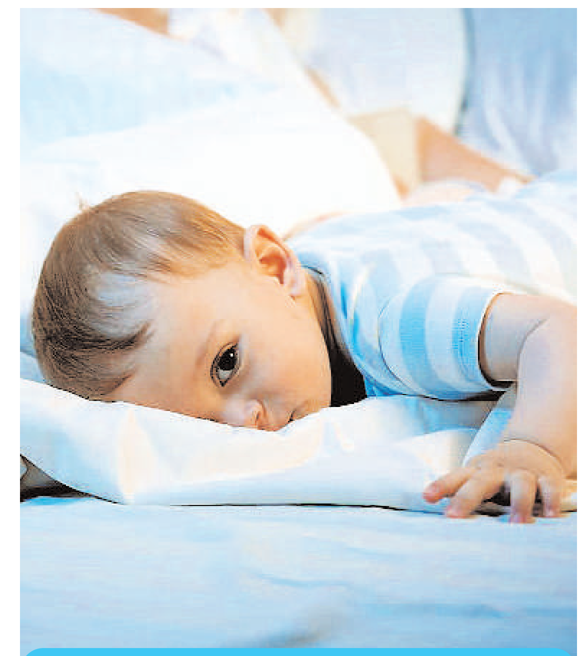

हर बच्चे का तरीका अलग

हर बच्चे को सुलाने का तरीका अलग-अलग हो सकता है। इसलिए जब भी आप बच्चे को अलग सुलाने की सोचें, तो इस बात पर तवज्जो दें कि वह कैसे सोता है। हर बच्चा अपने-आप में अलग होता है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को पहले समझें और अपना नया तरीका आजमाएं।

कमरा हो बच्चे की पसंद का

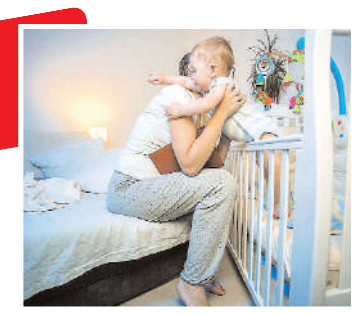

सोने का वातावरण भी अनुकूल होना जरूरी है। जब आप बच्चे को अलग सुलाने के बारे में सोचें, तो सबसे पहले उसके कमरे पर ध्यान दें। उसके कमरे का इंटीरियर, परदे का रंग, उसकी बेडशीट, सब कुछ उसकी पसंद के हिसाब से होने चाहिए, तभी बच्चा उस कमरे से जुड़ाव महसूस करेगा। बच्चे को जो भी चीजें पसंद हों, वह उसके कमरे में सजाएं। कुल मिलाकर बच्चे को यह एहसास हो कि यह उसका अपना कमरा है, जो उसके लिए सजाया गया है। बच्चे के कमरे में शांति भी जरूरी है। यहां शांति का मतलब यह बिल्कुल नहीं कि घर में कोई आवाज न हो। बच्चों को आम आवाजों के बीच सोने में कोई परेशानी नहीं होती। बस ख्याल यह रखें कि कमरे में कोई आर्टिफिशियल आवाज न आए, जैसे टीवी की या म्यूजिक सिस्टम की। इससे उनकी नींद में बाधा आती है।

कपड़े हों आरामदायक

बच्चों को हमेशा आरामदायक कपड़े पहना कर सुलाना चाहिए। कई बार बच्चे समझ नहीं पाते हैं कि उनको नींद क्यों नहीं आ रही है। पर इसका कारण उनके असहज कपड़े भी हो सकते हैं। हो सकता है कि उनके कपड़े कुछ टाइट हों या फिर उनको उन कपड़ों में ज्यादा गर्मी लग रही हो।

इन बातों का भी रखें ध्यान

बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी। सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी। सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं। बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।

रंग से जाने बच्चों का स्वभाव...

बच्चे बहुत मासूम होते हैं। उनका दिल पाक साफ होता है। जो उनके मन में होता वह वही बोलते और वही करते हैं। फिर भी कई बार मां-बाप बच्चे को समझ नहीं पाते। कभी- कभी तो वह यह भी नहीं जान पाते की उनको क्या हुआ है। वह क्या चाहते हैं। इन्हीं कारणों से अभिभावक बच्चे के स्वभाव को लेकर परेशान होने लगते हैं। अब आपको बच्चे के स्वाभव को लेकर चिंता करने के जरूरत नहीं है। आप अपने बच्चे के फेवरेट कलर के माध्यम से उनकी पर्सनालिटी व स्वभाव के बारे में जान सकते हैं। तो चलिए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

नीला रंग: जो बच्चा नीले रंग को पसंद करता है वह हमेशा खुद को दूसरों से बेहतर दिखाने की कोशिश करता है। उनका स्वाभाव न ज्यादा चंचल और न ही भोला होता है। खेल- कूद करने के साथ ही इनको पढ़ाई लिखाई का भी शौंक होता है। जिन बच्चों को यह रंग पसंदीदा होता है वह अपने काम से मतलब रखते हैं ज्यादा किसी से बात नहीं करते।

हरा रंग: हरा रंग पसंद करने वाले बच्चे बड़े ही आकर्षक व आत्मविश्वासीय होते हैं। ये इतनी प्यारी बाते करते हैं कि सबका ध्यान खूद व खूद इनकी ओर हो जाता है। ऐसे बच्चे हमेशा सकारात्मक सोच रखते हैं और जीवन की कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना डट कर करते हैं।

काला रंग: कुछ बच्चों को काला रंग बहुत पसंद होता है। इस रंग को पसंद करने वाले तेज दिमाग के सथ पक्के इरादो वाले और कड़वी जबान के होते है लेकिन इनका मन के साफ होते हैं।

लाल रंग: जिन बच्चों का लाल रंग फेवरेट होता हैं वह स्वभाव के शरारती और बहुत फुर्तिले होतें हैं। इन्हें किसी भी तरह की रोक-टोक पसन्द नहीं होती। ऐसे बच्चे अपने विचारों को दूसरों के सामने बहुत ही अच्छे तरीके से रखते हैं।

पीला रंग: पीले रंग को पसंद करने वाले बच्चे शांति व सादगी प्रिय होते हैं। ऐसे बच्चे अपनी बात को जल्दी किसी के साथ शेयर नहीं करते। ये बच्चे कभी झूठ नहीं बोलते।

गुलाबी: जिन बच्चों का पसंदीदा रंग गुलाबी होता है वे हर पल का आनंद लेना चाहते हैं।

संवेदनशील बच्चों का ऐसे रखें ध्यान

खेलना-कूदना, शरारत करना आदि बच्चों के लिए सामान्य-सी बात है, लेकिन वहीं कुछ बच्चे अपनी गुमसुम दुनिया में व्यस्त रहना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे बच्चों की परवरिश में थोड़ी सतर्कता की जरूरत होती है।

समझें अपने बच्चे को

कई बच्चे होते हैं, जो दुनिया से कटे-कटे रहते हैं और कहीं न कहीं इन सभी की मांएं अपने बच्चों को लोगों के करीब ले जाना चाहती हैं लेकिन ऐसी स्थिति में बच्चों को समझाने से ज्यादा खुद माताओं को यह समझना जरूरी है कि यहां कोई भी जोर-जबरदस्ती काम नहीं आने वाली। वो इसलिए, क्योंकि ऐसे बच्चे बहुत ज्यादा संवेदनशील होते हैं और इनसे बर्ताव का तरीका सामान्य बच्चों से अलग होता है। अगर बच्चा संवेदनशील है तो माताओं को अपने व्यवहार में तब्दीली लाने और कुछ बातों को समझने की जरूरत है।

बच्चा चुप-चुप रहता है, ज्यादा किसी से मिलता नहीं। ऐसे में आप उस पर सामाजिकता का जोर डालना बंद कर दीजिए। उसके व्यवहार को बदलने की जगह उसकी रुचि को बढ़ावा देने की कोशिश कीजिए। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अपने बच्चे को जबरदस्ती अन्य बच्चों की तरह एक्टिव और स्मार्ट बनाने की जरूरत नहीं है। हर बच्चा एक-सा नहीं होता। अगर बच्चा घर में ज्यादा रहना पसंद करता है तो उसे किताबों, पेंटिंग, कहानी लेखन जैसी चीजों में व्यस्त किया जा सकता है। इस तरह से बच्चे भविष्य में कमाल दिखा सकते हैं। हां, थोड़ी-बहुत सामाजिकता के लिए उसे अकेले में प्यार से समझाएं और किसी भी काम को करने के लिए सही और सही कारण सामने रखें। बच्चा संतुष्ट हो जाएगा तो खुद उस काम को करेगा।

हम अकसर ही बच्चों पर अपना पूरा अधिकार समझते हुए उन्हें कहीं भी डांट लगा देते हैं, लेकिन संवेदनशील बच्चे इन्हीं बातों को दिल से लगा बैठते हैं। उनका सोचने का तरीका नकारात्मक होने लगता है और धीरे-धीरे उन्हें सामान्य-सी बात समझाना भी मुश्किल पड़ने लगता है। बच्चों की भावनाओं की जिम्मेदारी आपकी है। उसे चोट न पहुंचने दें। अपने बच्चे को अकेले में मौका देखकर समझाएं। किसी कारणवश सबके बीच डांटना पड़ा भी तो बाद में उसे उस डांट का कारण देकर तसल्ली दें। जब बच्चे को आपका टोकना पसंद नहीं आता तो जाहिर है दूसरों का बिल्कुल नहीं आएगा। ऐसे में अपने बच्चे की संवेदनशीलता के बारे में पहले ही टीचर और दूसरों को बता दें तकि बच्चा उन लोगों के बीच सहज महसूस कर सके। बच्चे की संवेदनशीलता का ध्यान रखते समय इस बात का ख्याल भी जरूरी है कि कहीं वो बिगड़ न जाए। बच्चे के लिए मां बदल सकती है, लेकिन दुनिया नहीं। ध्यान रखें कि बड़े होकर उसको भी जीवन के उतार-चढ़ाव देखने होंगे। इसके लिए आप बच्चे से अपने घर के नियमों का पालन जरूर करवाइए। बच्चे के लिए नियम तोड़ना उसे जिद्दी बना देगा।

सब्र से काम लें

संवेदनशील बच्चे भावनाओं से ओतप्रोत होते हैं। इनको समझने और समझाने के लिए आपको सबसे पहले खुद में सब्र लाना जरूरी है। आपका धैर्य खोना उनकी भावनाओं को चोट पहुंचा देता है। बच्चे को समय दें , उससे बातें करें और अगर कोई काम उससे करवाना चाहती हैं तो उसको उस काम को करने के लिए राजी होने का मौका दें।

बच्चे को बांटना इस प्रकार सिखायें

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा: बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना: बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती: बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी पसंदीदा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

खौफ का किरदार कुछ अलग, मुझमें आया बड़ा बदलाव

अभिनेता-फिल्म निर्माता रजत कपूर स्टारर हॉरर सीरीज खौफ रिलीज के लिए तैयार है। उत्साहित अभिनेता ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। रजत ने बताया कि उन्हें अपकमिंग हॉरर सीरीज खौफ में किस बात ने आकर्षित किया और यह किरदार उनके निभाए अब तक के किरदारों से अलग क्यों है। खौफ में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे अभी तक के निभाए सभी किरदारों से अलग है। जब मुझे फोन कॉल आया और मैंने कंटेंट को पढ़ा, तो मैं उत्साहित था। यह मेरे लिए एक बड़ा बदलाव था, जो काम मैंने पहले किया था, उससे बिल्कुल अलग।

फिल्म की कहानी बहुत रोमांचक लगी

उन्होंने कहा, निर्देशक पंकज कुमार और निर्माता स्मिता से मिलने से पहले, मैंने उनके भेजे गए कंटेंट को पढ़ा और महसूस किया कि यह रोमांचक था। इसे पढ़कर मुझे अपनी स्पाइन में सेंसेशन महसूस हुई, जो आमतौर पर नहीं होती। मैं अपनी भूमिका को लेकर बेहद उत्साहित था। अभिनेता ने आगे बताया, कभी-कभी कोई भूमिका कमजोर हो सकती है या आपकी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती है, लेकिन मेरी यह भूमिका बिल्कुल विपरीत है। शूटिंग का अनुभव, कॉस्ट्यूम, मेकअप - सब कुछ इसे और भी बेहतर बनाता है। यह उन कुछ प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिन पर मैंने काम किया है और जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं। मैं आमतौर पर अपने काम को लेकर इतना उत्साहित नहीं होता, लेकिन यह वास्तव में रोमांचक है। 'खौफ' की कहानी पर नजर डालें तो यह मधु नाम की लड़की की कहानी है, जो नए शहर में जिंदगी की नई शुरुआत के लिए आती है और एक हॉस्टल में शिफ्ट होती है। हॉस्टल के कमरे में उसका सामना एक बुरी शक्ति से होता है, जो उसकी पिछली जिंदगी के पिशाच को उसके सामने खड़ा कर देता है। स्मिता सिंह की सीरीज खौफ का निर्माण संजय राउत्रे और सरिता पाटिल ने मैचबॉक्स शॉट्स बैनर के तहत किया है। पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन के निर्देशन में बनी आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में रजत कपूर के साथ मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी, चुम दरांग और शिल्पा शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में हैं। खौफ का प्रीमियर 18 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा।

कार्तिक आर्यन के साथ रिश्ते पर नुसरत भरुचा ने किया खुलासा

नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की हॉरर फिल्म 'छोरी 2' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। एक्ट्रेस ने कार्तिक आर्यन के साथ अपने रिश्तों पर भी खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म 'छोरी 2' के सेट से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए।

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या कार्तिक आर्यन उनके लिए अब भी रज्जो हैं या द कार्तिक आर्यन हो गए हैं? तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता मैं इस सवाल का जवाब कैसे दूं? क्योंकि मैं नहीं जानती कि मैं उनके लिए नेहा ही हूं? या उनके लिए द नुसरत भरुचा हो गई हूं? ऐसा कुछ होता नहीं है। हम एक्टर्स हैं, हम सामान्य इंसान हैं, हम साथ में काम करते हैं। वह हमेशा मेरे लिए कार्तिक ही रहेंगे। मैं उनके लिए नुसरत ही रहूंगी। मुझे यह नहीं लगता कि यहां द कार्तिक और द नुसरत भरुचा जैसा कुछ है। हम इंसान ही हैं। हम इंसानों की तरह मिलते हैं, चिल और नॉर्मल रहते हैं।'

'छोरी 2' के सेट पर कैसा रहा नुसरत का अनुभव

'छोरी 2' की शूटिंग के दौरान के अनुभव के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा, ' मेकर्स ने इस पार्ट में मुझे डराने से ज्यादा टॉर्चर किया है। धूल-मिट्टी, चाबुक मारना, टनल से उल्टा फेंकना, पानी के अंदर डालना यह सब होता रहा। हालांकि, यह बहुत अच्छी जर्नी रही। 'छोरी' में तो मुझे लगा था कि इससे ज्यादा क्या ही करेंगे? लेकिन 'छोरी 2' ने मुझे चौंका दिया। मुझे हर सीन के बाद लगा अब ये होगा। अच्छा ये होगा। दाद देती हूं मेकर्स की इमेजिनेशन की।' 'छोरी 2' के सेट पर क्या खास रहा? पूछा जाने पर कहा, ' इस बार मुंबई में हुई। इसका सेट वहीं लगाया। उन्होंने कहा, इस बार हमने एक अंडरग्राउंड सेट बनाया हुआ था। बाकी आपको फिल्म देख कर ही पता चलेगा। हम इस बार फिल्म में घबराहट, बेचैनी और पहले पार्ट से डबल भ्रम लेकर आए हैं। पहल भाग में सिर्फ पति-पत्नी थे, लेकिन इस बार फैमिली भी बढ़ गई है। जो इस फिल्म को और डरावना बनाएगी।'

बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ किस्सा में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा। अभिनेत्री ने 'लॉगआउट' की टीम के बारे में कहा, मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं किस्सा के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।

अमित गोलानी के निर्देशन में बनी लॉगआउट की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने लॉगआउट का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली।

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के वायरल होने के बाद से चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उन बेकार ट्रोल्स की परवाह नहीं है, जो मतलबी टिप्पणियां पोस्ट करके खुशी पाते हैं।

ट्रोलिंग पर मौनी की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने उनसे ट्रोलिंग के बारे में पूछा। अपनी ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

लुक चेंज होने पर ट्रॉल हुई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने ट्रोल्स को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मौनी के माथे में कुछ गड़बड़ है और कहा गया कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, जो गलत हो गई।

विनीत कुमार सिंह ने जाट के बाद नए प्रोजेक्ट की दी झलक

अभिनेता विनीत कुमार सिंह 2025 की शुरुआत से ही लगातार सुर्खियों में हैं। उनका शानदार सफर थमने का नाम नहीं ले रहा और उनके फैंस भी यही उम्मीद कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत फिल्म छावा से धमाकेदार तरीके से करने वाले विनीत ने सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और अब जाट में भी शानदार अभिनय किया है। उन्हें बॉलीवुड में अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जा रहा है। अपने प्रभावशाली अभिनय के साथ विनीत ने अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है और एक ऐसे कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो किसी भी जटिल भूमिका को बेहद आसानी से निभा सकता है। विनीत अपने विनम्र और व्यावहारिक स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में विनीत ने सोशल मीडिया पर जाट की पूरी टीम को उन्हें एक यादगार प्रोजेक्ट देने के लिए धन्यवाद दिया। विनीत ने अपनी पोस्ट में फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति, अभिनेताओं, लेखकों, निर्देशकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह भी लिखा कि जाट उनके लिए हमेशा यादगार रहेगी क्योंकि यह उनकी पहली निगेटिव भूमिका थी, और साथ ही ये उनकी पहली साउथ फिल्म भी है। उनका धन्यवाद पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने सिर्फ टीम को ही नहीं, बल्कि अपने फैंस और आलोचकों को भी इस सफर में अहम भूमिका निभाने के लिए दिल से धन्यवाद कहा ङ्क जो उन्हें लगातार बेहतर बनने की प्रेरणा देते हैं।

विनीत ने लिखा, मुझ पर विश्वास करने और सोमुलु को जीवंत करने के लिए निर्देशक गोपीचंद सर का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह पहली बार है जब मैं खलनायक की भूमिका निभा रहा हूँ, मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा था, और उनके दृढ़ विश्वास ने मुझे यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं! उन्होंने आगे लिखा, आप सभी के प्यार से अभिभूत - इस साल छावा और सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव के बाद जाट तीसरी सफल फ़िल्म है। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया! यह मेरी पहली साउथ फिल्म है और हर किसी की लगन और प्रतिभा ने मुझे चौंका दिया। इस टीम के साथ काम करना एक सपना जैसा रहा। सोमुलु और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए जश्न मनाने का समय है। मैं भविष्य के लिए उत्साहित हूं और अपनी टीम के हर सदस्य को उनके समर्पण और मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं।

दर्शकों और समीक्षकों का समर्थन पाना किसी वरदान से कम नहीं है। जाट और सोमुलु को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। नए मौकों और सहयोगों के लिए तैयार हूं। जल्द मिलते हैं कुछ नए के साथ! खैर, यह तो साफ है कि इस बेहतरीन कलाकार के पास पाइपलाइन में कुछ और है, या फिर विनीत ने किसी नए प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं? चर्चा है कि वह जल्द ही मुक्काबाज़ के निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ फिर से काम करने जा रहे हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, वह कबीर खान एंटरटेनमेंट के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

परिवार को सिनेमा हॉल तक लाना ही अब असल चुनौती

हिंदी सिनेमा में प्रियदर्शन का नाम क्लासिक फिल्मों 'हेराफेरी', 'भूल भुलैया' और 'गरम मसाला' आदि के लिए आज भी सम्मान से लिया जाता है। बरसों बाद वह अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली हिंदी फिल्म 'भूत बंगला' बनाने जा रहे हैं। प्रियदर्शन से ये खास बातचीत

हास्य, व्यंग्य और उपहास में किस विधा को एक कॉमेडी फिल्म की जरूरत आप मानते हैं?

मेरे लिए किसी भी कॉमेडी फिल्म को बनाने का एक ही सूत्र है और वह ये कि क्या ये फिल्म किसी बच्चे को हंसा सकती है। चार्ली चैपलिन के दिनों से शुरू करके आज हम वहां आ गए हैं, जहां दूसरों का मजाक उड़ाने पर लोग हंसते हैं। स्टैंडअप कॉमेडियन के सामने मजबूरी है कि उसको उन्हीं 90 मिनट या दो घंटे में सामने बैठे दर्शकों को रोककर रखना है। सिनेमा की ऐसी कोई मजबूरी नहीं है।

और, क्या सिनेमा में फूहड़ता और गालियों की वजह से भी लोगों का सिनेमाघरों तक आना कम हुआ है?

हां, और ये एक दिन में नहीं हुआ है। दर्शकों का किसी कला से मोहभंग समय के साथ साथ होता है। सिनेमा में फिल्म दर्शकों की रुचि के क्षरण के जिम्मेदार वे सारे लोग हैं जिन्होंने दर्शकों को लुभाने के लिए अलग अलग तरह के टोटके ईजाद करने शुरू कर दिए। फिल्में वही हिट होती हैं जिन्हें लोग समूहों में देखने आएं। अब कोई भी परिवार अपने बच्चों के साथ लेकर कोई कॉमेडी फिल्म देखने मुश्किल से ही जाता है।

आपको आज की पीढ़ी के बच्चों के साथ कितना संवाद होता है?

सिनेमा शुरू से अपने दौर के युवाओं की पसंद के साथ ही चलता रहा है। 19 साल से लेकर 30 साल तक के लोग ही अपने परिजनों के साथ ये तय करते हैं कि सिनेमाघर जाकर कौन सी फिल्म देखनी है। मैं इसीलिए अपने बच्चों के साथ अपनी फिल्मों के विचार बांटता रहता हूं। उनकी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद ही मैं अपनी फिल्म लिखने बैठता हूं।

मलयालम सिनेमा की कई फिल्में हाल के दिनों में हिंदी फिल्म दर्शकों के लिए नए सिरे से हिंदी फिल्म सितारों के साथ बनाई गई, आपके अनुसार दर्शकों की पसंद पर इनके खरे न उतरने की वजह क्या हो सकती है?

किसी भाषाई फिल्म को किसी ऐसे वृहत्तर दर्शक समूह के लिए बनाना जिसकी भाषा, रुचियां और संवेदनाएं अलग हैं, बहुत तैयारी मांगता है। बिना विषय की रूह को समझे सिर्फ रीमेक के लिए फिल्म बना देना सही निर्णय नहीं है और इसीलिए हिंदी में बन रही भाषाई फिल्मों की रीमेक सफल नहीं हो रही हैं। इन फिल्मों के निर्देशक अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि गलती कहां हुई?

आपके हिसाब से हिंदी सिनेमा के निर्माता या निर्देशक कहां चूक रहे हैं?

सबसे पहली जरूरत किसी फिल्ममेकर के लिए ये होनी चाहिए कि वह अपने दर्शकों को समझे। उनकी पसंद जाने। उनकी रोजमर्रा की दिक्कतों से दो-चार हो। एक उदाहरण से इसे यूं समझा जा सकता है कि किसी प्रेम कहानी में प्रेमी-प्रेमिका के द्वंद्व के कारक अब बदल चुके हैं। अब उन्हें अमीरी-गरीबी या अपने माता-पिता या भाषाई भिन्नता के चलते प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। उनका प्रतिरोध अब भीतरी है। अब उनका द्वंद्व खुद से है, एक दूसरे की राजनीतिक विचारधारा से है, एक दूसरे के अपने अपने कारोबार में आने वाली परेशानियों से है।

मतलब कि आज के निर्देशक बदलते समय के साथ खुद को बदल नहीं रहे हैं?

ये बात दूसरी तरह से भी मैं कह सकता हूं और वो ये कि सिनेमा बदलते समाज का आईना होता है। और, अगर कोई भी फिल्ममेकर इस आईने में बदलाव को नहीं भांप पा रहा है तो वह ज्यादा दूर तक नहीं जा पाएगा। हर बड़ा फिल्ममेकर तभी लंबे समय काम कर पाया, जब उसने अपने निर्देशन को, अपनी कहानियों को और अपनी फिल्म मेकिंग को बदलते समय में बदलते दर्शकों के साथ बदला और अपना अनुकूलन समय के इस बदलाव के साथ जारी रखा।

हिंदी सिनेमा में आपकी पिछली फिल्म 'हंगामा 2' सफल नहीं रही। अब आप अक्षय कुमार के साथ दो फिल्में और बना रहे हैं? क्या योजनाएं हैं इन फिल्मों की?

'हेराफेरी 3' पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन हां, मेरी हिंदी सिनेमा में एक बड़े बजट की फिल्म के साथ अरसे बाद वापसी हो रही है। बरसों बाद में अक्षय कुमार के साथ काम करने जा जा रहा हूं। ये एक बहुत ही खास फिल्म होगी और अब मैं इस फिल्म के जरिये सिनेमा का जादू फिर से जगाने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं।

प्रियदर्शन की सौंवी फिल्म कौन सी होगी, क्या ये फिल्म आपके खासमखास दोस्त मोहनलाल के साथ ही होगी?

सिनेमा को लेकर मेरा पक्का विचार यही है कि इसे आंकड़ों की बाजीगरी में नहीं उलझाया जाना चाहिए। एक निर्देशक को अपनी फिल्म की मोटी मोटी गणित तो आनी चाहिए लेकिन सिर्फ गणित के लिए सिनेमा भी नहीं बनाना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

नगर निरीक्षक द्वारा कानूनी परामर्श तथा जल शपथ दिलाई गई

अशोकनगर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड अशोकनगर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को अतिरिक्त कक्षा के रूप में अध्ययन भ्रमण अशोकनगर कोतवाली में किया गया। जिसमें नगर निरीक्षक(टीआई) मनीष कुमार शर्मा द्वारा थाने से संबंधी बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराध तथा अन्य अपराध जो दैनिक जीवन में घटित होते हैं उसके बारे में जानकारी दी। सब इंस्पेक्टर अंसारी एवं स्टॉप ने एफआरआई एवं हवालात अन्य महत्वपूर्ण जानकारी छात्रों के साथ साझा की। विकासखंड समन्वयक मनोज यादव ने बताया कि अध्ययन भ्रमण के माध्यम से छात्रों को कानूनी परामर्श मिला एवं परामर्शदाता श्रीमती रचना गुप्ता, बलवीर यादव, जगदीश केवट सहित छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में टीआई ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल बचाने के लिए जल शपथ दिलाई।

कमिश्नर ने तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को जारी किया कारण बताओं नोटिस

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले शहडोल संभाग के तहसीलदारो, नायब तहसीलदारो को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिन तहसीलदार, नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया उनमें तहसीलदार अनूपपुर, नायब तहसीलदार कोतमा वृत्त, आमडाड नायब तहसीलदार, तहसील पुष्पराजगढ़, व्रत गिरारी, ना. तह. तहसील पुष्पराजगढ़ व्रत पसान,तहसीलदार तहसील पुष्पराजगढ़, नायब तहसीलदार तहसील ब्यौहारी व्रत बुढ़वा, तहसीलदार तहसील कोतमा, नायब तहसीलदार तहसील पुष्पराजगढ़ व्रत दामेहड़ी, तहसीलदार तहसील जैतहरी,नायब तहसीलदार तहसील जैतपुर वृत्त बिजुरी के नाम शामिल है। गौरतलब है कि 16 अप्रैल को शहडोल संभाग के आयुक्त कार्यालय में कमिश्नर श्री मति सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नर कलेक्टर्स बैठक का आयोजन किया था जिसमें राजस्व के साथ साथ अन्य विभागों की समीक्षा की गई थी।

आम जन जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़कर बनाएं जन अभियान : विधायक

रात्रि कालीन चौपाल लगाकर विधायक एवं कलेक्टर ने ग्रामीणों को दिया जल संरक्षण का संदेश

सत्ता सुधार ■ शहडोल

जिले में जल के सरक्षण एवं संवर्धन के लिए 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों की उपस्थिति में शहडोल जिले के जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत भुरसी में अखड़ार नदी के किनारे लोगों को पानी की एक-एक बूंद सहजेने एवं जल का महत्व बताने रात्रि कालीन जन चौपाल लगाई। जन चौपाल को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव के तालाबों, कुओं, बावड़ियों जैसी अनेक जल संरचाओं की साफ-सफाई एवं उनके जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होनें ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आप सब भी इस अभियान में जड़कर इसे जनअभियान का स्वरूप दें। इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार की जल

संरचनाओं की साफ-सफाई एंव जीर्णाद्धार के कार्य में आगे आएं तथा इस अभियान को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। आपने कहा कि इस अखड़ार नदी में हमेशा पानी रहता हैं इस नदी में पानी की कमी नहीं होती है। हम सब को इस नदी को साफ रखना है और इसे बचाना भी है। इस नदी में स्वच्छ पानी रहेगा तों आमजन एवं जानवरों के लिए यह पानी बहुत उपयोगी होगा। नदी के आस-पास के खेतों में सब्जी लगा सकते हैं तथा कई प्रकार की खेती कर नदी के पानी से सिंचाई कर सकते हैं।

जन चौपाल में जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने कहा कि हमारे जिले में यह अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले के प्रत्येक नगर परिषद, नगरीय निकाय, नगर पंचायत एवं ग्राम पंचायत में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के प्रत्येक जल संरचनाओं की साफ-सफाई का कार्य, गहरी करण का कार्य एवं उनके जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होनें ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आप सब इस अभियान में जुड़कर अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। कलेक्टर ने कहा कि अभियान में प्रत्येक दिन अनकों प्रकार की गतविधियों आयोजित की जा रहीं हैं तथा आम जन तक जल के महत्व एवं जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। आपने चौपाल में आए हुए ग्रामीणों से कहा कि आपके जनपद पंचायत गोहपारू में सामूहिक विवाह का भी आयोजन किया जाना है। सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले जोड़े अपना आवेदन निर्धारित तिथि तक जमा कर सकते हैं एवं इस सामूहिक विवाह का लाभ ले सकते हैं। जन चौपाल को उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती फूलवती सिंह, ग्राम पंचायत भुरसी की सरपंच श्रीमती रामकली, उप सरपंच श्री मोहन सिंह ने भी संबोधित किया। जन चौपाल में म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय ने पर्यावरण को बचाने हेतु एक प्रेरक गीत भी गाया। जन चौपाल में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेन्द्र सिंह धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर श्रीमती प्रगति वर्मा, तहसीलदार गोहपारू श्री दीपक मंडावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू श्री वेदमणि मिश्रा, ब्लॉक समन्वयक आलोक सोंधिया, मेंटर्स सर्व श्री प्रवीण दुबे,मुकेश पाठक,मनीषा पांडेय ,शालिनी सोनी, सीएमसीएलडीपी के छात्र प्रस्फुटन समिति सदस्य एव ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अपराधों पर अंकुश लगाने पुलिस ने चलाया अभियान

करीब डेढ़ सौ वारंटियों को लिया हिरासत में

सत्ता सुधार ■ सीहोर

जिले में अपरोधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कोम्बिग गस्त चलाई। दो सौ से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा की गई गस्त के दौरान करीब डेढ़ सौ वारंटियों को पकड़ा है। पुलिस को इन वारंटियों की विभिन्न मामलों में तलाश थी।

जानकारी के मुताबिक बीती रात जिले में 210 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने 12 से 5 बजे तक कोम्बिग गस्त की, इसमें 146 वारंटियों को किया गिरफतार, 128 चिन्हित अपराधियों को किया चेक , 01 आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश अनुसार जिला सीहोर में दिनांक 17-18 अप्रैल-2025 को नाईट कोम्बिग गस्त की गई । इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत द्वारा थाना आष्टा एवं पार्वती, तथा जिले के अनुभाग बुदनी, नसरूल्लागंज एवं सीहोर शहर के अधिकारी एवं कर्मचारियों को संबंधित एसडीओपी सीएसपी द्वारा आवश्यक निर्देश देकर किया रवाना।

पृथक पृथक टीम बनाकर की गई कोम्बिग गस्त

कोम्बिग गश्त के दौरान कुल 146 वारंटी स्थाई वारंट, गिरफतारी वारंट एव अन्य अपराध में फरार को किया गिरफतार किया है, इसमें 128 चिन्हित अपराधी जिला बदर, निगरानी बदमाश, गुण्डा को चेक किया । अन्य कार्यवाही के तहत आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत थाना इछावर द्वारा 01 आरोपी के विरूद्ध प्रकरण बनाया गया ।

सर्वाधिक कार्यवाही करते हुये थाना भैरूंदा द्वारा 28, थाना आष्टा द्वारा 20, थाना कोतवाली द्वारा 17, थाना रेहटी द्वारा 16, थाना इछावर द्वारा 11 स्थाई एवं गिरफतारी वारंटियों को पकड़ा जाकर उत्कृष्ठ कार्य किया गया । अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण की दृष्टि से सम्पूर्ण जिले के थाना क्षेत्रों में प्रभावी रात्रि काम्बिंग गश्त की गई। कोम्बिंग गस्त की टीम को पुलिस अधीक्षक सीहोर द्वारा इनाम दिया जाएगा।

अप्रैल अंत तक मांग पूरी नहीं की गई तो 1 मई से शुरू होगी हड़ताल

कृषि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के द्वारा जताई जा रही नाराजगी

सत्ता सुधार ■ सीहोर

जारी है काली पट्टी बांधकर विरोध। अभी तक कृषि विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हित लाभ संबंधी कोई कार्य नहीं किए गए , निम्न के चलते अधिकारी व कर्मचारी अंत तक लगातार काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे। परे प्रदेश में कृषि विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी 21 अप्रैल को कलम बंद व 22 अप्रैल को सार्महिक अवकाश में रहेंगे । अप्रैल अंत तक यदि विभाग के हित में शासन द्वारा ठोस कदम नहीं लिया गया तो 1 मई 2025 से शुरू करेंगे हड़ताल। अधिकारियों का कहना है 20 से 25 वर्षो से कोई प्रमोशन नहीं किए गए । अधिकारियों व कर्मचारियों के समय मान वेतनमान (वेतन वृद्धि) के लाभ नहीं दिए गए तथा पांच स्तरीय वेतनमान के लाभ से भी वंचित रखा गया जिससे लंबे समय से पदोन्नति न होने से विभागीय ढांचा चरमरा गया हैं। साथ ही तकनीकी विभाग होने के कारण विभाग में संचालक कृषि का पद तकनीकी अधिकारियों से ही भरा जाना चाहिए।

कलेक्टर ने किया तहसील चंदेरी का प्रथम भ्रमण

मां जागेश्वरी के मंदिर पहुंचकर किये दर्शन

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह ने शुक्रवार को अशोकनगर जिले की तहसील चंदेरी के प्रथम भ्रमण पर पहुंचे। सर्वप्रथम भ्रमण के दौरान उन्होंने चंदेरी स्थित प्रसिद्ध मां जागेश्वरी के मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की एवं दर्शन लाभ लिये। साथ ही उन्होंने मां जागेश्वरी माता से जिले वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने मां जागेश्वरी माता मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी ली।

ककड़ी और खीरे के उत्पादन को रवि केवट ने बनाया आय जरिया

शहडोल। स्थानीय सब्ज़ी विक्रेता द्वारा शुरू किया गया ककड़ी और खीरे का छोटा सा व्यवसाय आज लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। शहडोल जिले के गोहपारू के ग्राम लेदरा निवासी श्री रवि प्रसाद केवट सामान्य किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले आज ककड़ी और खीरे की छोटी सी दुकान के माध्यम से प्रतिदिन 1000 तक की

कमाई कर रहे हैं, और गाँव के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने स्थानीय खेतों से ताज़ी ककड़ी और खीरे खरीदकर सड़क किनारे एक छोटी सी दुकान लगाई। गर्मी के मौसम में इनकी माँग बढ़ जाती है। शहडोल जिले के जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम लेदरा निवासी श्री रवि प्रसाद केवट ने बताया कि मेरा परिवार प्रतिवर्ष मार्च महीने में गांव के किनारे बहने वाली नदी में ककड़ी, खीरा, कद्दू आदि की पैदावार की तैयारी कर लेता है। अप्रैल माह में फसल आ जाती है जिसे जयसिंहनगर, गोहपारू एवं जिला मुख्यालय में आकर दुकान फुटपाथ पर लगा कर अपनी विक्रय करते है इस कार्य से मेरे परिवार को जीविकोपार्जन के लिए अतिरिक्त आय प्राप्त हो जाती है।

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ रहा है अशोकनगर जिला

प्रदेश में चौथा श्रेष्ठ प्रदर्शन कारी जिला अशोकनगर

अशोकनगर। म.प्र. में डिजिटल शिक्षा को लेकर अशोकनगर जिले ने एक बड़ा सराहनीय कदम आगे बढाया है। जिसमें डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। जो यह प्रदर्शित करता है कि यहां सरकारी स्कूलों में शिक्षा को डिजिटल रूप से प्रभावकारी बनाने के लिए गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं।

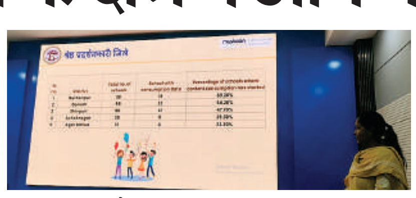

जिला परियोजना समन्वयक राहुल शर्मा ने बताया कि प्रदेश स्तर पर समीक्षा बैठक के दौरान डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों में चौथा स्थान अशोकनगर जिले को मिला है। जिले के कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकरी जिला पंचायत के निर्देशन में लगातार कई राज्य स्तरीय उपलब्धियां अर्जित की है। विगत सितम्वर माह में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत जिले द्वारा लक्ष्य से अधिक 105 प्रतिशत कार्य करने पर राज्य स्तर पर 5वॉ स्थान प्राप्त करने पर कलेक्टर महोदय को राज्य स्तर से प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया था। क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्ध हासिल करने पर राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया था। शिक्षा विभाग में बोर्ड परीक्षा में कक्षा 5 में 92.5 प्रतिशत एवं कक्षा 8 में 92.8 प्रतिशत बच्चों ने सफलता अर्जित की है। साथ ही 22 मार्च को कलेक्टर महोदय द्वारा 32 ऐसे बच्चों का सम्मान कलेक्टर महोदय द्वारा किया गया था जो जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में कक्षा 2 से 8 तक विषयबार कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया था, इन बच्चों का जिलास्तरीय सम्मान समरोह आयोजित कर उन्हें कलेक्टर महोदय द्वारा सम्मानित किया गया था।

जल संरक्षण के लिए जल संगोष्ठी आयोजित, जल संरक्षण की दिलाई शपथ

सत्ता सुधार ■ सीहोर

राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 माचज् से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीणोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब , जनभागीदारी के कार्य कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन अभियान परिषद द्वारा बुधनी में जल संरक्षण के लिए जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने जल संरक्षण के लिए कार्ड शीट पर चित्रों के माध्यम से जागरूक किया। इसी प्रकार जन अभियान परिषद सीहोर के सदस्यों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम बमुलिया, बडनगर, निपानियाकला में ग्रामवासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा दीवार लेखन, जन चौपाल के माध्यम से जल संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही ग्राम बमुलिया में 400 वर्ष पुरानी बावड़ी की साफ -सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर सीहोर विकासखंड समन्वयक प्रदीप सिंह सेंगर, बुधनी विकासखंड समन्वयक इंदर सिंह निकुम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रदेश भर में महिलाओं और बालिकाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में महिला कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

बेटी बचाओ अभियान के तहत अशोकनगर विधायक श्रीमान हरि बाबूराय जी के साथ जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. सीमा सुराणा, के नेतृत्व में प्रदेश भर में लाड़ली बहनों एवं मासूम बच्चीयों के साथ हो रहे अत्याचार, दुष्कर्म और सामूहिक दुराचार की घटनाओं के खिलाफ अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोंपा गया। ज्ञापन में बताया गया की मध्य प्रदेश में बीते 15 वर्षो से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। लेकिन इतने लंबे शासनकाल में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, प्रदेश में लाडली बहनों व बच्चों के साथ दुष्कर्म एवं उत्पीड़न की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है, महिला कांग्रेस जिलाअध्यक्ष सीमा सुराणा ने बताया कि यह इस प्रकार की घटनाएं बहुत ही निंदनीय,शर्मनाक है। समाज और मानवता के लिए कलंक है।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में मध्य प्रदेश देश मे नंबर वन पर है। यह बेहद चिंताजनक है महिला कांग्रेस ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है की अपनी जिम्मेदारी से महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें ताकि वह खुद को सुरक्षित महसूस कर सके महिला कांग्रेस ने चेतावनी दी की अगर यह अत्याचार नहीं रुका तो जन आंदोलन होगा महिला व बच्चों पर अत्याचार व उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाना होगा। आज छोटी-छोटी बच्चियों 6 साल से 60 साल की महिला सुरक्षित नहीं है एक और बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, का नारा दिया हैं, उक्त ज्ञापन के माध्यम से महिला कांग्रेस आपसे अनुरोध कर रही है।अगर फिर भी मध्य प्रदेश में महिला एवं बच्चियों के साथ होने वाली घटनाएँ बंद नहीं हुई तो महिला कांग्रेस भविष्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर जन आंदोलन करेगी। जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी ।इस अवसर पर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. सीमा सुराणा जिला उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा,दशरथ सिंह रघुवंशी जी, नेता प्रतिपक्ष में रितेश जैन,सुधीर शर्मा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विशाल रघुवंशी, किसान कांग्रेस अध्यक्ष सुखवान यादव, सेवादल अध्यक्ष राहुल शर्मा, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र रघुवंशी, बली सिंह, नरेंद्र, शर्मा आदि।

शहर के चर्च मैदान पर 85 दिवसीय ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर और ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

सीहोर चिल्ड्रन ने सीहोर ब्लू को 2-1 से हराया

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर जारी 85 दिवसीय ग्रीष्म कालीन निशुल्क प्रशिक्षण शिविर के अलावा जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में ब्लाक स्तरीय अभ्यास मैचों का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को खेले गए मैच में सीहोर चिल्ड्रन ने सीहोर ब्लू को 2-1 से हराया। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया, मनोज अहिरवार, विपिन पवार, आनंद उपाध्याय आदि ने यहां पर इच्छुक खिलाडि़यों को प्रशिक्षण प्रदान किया। गुरुवार की शाम को खेले गए ब्लाक स्तरीय फुटबाल मैच में सीहोर चिल्ड्रन ने शानदार खेल का प्रदशज़्न करते हुए जीत हासिल की। इस मैच में सीहोर चिल्ड्रन की ओर से अथवज़्-अराफात ने एक-एक गोल किया। वहीं सीहोर ब्लू की ओर से एक मात्र गोल अग्रिम ने किया। इसके अलावा बुधवार को सीहोर बाइज और सीहोर चिल्ड्रन के मध्य मैच खेला गया। इसमें सीहोर बाइज ने एक गोल से सीहोर चिल्ड्रन को हराया। इस मैच में सीहोर बाइज की ओर से अंश ने एक गोल किया था। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार को सीहोर बाइज और सीहोर ब्लू के मध्य शाम को पांच बजे किया जाएगा। एसोसिएशन के द्वारा शाम चार बजे से प्रशिक्षण आरंभ हो जाता है।

साफ सफाई हेतु आवश्यक निर्देश किये जारी

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने की जंक फूड विक्रताओं की जांच

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

शासन द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा गुरूवार को मुंगावली तथा पिपरई मे स्ट्रीट फूड कार्नर तथा किराना दुकानों एवं होटलों पर जांच कार्यवाही की गयी। निरीक्षण के दौरान विकास किराना पिपरई से गरम मसाला, पोहा, नमकीन, मामा होटल, मुंगावली से लस्सी, कचौड़ी तथा गुजिया का नमूना जांच हेतु लिया गया। पुलिस थाने के पास,पिपरई में संचालित किये जा रहे फल तथा सब्जियों की दुकानों का खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा निरीक्षण किया गया तथा उन्हे खाद्य पंजीयन लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं ईमली चौराहा मुंगावली के चाट, फुल्की, गन्नें का रस,फास्ट फूड तथा

फल सब्जी की दुकानों का निरीक्षण कर उन्हे भी खाद्य पंजीयन लिये जाने हेतु निर्देश जारी किये गये, निर्देशो का पालन नहीं किये जाने पर उनके विरूद्ध अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। खाद्य सुरक्षा

अधिकारी के द्वारा सभी चाट, फुल्की तथा फास्ट फूड विक्रताओं को निर्देशित किया गया कि उनके द्वारा तैयार एवं बेचे जा रहे भोज्य पदार्थों में अजीनोमोटो, अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं किया जावे, खाद्य पदार्थों को ढंक कर रखने, एवं खाद्य तेल को बारबार गरम करके दोबारा उपयोग में न लाने हेतु बोला गया। एप्रन, ग्लव्य तथा हेडकवर का उपयोग किये जाने हेतु तथा नाखूनों की नियमित रूप से साफ-सफाई किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। गन्ने के रस का विक्रय करने वाले विक्रेताओं को गन्ने का छीलकर ही उस का रस निकालने हेतु निर्देश जारी किये तथा मनीष कुशवाह से गन्ने के रस का नमूना जांच हेतु लिया गया। सभी नमूने जांच हेतु शासन द्वारा अधिकृत प्रयोग शाला में भेजे गये है, जांच उपरांत प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि एफ एस एस ए आई के द्वारा हाकर्स को खाद्य पंजीयन शुल्क से मुक्त रखा गया है, तो सभी ऐसे विक्रेता जो कि हाकर्स अथवा चलते फिरते खाद्य कारोबार कर्ताओं की श्रेणी में आते है वह अपने नजदीकी एम पी आनलाईन सेंटर में जाकर 01 से 05 वर्ष की अवधि हेतु अपने आधार कार्ड की छाया प्रति तथा अपने पास पोर्ट साइज की फोटो के साथ खाद्य पंजीयन के लिये आवेदन कर लेवे।जांच के दौरान किसी भी खाद्य कारोबार कर्ता के पास वैध खाद्य पंजीयन नही पाये जाने की स्थिति में वैधानिक कार्यवाही की जावेगी तथा साथ ही आम जनता से अपील भी की गयी कि गर्मी के दिनों में खुले, एवं तले हुये खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन से बचें एवं ढके हुये खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें।

ब्रीफ न्यूज़

सुस्वाणी माता को जन्मदिन पर लगेंगे 56 भोग

इंदौर। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी मातारानी सुस्वाणी माता का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। 24 वर्ष पूर्व चीफ जस्टिस संपतलाल सुराना, अशोक सुराना, स्व. पुष्पमल सुराना, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.ज्ञानचंद सुराना के मार्गदर्शन में सुस्वाणी माता का जन्मदिन मनाना तय हुआ था। 24 वर्षों से लगातार परिवार के सभी सदस्य इस परम्परा को कायम रखे हुए हैं। परिवार के वरिष्ठ सदस्य सुनिल सुराना (गांधी) ने बताया की आम्रकुंज कालोनी सुखदेव नगर में 19 अप्रैल को मां सुस्वाणी की भक्ति महेन्द्र ठाकुर की भक्ति मंडली द्वारा करवाई जाएगी एवं मां को 56 भोग लगाएं जाएंगे। 20 अप्रैल को स्वामी वात्सल्य एवं प्रसादी का वितरण होगा। इस आयोजन में प्रदेशभर से दुग्गड ओर सुराना परिवार के लोग शामिल होंगे।

इंदौर मेयर मॉस्को में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

इंदौर। इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव को रूस ने भारत गणराज्य के निवेश,आकर्षण और इसकी आर्थिक क्षमता के बारे में अपने विचार रखने के लिए भारत गणराज्य की ओर से आमंत्रित किया है। मेयर 20 अप्रैल को रूस के मॉस्को शहर पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश पर वार्षिक ऑल-रूसी म्यूनिसिपल फोरम आयोजित की जा रही है। इसे 21-23 अप्रैल 2025 को मॉस्को में राष्ट्रीय केंद्र (रूस मॉस्को) में आयोजित किया जाएगा। इसमें फोरम के ढांचे के भीतर पैनल और रणनीतिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। यहां विशेषज्ञ स्थानीय स्वशासन के विकास पर चर्चा करेंगे।

नशे में धुत युवक ने चार गाड़ियों को मारी टक्कर, कार जब्त

इंदौर। इंदौर में गुरुवार देर रात शहर के पलासिया क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार ने बेकाबू होकर एक के बाद एक चार वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में कार चालक भी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपी युवक की कार जब्त कर ली है, हालांकि अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

पलासिया पुलिस के अनुसार, कार (HR26EH9003) को शुभम चौरसिया नाम का युवक चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह नशे की हालत में था। पहले उसने एक कार को टक्कर मारी, फिर एक पैसेंजर ऑटो रिक्शा और एक बाइक को भी चपेट में ले लिया। हादसे के दौरान एक कार में गर्भवती महिला सवार थी, जिसे परिजन इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। टक्कर के बाद वे तुरंत महिला को लेकर रवाना हो गए और घटनास्थल पर नहीं रुके।

इधर, शुभम चौरसिया भी अपनी कार में घायल हो गया था। राहगीरों की मदद से उसे बाहर निकाला गया और एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए। देर रात पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार जब्त कर ली है और पूरे मामले की जांच जारी है।

विभाग को मिली सिगनल एंड टेलीकॉम दक्षता शील्ड

सिगनल एंड टेलीकॉम विभाग के लिए उपलब्धि भरा रहा यह वर्ष

सत्ता सुधार ■ रतलाम

कहा जाता है कि यदि आपका काम अच्छा है तो इनाम भी अच्छा ही मिलेगा। इसी को चरितार्थ किया है रतलाम मंडल के सिग्नल एंड टेलीकॉम विभाग ने। मंडल रेल प्रबंधक रतलाम अश्वनी कुमार के सशक्त निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर आरएस मीना के कुशल नेतृत्व में संकेत एवं दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतर कार्य क्षमता का प्रदर्शन करते हुए संरक्षा, सुरक्षा, यात्री सुविधा के साथ ही अधोसंरचनात्मक विकास के क्षेत्र में किये गये नवोन्मेषी कार्यों में उत्कृष्टता हासिल की। और इसी का प्रतिफल है कि वर्ष 2024-25 का सिगनल एंड टेलीकॉम विभाग की दक्षता शील्ड।

रतलाम मंडल के सिग्नल एंड टेलीकॉम विभाग ने वर्ष 2024-25 में कई उपलब्धियां हासिल की, जिसमें एक वर्ष में सबसे अधिक स्टेशनों का ई-आई (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग), दुर्घटना रोधी कवच सिस्टम का ट्रायल, गोधरा-दाहोद के मध्य कांसुधी-चंचेलाव-संतरोड-पिपलोद स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रमुख कार्य भी किए गए। इस वर्ष गोधरा नागदा के मध्य तीन स्टेशनों और नागदा भोपाल के मध्य चार स्टेशनों कुल 7 स्टेशनों (पिपलोद, जेकोट, मंगल महुडी कालीसिंध पिंगलेश्वर, बोलाई एवं ताजपुर)पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग लगाने का कार्य किया गया जो कि अभी तक का एक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसी क्रम में ताजपुर स्टेशन पर डायरेक्ट ड्राइव का इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग लगाया गया जो कि भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम है

तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की सबसे नवीनतम तकनीकी है।

48 किमी पर डबलिंग का कार्य हुआ : रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि कंस्ट्रक्शन विभाग के साथ कार्य करते हुए नामली-बड़ायला चौरासी एवं मल्हारगढ़-नीमच खंड में लगभग 48 किमी पर डबलिंग का कार्य किया गया है। चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में अल्टरेशन कर उसे अधिक लाइनों पर गाड़ी लेने के लिए क्षमता बढ़ाई गई है इसी प्रकार मक्सी में भी दोनों ओर से अधिकतम लाइनों पर गाड़ी लेने के लिए अल्टरेशन किया साथ में मशीन साइडिंग का भी प्रावधान किया गया। संरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु इस वर्ष 12 सिगनलों को राइट हैंड साइड से सही दिशा लेफ्ट हैंड साइड में लगाया गया, सिगनलिंग व्यवस्था की उपलब्धता की वृद्धि हेतु कुल 22 नए इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई सिस्टम लगाए गए। यात्री सुविधा को देखते हुए अमृत स्टेशन की परिकल्पना अनुसार कुल 9 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस बोर्ड लगा दिए गए है

232 किमी खंड पर कवच का लोको ट्रायल-

हेड टू हेड कोलिजन सहित अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नागद से गोधरा के मध्य दुर्घटना रोधी कवच सिस्टम लगाने का कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है। गोधरा से नागदा के मध्य दुर्घटना रोधी कवच सिस्टम का लोको ट्रायल 186 किमी पर किया गया है। रतलाम मंडल में कुल 232 किमी खंड पर कवच का लोको ट्रायल कर लिया गया है।

ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली का कार्य जारी : रेलवे ट्रैक की महत्तम उपयोगिता एवं सुरक्षित ट्रेन परिचालन को देखते हुए नागदा-गोधरा खंड में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली का कार्य किया जा रहा है। इसी कार्य के तहत गोधरा से दाहोद के मध्य कांसुधी से पिपलोद स्टेशन तक लगभग पर 28 किमी के क्षेत्र को ऑटोमेटिक सिगनलिंग से युक्त कर दिया गया है। एक साथ 28 किमी ब्लॉक सेक्शन में ऑटोमेटिक सिगनलिंग सिस्टम को आरंभ कर पशिचम रेलवे पर रतलाम मंडल इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करने वाला प्रथम मंडल बन गय। एक साथ इसी कार्य में लगभग 66 ट्रैक सेक्शन में एक्सेल काउंटर के साथ 265 डीपी लगाने का कार्य भी किया गया है तथा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 74 और 98 को इंटरलॉक किया गया। रतलाम मंडल के उन्हेंल-असलावदा स्टेशनों के मध्य एक सी श्रेणी के स्टेशन इंटरमीडिएट ब्लॉक सिगनलिंग का प्रावधान किया गया है जिससे राजस्व की बचत होगी। निर्माण विभाग के साथ मिलकर राऊ एवं डॉ. अंबेडकर नगर के बीच भी इंटरमीडिएट ब्लॉक सिगनलिंग लगाया गया।

महू तहसील की 18 गांवों को मिलेगा मुआवजा

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन भूमि अधिग्रहण के लिए मिले 267 करोड़ रुपए

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट की निगरानी प्रधानमंत्री कार्यालय से सीधे की जा रही है। इस परियोजना के लिए इस बार बजट में 267.50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस राशि से प्रोजेक्ट में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। मप्र के तीन जिलों के 77 गांव से होकर रेल लाइन गुजरेगी। नवंबर-2024 में रेल मंत्रालय ने इन 77 गांव की जमीन अधिग्रहण करने के लिए गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया था। इसी वर्ष मंत्रालय ने इंदौर जिले की महू तहसील के 18 गांवों की सूची जारी की थी।

नई रेल लाइन धार, खरगोन और बड़वानी जिलों के आदिवासी अंचल के लिहाज से महत्वपूर्ण है। परियोजना से लगभग एक हजार गांव और 30 लाख आबादी का रेल सेवाओं से सीधा संपर्क होगा। अनुमान के मुताबिक प्रोजेक्ट पूरा होने पर 16 जोड़ी से ज्यादा पैसेंजर ट्रेनों का संचालन होगा, जिनमें 50 लाख यात्री शुरुआती वर्षों में सफर करेंगे। हर साल इस प्रोजेक्ट से रेलवे को 900 करोड़ से अधिक का राजस्व मिलेगा। इंदौर से मुंबई की दूरी भी 830 किमी से घटकर 568 किमी रह जाएगी। अफसरों के अनुसार रेल मंत्रालय द्वारा 14 जनवरी को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार महू तहसील के खेड़ी, चैनपुरा, कमदपुर, खुदालपुरा, कुराड़ाखेड़ी, अहिल्यापुर, नांदेड़, जामली, कैलोद, बेरछा, गवली पलासिया, आशापुरा, मलेंडी, कोदरिया, बोरखेड़ी, चौरड़िया, न्यू गुराडिया,

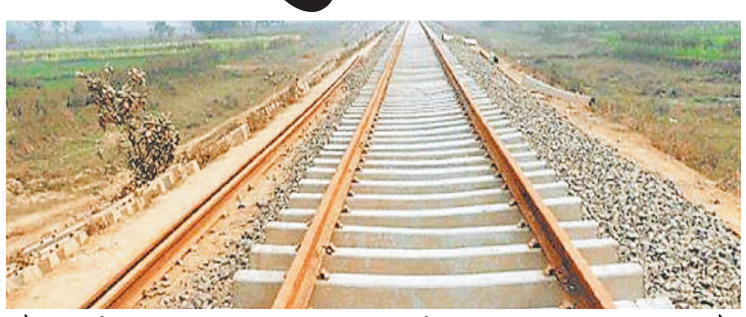

और महू कैंटोमेंट एरिया की चिह्नित जमीन का रेल प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहण होना है।

30 लाख की आबादी को फायदा : इंदौर-मनमाड़ रेल प्रोजेक्ट के तहत कुल 309 किलोमीटर लंबी रेल लाइन इंदौर से महाराष्ट्र के मनमाड़ तक बिछाई जाएगी। इस परियोजना से लगभग एक हजार गांवों और 30 लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे ने भू-स्वामियों को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। प्रोजेक्ट के पूरा होने पर 16 जोड़ी यात्री ट्रेनों का संचालन होगा, और शुरुआती वर्षों में 50 लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। इस परियोजना के तहत मध्य प्रदेश में 170 किलोमीटर लंबी लाइन बिछाई जाएगी, जिसमें 18 स्टेशन शामिल होंगे।

इंदौर से मुंबई की दूरी 830 किमी से घटकर 568 होगी : इंदौर-मनमाड रेल प्रोजेक्ट के तहत धार, खरगोन और बड़वानी जिले के आदिवासी अंचल से पहली बार रेल लाइन गुजरेगी, जिससे इन क्षेत्रों को रेल सेवाओं से सीधा संपर्क मिलेगा। इस परियोजना से लगभग एक हजार गांव और 30 लाख आबादी को फायदा होगा। इंदौर से मुंबई की दूरी भी 830 किलोमीटर से घटकर 568 किलोमीटर रह जाएगी। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि यह रेलवे लाइन प्रोजेक्ट बहुत प्रतीक्षित है और इसके लिए अब जमीन अधिग्रहण का काम तेजी से शुरू किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने इसके लिए एक अधिकारी की नियुक्ति की है, और आगामी बजट में इस प्रोजेक्ट के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया जाएगा। प्रोजेक्ट पूरा होने पर 16 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों का संचालन होगा, और शुरुआती वर्षों में 50 लाख यात्री सफर करेंगे। इस प्रोजेक्ट से रेलवे को हर साल 900 करोड़ से अधिक का राजस्व मिलेगा। इंदौर-मनमाड रेल लाइन योजना की शुरुआत 1918 में होलकर काल में हुई थी। इस परियोजना को गति शक्ति योजना में शामिल किया गया है, जिसके तहत इसकी निगरानी सीधे पीएमओ से की जाएगी। रेल मामलों के विशेषज्ञ नागेश नामजोशी के मुताबिक, होलकर राज्य के आर्किटेक्ट पैट्रिक गिडीस ने सबसे पहले इस रेल लाइन का खाका तैयार किया था, लेकिन तब तक काम शुरू नहीं हो सका। 2002 में तत्कालीन रेल मंत्री नीतिश कुमार ने इस परियोजना के सर्वे के लिए राशि मंजूर की और 2004 में सर्वे पूरा किया गया। हालांकि, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सरकार के बीच समन्वय न होने के कारण परियोजना पर काम शुरू नहीं हो पाया। इसके बाद, इस परियोजना के लिए महाराष्ट्र में आंदोलन शुरू हुआ, जो इंदौर तक पहुंचा।

पहाड़ चीरकर तैयार होगी 17.66 किमी लंबी सुरंगें

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन परियोजना के तहत रेलवे को मध्यप्रदेश में पहाड़ों को चीरकर 17.66 किलोमीटर लंबी सात सुरंगें बनानी होंगी, जिनमें सबसे लंबी सुरंग 6.02 किमी लंबी होगी। महाराष्ट्र में दो सुरंगें बनेंगी, जिनकी कुल लंबाई 3.50 किमी होगी, और इनकी सबसे लंबी सुरंग 2.16 किमी होगी। इस परियोजना में मध्यप्रदेश में चंबल, नर्मदा, देव और गोई नदी पर महत्वपूर्ण ब्रिज बनाना होंगे, जबकि महाराष्ट्र में गिरना, तापी और अरुणावती नदी पर बड़े ब्रिज बनाए जाएंगे। कुल मिलाकर, इस प्रोजेक्ट के तहत मध्यप्रदेश में 50 और महाराष्ट्र में 44 बड़े पुल बनेंगे। वहीं, मध्यप्रदेश में 83 और महाराष्ट्र में 47 छोटे पुलों का निर्माण होगा। इसके अलावा, मप्र में 35 और महाराष्ट्र में 12 रेल ओवरब्रिज, साथ ही मध्यप्रदेश में 62 और महाराष्ट्र में 79 रेल अंडरब्रिज का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के लिए मध्यप्रदेश में 4 वाय डक्ट का निर्माण भी किया जाएगा।

---

60 बिस्तरों वाला आयुष अस्पताल तैयार, मई में सीएम करेंगे शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर के सबसे बड़े 60 बिस्तरों वाले सरकारी आयुष (आयुर्वेद) अस्पताल का नया भवन लगभग तैयार हो गया है। साज-सज्जा और मॉडर्न सुविधायुक्त इस नए भवन का शुभारंभ मई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और इंदर सिंह परमार की उपस्थिति में होगा। मांगलिया में लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से बने भवन का गुरुवार को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निरीक्षण किया। इस भवन का सिविल वर्क पूर्ण हो गया है। अब केवल चिकित्सकीय सुविधाएं और उपकरण स्थापित करने का काम बाकी है। यह भी जल्द ही पूरा हो जाएगा।

मंत्री सिलावट ने अधिकारियों से कहा कि यह मानव सेवा और स्वास्थ्य का एक बड़ा केंद्र है। हमारा फर्ज है कि इस सेवा की महत्ता को देखते हुए इसके रखरखाव पर विशेष ध्यान दें। जनभागीदारी से सुविधाओं का विस्तार करें। उन्होंने आयुष विभाग के डॉक्टरों और स्टाफ से कहा कि अस्पताल में जो भी सुविधाएं बढ़ाना होंगी उसके लिए राज्य शासन द्वारा सभी संभव प्रयास किए जाएंगे।

अस्पताल में मिलेंगी ये सुविधाएं

- अस्पताल में उपचार की सभी आधुनिक सुविधाएं रहेंगी।
- पंचकर्म तथा योग से भी उपचार किया जाएगा।
- डिलीवरी की सुविधा भी होगी।
- अस्पताल में सोनोग्राफी, पेथोलॉजी, एक्स-रे आदि जांच सुविधाएं भी रहेंगी।

मंत्री सिलावट ने दिए निर्देश

- अस्पताल का स्टाफ बढ़ाने, नए कामों के लिए प्रस्ताव बनाने का निर्देश।
- अस्पताल परिसर में बगीचा विकसित करने।
- समीप के नाले के सौंदर्यीकरण का निर्देश।
- सीटी स्कैन मशीन भी लगाने के निर्देश।
- अस्पताल में 10 एसी लगाने और एक एम्बुलेंस देने की घोषणा भी की।

रतलाम मंडल पर पेंशन अदालत 16 जून को

सत्ता सुधार ■ रतलाम

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर पेंशन या परिवार पेंशन मिलने में विसंगति दूर करने के लिए 16 जून को पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 9 मई है। वैसे रेल कर्मचारी जो रतलाम मंडल पर कार्यरत थे और सेवानिवृत्त होकर पेंशन प्राप्त कर रहे हैं या उनके आश्रित पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, उनकी पेंशन में किसी प्रकार की विसंगति है तो उसका निराकरण करने के लिए 16 जून को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रतलाम द्वारा पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस पेंशन अदालत में पेंशन से संबंधित शिकायतें जैसे- पेंशन समय पर नहीं मिलना, पेंशन की राशि घटा-बढ़ाकर दिया जाना, पेंशन किसी कारणवश बंद हो जाना, पेंशन में किसी प्रकार की कटोत्रा किया जाना आदि का निराकरण किया जाएगा।

जिन पेंशन उपभोक्ताओं को अपनी पेंशन संबंधी शिकायतों का निराकरण पेंशन अदालत के दौरान करवाना है वो 9 मई तक लिखित आवेदन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (पेंशन अदालत जून 2025), स्था, निपटारा अनुभाग, दूसरी मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, दो बत्ती चौराहा, रतलाम मध्य प्रदेश 457001 पर भेज सकते हैं ताकि शिकायतों को शीघ्रता के साथ निपटारा किया जा सके। रतलाम मंडल के पीआरओ खेमराज मीना ने बताया कि पेंशन भोगी अपनी शिकायत केवल व्यक्तिगत रूप से या परिवार के सदस्य के माध्यम से ही प्रस्तुत कर सकते हैं। यद्यपि अशिक्षित पेंशन भोगी, विधवा या नाबालिग के मामले में, जिनके लिए पेंशन अदालत के समक्ष अपने मामलों को प्रभावी ढंग से तैयार करना और प्रस्तुत करना संभव नहीं हो सकता है, ऐसे मामलों में अगर वे चाहें तो प्रशासन से सहायता ले सकते हैं।

रतलाम-ग्वालियर एवं रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के कोच कंपोजिशन में परिवर्तन

रतलाम। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के रतलाम-ग्वालियर एवं रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के रेक को वर्ष 2023 में रेलवे बोर्ड द्वारा जारी पत्रानुसार स्टैंडडाइज करने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में दोनों ट्रेनों का परिचालन अलग-अलग तिथियों से परिवर्तित कोच कंपोजिशन के साथ किया जाएगा।गाड़ी संख्या 11126 ग्वालियर-रतलाम एक्सप्रेस 21 अप्रैल से तथा गाड़ी संख्या 11125 रतलाम-ग्वालियर एक्सप्रेस 23 अप्रैल से एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छः स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी। गाड़ी संख्या 21126 भिंड-रतलाम एक्सप्रेस 23 अप्रैल से तथा गाड़ी संख्या 21125 रतलाम-भिंड एक्सप्रेस 22 अप्रैल से एक फर्स्ट एसी, दो सेकंड एसी, तीन थर्ड एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छः स्लीपर एवं चार सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने कहा कि ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान समय, ठहराव, फेरे आदि में कोई बदलाव नहीं किया गया।

वैज्ञानिक तरीके से होगा ट्री ट्रांसप्लांट, निगम खरीदेगा ट्रांसप्लांट, सपोर्टिंग रोबोट और ड्रेनेज सफाई मशीनें

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में अब पेड़ों को हाईटेक मशीन से ट्रांसप्लांट करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए नगर निगम इस साल एक हाईटेक मशीन के साथ 20 सपोर्टिंग रोबोट मशीनें भी खरीदने की तैयारी में है। इससे पेड़ों को वैज्ञानिक तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ट्रांसप्लांट किया जा सकेगा।

निगम के वर्कशॉप विभाग ने कई वाहनों और उपकरणों की खरीद का प्रस्ताव दिया है। इसमें एक हाईटेक ट्रांसप्लांट मशीन भी शामिल है। यह मशीन पेड़ों को काटे बिना उन्हें दूसरी जगह स्थानांतरित करने में सक्षम होगी। इसके अलावा 20 रोबोट मशीनें, 90 टैंकर, एक

मिनी फायर मिस्ट जीप, एक रेस्क्यू लैडर, 85 अर्थमूविंग मशीनें, 15 ड्रेनेज सफाई मशीनें और टर्न-टेबल मशीनें भी खरीदी जाना है। शहर के कई जोन में टैंकरों की कमी है। इससे ग्रीन बेल्ट, डिवाइडर और बगीचों में पौधों को नियमित पानी देने में परेशानी आ रही है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए एमआईसी सदस्य राजेन्द्र राठौर ने वर्कशॉप विभाग से समन्वय कर अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था करने को कहा है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पौधों और वृक्षों को एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से टैंकरों के माध्यम से पानी दिया जाए। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में स्थित कुओं से भी मोटर लगाकर पेड़ों को पानी की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल भी 51 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। इस दिशा में ठोस कदम उठाने हेतु जोन-स्तरीय अधिकारियों को स्थान चयन प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी जोन में ग्रीन बेल्ट और डिवाइडर्स के माध्यम से पौधरोपण की योजना तैयारी की जा रही है।

नगरीय प्रशासन के आदेश के बाद भी छत्रछाया गेट पर सालों से जमा अतिक्रमण

सत्ता सुधार ■ पीथमपुर

सेक्टर नंबर 1 की पोर्श कॉलोनी छत्रछाया के मुख्य द्वार के पास बैंक ऑफ बड़ौदा से लगे परिसर में सालों से अतिक्रमण का जमावड़ा बना हुआ है। जिसमें चाय नाश्ते की होटल पान की गुमटियां और हाथ ठेला व्यवसायियों के द्वारा धंधा किया जाता है बकायदा इन व्यवसायियों से किराए के नाम पर मोटी रकम भी वसूली जाती है। जिसकी शिकायत क्षेत्रीय पार्षद राम अवतार यादव ने नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को की थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि वार्ड क्रमांक 8 छत्र छाया गेट बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप नजमुद्दीन, नजर अली, सीरवी नजमुद्दीन, नूरुद्दीन के द्वारा अपनी मालिकाना जमीन के अलावा डु 22 की भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध दुकानें बनाकर व्यवसाय किया जा रहा है।

पार्षद यादव की शिकायत को संज्ञान में लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा 02/09/2023 को सूचना पत्र भेजकर जमीन के दस्तावेज प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। जिसमें भवन की तमाम अनुमतिया व रजिस्ट्री को लेकर झोन कार्यालय पर प्रस्तुत होने का आदेश दिया गया था। जिसके बाद अतिक्रमण कारियो को दिनांक 13/09/2023 को अगला आदेश की अवमानना का पत्र भी भेजा गया था। जिसके बावजूद भी अतिक्रमण ज्यों का त्यो बना हुआ है। व्यस्ततम इलाका होने के कारण आवागमन में वाहनों ओर राहगीरों काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इनका कहना है...

छत्रछाया गेट पर इतनी जमीन है कि वहां पर सुलभ शौचालय और बस स्टॉप बनाया जा सकता है औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां पर कर्मचारियों का जमावड़ा बना रहता है क्षेत्र में अगर बस स्टॉप और शौचालय बनता है तो क्षेत्र वासियों को काफी सुविधाए मिलेगी।

- रामावतार यादव (भाजपा पार्षद वार्ड क्रमांक 8)

2023 में पद पर नहीं थी। कार्यालय जाकर मामले को संज्ञान में लेती हूं।

-आरजू जैन (जोन प्रभारी वार्ड क्रमांक 8)

फोन पर समझ पाना मुश्किल है। आप आकर मिलिए।

-निशिकांत शुक्ला (न.पा.मुख्य अधिकारी)

---

13 किसानों पर एफआईआर फसल अवशेष जलाने का मामला

इंदौर। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक अवकाश के दौरान भी गेहूं खरीदी जारी रखने का निर्णय लिया है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि किसान स्लॉट बुक कर सकते हैं और अपनी इंदौर जिले में फसल अवशेष जलाने के मामले में कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर 13 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें कनाडिया, मल्हारगंज, खुड़ैल, राऊ, डॉ. अम्बेडकर नगर महू, सांवेर और देपालपुर के किसान शामिल हैं।

उपार्जन केंद्रों की निगरानी बढ़ाई जाएगी : खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सभी जिला कलेक्टर को उपार्जन केंद्रों की निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को लंबी कतारों में खड़ा न होना पड़े, इसके लिए तुलाई, रख-रखाव, भुगतान और परिवहन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जाएगी।

नरवाई जलाने वालों से अर्थदंड वसूला जा रहा : जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही, नरवाई जलाने वालों से अर्थदंड भी वसूला जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

आज विद्युत बंद रहेगी

मुरैना। विद्युत मंडल के प्रबंधक ने बताया है कि दत्तपुरा जोन के अंतर्गत 11 केव्ही ओल्ड अम्बाह फीडर पर प्रोजेक्ट कार्य किये जाने के कारण आज 19 अप्रैल को सुबह 11 से सायं 04 बजे तक विद्युत सप्लाई अवरूद्ध रहेगी। जिसमें वेयर हाउस, गर्ल्स स्कूल रोड़, भरोषी की धर्मशाला रोड़, पीपल वाली माता, पुरानी जींन, सिंगल बस्ती आदि क्षेत्रों से संबंधित उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई अवरूद्ध रहेगी।

जिले में सभी खरीदी सेन्टर चालू रहें, किसान स्लॉट बुक करायें

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन द्वारा खरीदी का कार्य किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूं 2600 रूपये क्विंटल और सरसों का समर्थन मूल्य 5900 रूपये क्विंटल है। जिले में 28 खरीदी केन्द्र बनाये गये है, जिले में अभी तक 12 हजार 729 किसानों द्वारा पंजीयन कराया है, जबकि जिले में 229 किसानों से गेहूं 1664.550 मैट्रिक टन खरीदी की जा चुकी है। किसान स्लॉट बुक करायें और अपनी फसल विक्रय करें।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और निकायों में मॉक ड्रिल अवश्य करायें

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कहा कि गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनायें बहुत तेजी से फैलती हैं। इस प्रकार की घटनायें घटित न हो इसके लिये जिले की समस्त स्वास्थ्य सुविधाओं में फायर सिस्टम लगा हुआ हो। उस फायर सिस्टम पर कौन व्यक्ति कार्य करता है उसके बारे में उसे पूरे अनुभव का ज्ञान होना चाहिये। भले ही राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं नगरीय निकायों तथा ऑफिसों में इस पर मॉक ड्रिल करा ली जाये। उन्होंने कहा कि आग लगने के बाद किस व्यक्ति से संपर्क किया जाये, कहां से फायर बिग्रेड मंगाई जाये, घटना स्थल तक पहुंचने के लिये कौन सा रास्ता चयन किया जाये और संपर्क सूत्र ये सब बातें पहले से ही चिन्हित कर ली जाये।

नरबाई जलाने वालों के विरूद्ध कम से कम 5 प्रकरण दर्ज करें: कलेक्टर

मुरैना। शासन की गाइडलाइन के अनुसार खेतों में नरबाई न जलाने की बात कही गई है। इसके बाबजूद भी अगर कोई कृषक खेतों में नरबाई जलाता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। यह निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने राजस्व अधिकारियों और आरईओ (कृषि) अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री अस्थाना ने कहा कि जिले में कई स्थानों पर नरबाई जलाने की सूचना प्राप्त हो रही है। जबकि खेतों में नरबाई जलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है फिर भी किसान नरबाई जला रहे हैं। इसके लिये जिले के समस्त आरईओ अपने-अपने क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करें कि नरबाई जलाने की घटना न हो। जिस किसी के क्षेत्र में नरबाई जलाने की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित आरईओ, पटवारी तत्काल उस व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज करें। अगले 3 दिन में कम से कम 5 प्रकरण दर्ज होने चाहिये। उन्होंने कहा कि रिपोर्टिंग सही होनी चाहिये भले ही पिछले 15 दिनों में इस प्रकार की घटना घटित हुई हो, तो कार्यवाही अवश्य करें। जिसकी सूचना जिला मुख्यालय पर ही भेजी जाये।

सिविल सर्जन ने चिल्ला-चिल्लाकर कहा ऑक्सीजन लाइन बंद कर दो और हो गई मरीज की मौत, वीडियो हुआ वायरल

जिला अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही, सीएमएचओ ने पल्ला झाड़ा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला चिकित्सालय प्रबंधन जब भी कोई घटना घटित होती है तो अपनी जिम्मेदारियां से पल्ला झाड़ लेता है और कई प्रकार के बहाने बनाकर बचकर निकल जाता है। बुधवार की शाम जिला अस्पताल में आगजनी की घटना के दौरान कुछ देर पश्चात एक मरीज की ऑक्सीजन न मिलने के कारण मौत हो गई और सीएमएचओ ने कहा कि मरीज की मौत का आग से कोई लेना देना नहीं है, लेकिन घटना के तीसरे दिन सिविल सर्जन का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह चिल्ला-चिल्लाकर ऑक्सीजन बंद करने के निर्देश दे रहे हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि ऑक्सीजन बंद किए जाने के कारण ही मरीज की मौत हुई। जिला अस्पताल में पदस्थ सिविल सर्जन डॉ गजेंद्र सिंह तोमर का वीडियो जो वायरल हो

रहा है, उसमें साफदेखा एवं सुना जा सकता है कि आगजनी के दौरान कर्मचारी ऑक्सीजन सिलेंडर फेंक रहे थे और सिविल सर्जन मौके पर पहुंचकर चिल्ला-चिल्लाकर ऑक्सीजन लाइन बंद करने के निर्देश दे रहे थे। उन्होंने एक बार नहीं बल्कि चार-पांच बार स्टाफ से ऑक्सीजन लाइन बंद करने को कहा। ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण घटना से एक दिन पहले भर्ती हुए अस्थमा रोगी छौंदा गांव निवासी बीरेंद्र कड़ेरे की मौत हो गई थी, जिसके बाद वहां काफी हंगामा हुआ। इस मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पद्मेश उपाध्याय ने मीडिया को उस वक्त कहा कि मेडिकल वार्ड में भर्ती वीरेंद्र की मौत का आग से कोई लेना-देना नहीं है, वह ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे। यह संयोग है कि आग लगने के बाद उनकी मौत हो गई।

आग वाली जगह से मेडिकल वार्ड अलग है और इस प्रकार का बयान देकर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। सीएमएचओ के बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि उनके द्वारा घटना के लिए जिम्मेदार डॉक्टर्स को बचाया जा रहा है। उल्लेखनीय बात यह है कि जिला अस्पताल में आगजनी की कई घटनाएं घटित हो चुकी है, लेकिन उसके बाद भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया जा रहा और हर बार घटना घटित होने के बाद कुछ ना कुछ बहाना करके जिम्मेदार लोग बच कर निकल जाते हैं। जिला अस्पताल आए दिन तमाम अनियमितताओं के चलते समाचार पत्रों की सुर्खियों में बना रहता है।

सीएमएचओ का मोबाइल बोला आउट ऑफकवरेज

सिविल सर्जन के द्वारा ऑक्सीजन बंद करने का वीडियो वायरल होने के संबंध में जब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पद्मेश उपाध्याय को उनके मोबाइल नंबर 8989562292 पर शुक्रवार की दोपहर 3:32 बजे एवं 3:50 बजे कॉल लगाया गया, तो उनका मोबाइल लगातार आउट ऑफकवरेज बोल रहा था।

मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम के लिये जिला दण्डाधिकारी ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज 19 अप्रैल, 2025 को मुरैना जिले के भ्रमण पर रहेंगे। संपूर्ण कार्यक्रम में व्यवस्थाओं को मूर्तरूप देने के लिये कलेक्टर अंकित अस्थाना ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात एवं ट्राफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ को सौंपी है। संपूर्ण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी है।

कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं प्रोटोकॉल तथा भ्रमण के समय कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये अपर जिला दण्डाधिकारी, हेलीपेड पर साफ-सफाई, चूना, फायर बिग्रेड, पेयजल, सांकेतिक निशान, निर्धारित रूट की जिम्मेदारी आयुक्त नगर निगम, जनपद सीईओ मुरैना को, संपूर्ण वाहन व्यवस्था एवं ट्रेफिक, क्रेन के लिये क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं यातायात प्रभारी संतोष भदौरिया को जिम्मेदारी सौंपी है। बड़ागांव नावली में हेलीपेड एवं भ्रमण स्थल पर बेरिकेटिंग का दायित्व कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन विद्युत मंडल को कार्यक्रम स्थल पर विद्युत, जनरेटर, विद्युत व्यवस्था का निरीक्षण, पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को जिम्मेदारी सौंपी है।

सीएमएचओ को बड़ागांव नावली में हेलीपेड एवं कारकेड में विशेषज्ञ चिकित्सकों की स्वास्थ्य टीम सहित एम्बूलेंस मय ब्लड ग्रुप, आवश्यक औषधियों, सिविल सर्जन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी को व्यवस्था सुनिश्चित, स्थानीय सीएचसी एवं भोजन आदि की जांच, एक मेडीकल टीम की जिम्मेदारी सौंपी है। सहायक संचालक जनसम्पर्क को प्रचार-प्रसार, दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध कराना और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिन्ट मीडिया से समन्वय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला आबकारी अधिकारी को क्रू के खान-पान एवं विश्राम की समस्त आवश्यक व्यवस्थायें सौंपी है। जिला आपूर्ति अधिकारी को व्हीआईपी आगुन्तकों को स्वल्पहार, ग्रीन-टी, मिनरल वाटर आदि की व्यवस्थायें सौंपी है। सहायक संचालक उद्यान को हेलीपेड पर बुके एवं मालाओं की आवश्यकतानुसार व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। संपूर्ण कार्यक्रमों के दौरान आईटी व्यवस्था एवं मुख्यमंत्री को प्राप्त होने वाले आवेदनों को एकत्रित कर ई-गर्वेनेंस के द्वारा अपलोड करने की व्यवस्था, हेलीपेड पर जांच उपरांत कारकेट उपलब्ध कराना रक्षित निरीक्षक पुलिस लाइन मुरैना को जिम्मेदारी सौंपी है। समस्त अधिकारी सौंपे गये दायित्वों के निर्वहन हेतु स्थल निरीक्षण करें तथा वस्तुस्थिति से जिला दण्डाधिकारी एवं अपर जिला दण्डाधिकारी को अवगत करायें।

कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के ड्यूटी आदेश जारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अप्रैल का मुरैना जिले के भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस अवसर पर हेलीपेड पर बड़ागांव नावली में एसडीएम मुरैना भूपेन्द्र सिंह कुशवाह और तहसीलदार श्रीमती वंदना यादव को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यक्रम स्थल (सांसद फार्म हाउस) बड़ागांव नावली में एसडीएम अम्बाह श्री रामनिवास सिकरवार और तहसीलदार अम्बाह सीताराम वर्मा को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि सर्किट हाउस मुरैना पर नायब तहसीलदार आनंद यादव को ड्यूटी सौंपी है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, भाई ने जताई हत्या की आशंका

मुरैना। जिले के माता बसैया थाना अंतर्गत भट्टपुरा गांव में बीती रात्रि एक 35 वर्षीय महिला फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, वहीं मृतक के भाई ने हत्या की आशंका जताई है और कई बातें बताई है। इस मामले में पुलिस द्वारा पीएम कराया गया है और बताया गया कि रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पोरसा थाना क्षेत्र के भदावली निवासी संतोषी नमक 35 वर्षीय महिला का विवाह 15 वर्ष पूर्व भट्टपुरा थाना माता बसैया निवासी मोनू सिंह परिहार के साथ हुआ था। शादी के बाद महिला के दो लड़की एवं एक लड़का है। बीती रात महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर मृतक महिला के भाई राधेश्याम ने कहा है कि बहिन की फांसी से मौत का मामला संदिग्ध लग रहा है, क्योंकि संतोषी के गले में पहले से ही एक साफी गले में बंधी हुई थी, उसके बाद दुपट्टे से फांसी का फंद्दा लगा हुआ था। उसके बावजूद संतोषी का एक हाथ 2-3 साल पहले पैरालाइस की वजह से काम नहीं करता था, फिर एक हाथ से फांसी का फंद्दा कैसे लगा सकती है।

पिपरसा गांव में शासकीय शिक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिटी कोतवाली के अंतर्गत बाईपास मार्ग पर स्थित बघेल भवन में किराए से रहने वाले एक शासकीय शिक्षक ने गुरुवार की देर शाम अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लीं रात्रि को जब मकान मालिक मुख्य गेट का ताला लगाने पहुंचा और और शिक्षक को खाने के लिए जगाया तो कमरे की कुंडी नहीं खुली, तब उन्होंने आसपास रहने वाले उसके रिश्तेदार को सूचना दी और परिवार जनों को बुलाया गया। देर रात्रि को परिवार के आने पर पुलिस आई और कमरा खोला गया तो शिक्षक की लाश पंखे से लटकी हुई मिली। यह देख सभी लोग स्तब्ध रह गए। पुलिस द्वारा शुक्रवार को पीएम कराकर लाश उनके परिजनों को सौंप दी और मामले की जांच में जुट गई है। मृतक के भाई राहुल सविता ने जानकारी देते हुए बताया कि उनका भाई रामानंद पुत्र देवेंद्र कुमार सविता उम्र 28 निवासी प्यारमपुरा जिला आगरा उत्तर प्रदेश 2 वर्ष से मुरैना के पिपरसा स्थित सरकारी स्कूल में शिक्षक है और बायपास रोड स्थित बघेल भवन में किराए के कमरे में रहता था। पूर्व में एक बार

तबीयत खराब हो गई थी तो मकान मालिक के लड़के ने इलाज कराया था। हम लोग प्रतिदिन शाम के समय कॉल कर खाना पीना तथा हाल-चाल के बारे में पूछते रहते थे। गुरुवार की शाम को जब काफी कॉल लगाने के बाद कॉल अटेंड नहीं हुआ तो हमें भी शक हुआ। रात को हमें सूचना मिली कि मामला कुछ गड़बड़ है तो सभी लोग मुरैना आ गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस की उपस्थिति में कमरे का दरवाजा खोला गया तो रामानंद की लाश पंखे से रस्सी पर लटकी मिली। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल पुलिस ने शुक्रवार को पीएम कराकर लाश उनके परिजनों को सौंप दी है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की विवेचना की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज मुरैना आयेंगे

सत्ता सुधार ■ मुरैना

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल एक दिवसीय प्रवास पर आज 19 अप्रैल को मुरैना जिले के भ्रमण पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज 19 अप्रैल को प्रातः 4:10 बजे दतिया आयेंगे। श्री शुक्ल प्रातः 9 बजे दतिया से प्रस्थान कर 10 बजे ग्वालियर आयेंगे तथा जनप्रतिनिधियों, जनसामान्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सर्किट हाउस ग्वालियर पर सामान्य चर्चा करेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 12:30 बजे मेडीकल कॉलेज ग्वालियर की साधारण सभा की बैठक मेडीकल कॉलेज ग्वालियर में लेंगे। श्री शुक्ल अपरान्ह 03 बजे ग्वालियर से प्रस्थान कर अपरान्ह 3:40 बजे शनि मंदिर मुरैना आयेंगे और दर्शन लाभ लेंगे। अपरान्ह 04 बजे बड़ागांव नावली जिला मुरैना के लिये प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री सायं 05 बजे बड़ागांव नावली मुरैना में स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और सायं 06 बजे बड़ागांव नावली से कार द्वारा ग्वालियर के लिये प्रस्थान करेंगे। ग्वालियर से रात्रि 08 बजे राजधानी एक्सप्रेस से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

नेशनल लोक अदालत के लिये दूरसंचार विभाग के अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संगीता मदान के मार्गदर्शन में 10 मई 2025 को न्यायालय परिसर जिला मुख्यालय मुरैना एवं तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह, जौरा, सबलगढ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में दीवानी, मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण से संबंधित प्रकरण, बैंको के प्रकरण, विद्युत एवं राजीनामा योग्य दाण्डिक लंबित प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की पारस्परिक सहमति से राजीनामा के माध्यम से किया जायेगा।

पात्रता पर्ची की ई-केवायसी कराने के लिये गांव-गांव कैम्प लगवायें

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा खाद्यान्न पर्ची धारक 30 अप्रैल तक ई केवायसी कराने के आदेश जारी हुये हैं। इसके तहत प्रत्येक खाद्यान्न पर्ची धारक को अपनी-अपनी ई केवायसी करवाना है। इसके लिये संबंधित जनपद सीईओ को प्रतिदिन एक-एक हजार की केवायसी करने का लक्ष्य दिया गया है। यह लक्ष्य किस प्रकार पूर्ण होगा इसके लिये राजस्व अधिकारी देखें, भले ही वे गांव-गांव कैम्प लगवायें परंतु खाद्यान्न पर्ची वाले ई-केवायसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण होना चाहिये। कलेक्टर ने कहा कि मुरैना जिले में पात्रता पर्चीधारी 14 लाख 13 हजार 396 हितग्राही हैं। जिनमें से 10 लाख 60 हजार 815 पात्रता पर्चीधारियों की ई केवायसी का कार्य हो चुका है।

लाड़ली बहनों व मासूम बच्चियों के लगातार उत्पीड़न पर महिला कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले एवं प्रदेश भर में लाडली बहनों एवं मासूम बच्चियों के साथ उत्पीड़न दुष्कर्म सामूहिक बलात्कार की निरंतर होती घटनाओं पर आक्रोश व्यक्त करते हुए ग्रामीण जिला महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेताओं के साथ पुरानी कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम एसडीएम भूपेंद्र कुशवाह को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि अपराधों पर लगाम नहीं कसी गई तो महिला कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। कार्यक्रम का नेतृत्व ग्रामीण जिला महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिकरवार द्वारा किया गया। जिला अध्यक्ष मन्जू सिकरवार ने ज्ञापन में कहा कि मध्यप्रदेश में विगत 15 वर्षो से अधिक समय से भारतीय जनता पार्टी की सरकार हैं, परन्तु मध्यप्रदेश में लाडली बहनों समेत मासूम बच्चियों के साथ उत्पीड़न, दुष्कर्म एवं सामूहिक दुराचार की घटनाएँ

निरन्तर हो रही हैं। महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों में मध्यप्रदेश नंबर वन बनने में लगा हुआ हैं, मध्यप्रदेश में लाड़ली बहनों समेत मासूम बच्चियों के साथ हो रही उक्त घटनाएँ शर्मनाक है, ये घटनाएँ मानवता और अन्य समाज के लिए कलंक है। महिला कोंग्रेस मध्यप्रदेश में लाड़ली बहनों एवं मासूम बच्चियों के साथ लगातार हो रहे उत्पीड़न एवं दुष्कर्म की घटनाओं का पुरजोर विरोध करती हैं, प्रदेश के मुख्यमंत्री होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती हैं, कि आप लाडली बहनों एवं मासूम बच्चियों के साथ हो रही उक्त घटनाओं पर रोक लगवाएं ताकि मध्यप्रदेश में महिलाएं और मासूम बच्चियां अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें। ज्ञापन के दौरान विधायक दिनेश गुर्जर, शहर जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, सुभाष सिंह सिकरवार सहित महिला कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निरीक्षण नेता प्रतिपक्ष विनीत कंसाना ने निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली

विधायक एवं निगम नेता प्रतिपक्ष ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ मुरैना

विधायक के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल का शुक्रवार को निरीक्षण किया, जहां बुधवार को जिला चिकित्सालय में अचानक आग लग जाने के कारण अस्पताल में मरीजों को हानि पहुंची और अस्पताल का आवश्यक सामान जलकर राख हो गया।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मधुराज तोमर, दीपक शर्मा, मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर, पंकज उपाध्याय, नेता प्रतिपक्ष विनीत कंसाना ने निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से मिलकर उनके स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। चिकित्सालय निरीक्षण के बाद अस्पताल की लापरवाही दिखाई दी, मरीजों से मिलकर पता चला।

डॉक्टरों द्वारा मरीजो का सही ढंग से उनका इलाज नहीं किया जा रहा है और अपने प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए मरीजों पर दबाव बनाते हैं। अस्पताल में बंद पंखे कूलर अस्पताल की लचर व्यवस्था को बयान कर रहे थे। अस्पताल के गंदगी से भरे शौचालय बुरा हाल था। अस्पताल की दवाइयां गुणवत्ता रहित हैं, जिससे मरीजों को आराम नहीं मिल रहा है। हॉस्पिटल में जांच मशीन बंद डली हुई है, डॉक्टरों की कम संख्या नर्सिंग स्टॉफकी कमी से मरीज को परेशानी आ रही है। सफाई व्यवस्था बेडशीट के नाम पर लाखों रुपए मेंटेनेंस के लिए आते हैं, उनका गोलमाल हो रहा है।

हॉस्पिटल की लिफ्ट सालों से बंद पड़ी हुई है। नए अस्पताल की छते चटक और टूट रही हैं। पानी के वाटर कूलर गर्मियों में बंद डले हैं, टंकियां की सफाई नहीं हो रही। मुरैना हॉस्पिटल में तीन बार आग लगने के कारण लाखों रुपए का नुकसान हुआ है, मगर हॉस्पिटल में अग्निशमन यंत्रों को निरीक्षण में किसी भी कमरे में नहीं देखा गया, जिससे साफदिखाई देता है कि राम के नाम पर वोट मांगने वाली भाजपा सरकार ने जिला चिकित्सालय को भी राम भरोसे छोड़ दिया है। कांग्रेस नेताओं ने मुरैना कलेक्टर और जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधिकारियों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अस्पताल में मरीजों का जो जान-माल का नुकसान हुआ है और जिला चिकित्सालय को जो आर्थिक नुकसान हुआ है, उसका पूर्ण रूप से जिम्मेदार अस्पताल के अधिकारी कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को उचित उपचार देने के साथ-साथ आर्थिक मदद भी की जावे और भविष्य में ऐसी दुर्गम घटना की पुनरावृति न होवे, इसके लिए समुचित इंतजाम किए जावें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अंबाह शाखा नहर पर साफ-सफाई की

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग द्वारा पीएस जाटव के नेतृत्व में उप संभाग क्रमांक 01 सबलगढ़ के विभागीय मैदानी कर्मचारियों द्वारा अम्बाह शाखा नहर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत साफ-सफाई का कार्य किया गया।

ब्रीफ न्यूज

किसान ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल के माध्यम से करें आवेदन

हरदा। नरवाई प्रबंधन के लिए उपयोग में आने वाले उन्नत कृषि यंत्र हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर अनुदान पर क्रय करने के लिए ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर आवेदन दिनांक 18 अप्रैल से आमंत्रित किये जा रहे है। उप संचालक कृषि जे एल कास्दे ने किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि नरवाई प्रबंधन के लिए उन्नत कृषि यंत्र हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर अनुदान पर क्रय करने हेतु आवेदन, एम.पी. ऑनलाइन या कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से कर सकते है। उन्होंने बताया कि लाटरी परिणाम में आवेदक का चयन होने पर अनुदान का भुगतान संबंधित किसान को किया जाएगा।

कृषि वैज्ञानिक द्वारा पोषण पखवाड़ा सिराली मे दिया प्रशिक्षण

हरदा। कृषि विज्ञान केंद्र हरदा की गृह वैज्ञानिक सुश्री जागृति बोरकर द्वारा सिराली मे ग्रामीण माहिलाओं को पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में एनीमिया के कारण और इससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने एनीमिया से बचने हेतु सबसे सस्ते और घर घर में उपलब्ध रहने वाले स्त्रोत मुनगा पाउडर को उपयोग में लाने के तरीको से ग्रामीण माहिलाओं को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने एनामिया से बचने के लिए महिलाओं को लोहे के बर्तन मे भोजन पकाने, अंजीर, गुड़ और पिंडखजूर आदि के उपयोग के संबंध में सलाह दी। उन्होंने बच्चों के जीवन के पहले 1000 दिनो मे पोषण के लिए ध्यान रखी जाने वाली बातों से भी महिलाओं को जागरूक किया।

सामान्य सभा की बैठक हटा जनपद में संपन्न

दमोह जिले। जिले की जनपद पंचायत हटा के सभागार में जनपद पंचायत अध्यक्ष की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष एवं समस्त जनपद सदस्यों की उपस्थित रही। बैठक में सभी ने अपने अपने क्षेत्र में गर्मियों में पानी की व्यवस्था पर चर्चा की एवं ग्रामों में जो हेंड पम्प ख़राब है, उनका सुधार कार्य के लिये लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी विभाग से कहा गया। जिन ग्रामों में मध्य प्रदेश जल निगम द्वारा योजना का संचालन किया जा रहा है, उन ग्रामों में भी प्रतिदिन पर्याप्त पेय जल उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। बैठक में बताया गया जो सरपंच सचिव जल जीवन मिशन योजना का संचालन नहीं कर रहे हैं, उनके लिए जनपद हटा मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजीव गोस्वामी द्वारा मध्य प्रदेश शासन की जल जीवन मिशन की गाइडलाइन के तहत जनपद सदस्यों को जल जीवन मिशन की नियमवली से अवगत कराया गया। ग्राम में जलकर राशि एकत्रीकरण एवं ग्राम में योजना के संचालन हेतु वाल्व ऑपरेटर नियुक्त करना ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी है।

ग्यारह आयुष्मान आरोग्यम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लगाये गये स्वास्थ्य शिविर

विशेष स्वास्थ्य क्लीनिक में 433 गर्भवती महिलाए हुई लाभान्वित

सत्ता सुधार ■ दमोह

गर्भावस्था दौरान होने वाले जोखिम को पूर्व में ही पहचान कर समुचित स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया सहित 11 आयुष्मान आरोग्यम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र यथा मढियादो, रनेह, नोहटा, रौंड, इमलियाघाट, बांदकपुर, अभाना, कुण्डलपुर, कुम्हारी, तेजगढ़, सर्रा में विशेष महिला स्वास्थ्य जांच क्लीनिक आयोजित किये गये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने बताया स्वास्थ्य शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ/स्किल लैब प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा? दी गई।

शिविर में पहुँची गर्भवती महिलाओं की सुविधा का खास ध्यान रखा गया। पौष्टिक स्वल्पाहार, पेयजल एवं सुविधापूर्ण बैठक व्यवस्था बनाई गई। शिविर दौरान 433 गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। डॉ. जैन ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतर्गत ग्रामों से पहुँची चिन्हित जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की फॉलोअप जांच तथा अनियमित मासिक चक्र और अपंजीकृत गर्भवती महिलाओं की शारीरिक स्वास्थ्य जांच और नैदानिक परीक्षण किया गया। गर्भवती और गर्भ में पल रहे शिशु की स्वास्थ्य देखभाल के विषय में बताया गया। डॉ. जैन ने बताया शिविर में गर्भावधि दौरान डायबिटीज की पहचान के लिए ओ.जी.टी.टी जांच की गई। रक्तचाप, शर्करा का स्तर, वजन, लम्बाई, हिमोग्लोबिन, रक्त, एच.आई.व्ही. जांच कर समुचित उपचार सेवा दी गई। स्वास्थ्य शिविर में पहुँची गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम टैबलेट का वितरण भी किया गया।

इन स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों द्वारा दी गई सेवायें

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में डॉ. प्रियंका छाबड़ा, ने रजवांस, बोबई, किन्द्राहो, बिलानी ग्राम से पहुंची 28 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर 05 जोखिम वाली महिलाओं की पंहचान की। जबेरा अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रौड़ में डॉ. मिताली हैरिसन ने 55 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर 13 जोखिम वाली महिलाओं की पहचान कर समुचित उपचार सेवा दी गई। नोहटा में डॉ. अभिषेक मोदी द्वारा 48 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच दौरान 13 जोखिम वाली महिलाओं की पंहचान की गई। इसी प्रकार पटेरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुण्डलपुर में डॉ. नियति जैन ने 16, कुम्हारी में डॉ. अमित लोधी ने 18 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच दौरान 04 जोखिम वाली गर्भवती की पहचान की । हिण्डोरिया के बांदकपुर में डॉ. पूर्वशी राय ने 45, अभाना में डॉ. शिरिष जैन ने 27, इमलियाघाट में डॉ. राहुल जैन ने 25, तेन्दूखेड़ा के तेजगढ़ में डॉ. प्रियंका शर्मा ने 27, सर्रा में 40 गर्भवती का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ संजय विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इसी प्रकार हटा के मढियादों में डॉ. के.सी. आर्य ने 75 एवं डॉ अंनत कुमार ने रनेह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 29 महिलाओं की जांच कर समुचित उपचार सेवायें दी गई।

जनसुनवाई को मजाक बनाने से आवेदकों का उठ रहा विश्वास

आवेदनों के निराकरण की जांच से खुलेगी पोल

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों के निराकरण में कोताही बरती जा रही है। आवेदकों द्वारा आवेदन देने के 6 माह बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। फलस्वरुप आवेदकों का विश्वास जन सुनवाई से उठ रहा है। दूर दराज से पीड़ित इस आशा विश्वास के साथ किराया भाड़ा लगाकर दिन भर की मजदूरी का अकाज करके आते हैं और आवेदन देते हैं उसका कोई मतलब नहीं निकलता है। मप्र शासन की मंगलवार की जनसुनवाई महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना को सी.एम. हेल्पलाइन से जोड़कर प्रभावी बनाने की पहल तो की गई है, किंतु उसका सार्थक परिणाम सामने नहीं आ पा रहा है। जनसुनवाई में आवेदन देने वालों से बातचीत की जाये और समाधान के प्रयासों का पता लगाया जाय तो जिम्मेदार जवाबदेह अधिकारियों की निष्क्रियता का पता चल सकता है।

मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की समीक्षा की जाये तो हकीकत सामने आ सकती है। अभिलेख में भले ही समाधान का दावा किया जाये किंतु वास्तविकता यह है कि आवेदक संतुष्ट नहीं है। गलत जानकारी देकर आवेदन पर कार्यवाही पर रुकवा दिया जाता है। जिसके कारण समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। अधिकारी रुचि नहीं ले रहे हैं। गंभीरता से लेकर कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।

निराकरण में कसावट लाने की जरूरत – जनसुनवाई के आवेदनों में कार्यवाही के तौर तरीके में कसावट लाने की जरूरत है। सभी विभाग के अधिकारियों ने जनसुनवाई को मजाक बना रखा है। आवेदकों पर कार्यवाही नहीं की जाती है। गलत जानकारी देकर या फिर आवेदकों पर अप्रत्यक्ष रूप से दबाव डलवाकर समझौता कराकर उसका समाधान किया जाता है। अधिकांश मामलों में समाधान किये बिना ही कार्यवाही को बंद कर दिया जाता है। नवागत जिला कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के समक्ष जनसुनवाई के आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही कराने और लापरवाह अधिकारियों के रवैया में बदलाव लाने की चुनौती है। अब देखना यह है कि नवागत जिला कलेक्टर श्री जैन जनसुनवाई के आवेदनों पर कार्यवाही में बदलाव लाने के लिए कौन सा तरीका अपनाते हैं।

आवेदकों का उठ रहा विश्वास

6 माह से अधिक समय व्यतीत होने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से जनसुनवाई से लोगों का विश्वास उठ रहा है। शिकायत करने से शिकायतकर्ता की परेशानी बढ़ जाती है। गरीब तबके के लोगों को तमाम धमकियां मिलती है। मारपीट गाली–गलौज की भी नौबत सामने आ जाती है। आवेदन देने से समस्या हल होने की बजाय और बढ़ जाती है। जनसुनवाई के आवेदकों से चर्चा की जाये तो अनेक चौंकाने वाले प्रकरण सामने आ जायेगें।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम खोजाखेड़ी में हुआ जल संगोष्ठी का आयोजन

ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प प्राचीन जल संरचनाएं हमारे पूर्वजों की देन

सत्ता सुधार ■ दमोह

जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद दमोह के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था छात्र सर्व कल्याण समिति द्वारा सदगुवां सेक्टर के ग्राम खोजाखेड़ी स्थित ग्राम पंचायत भवन में जल संगोष्ठी का आयोजन कर जल संरक्षण और जल संवर्धन के महत्व आमजनों को बताया वही उपस्थित जनों ने जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। ग्राम पंचायत सरपंच श्याम पटेल ने कहा सभी के प्रयासों से जल संरक्षण होगा हम सौभाग्यशाली हैं की हमारे गांव से नदी निकली है, पर्याप्त जल है, परंतु उसको संरक्षित किए रखने की आवश्यकता है। प्राचीन जल संरचनाओं का संरक्षण भी आवश्यक है, क्योंकि यही हमारे पूर्वजों की देन है। संस्था अध्यक्ष एवं यूथ अचीवर्स कृष्णा पटेल ने कहा जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ ना बहाए यह सूत्र तभी चरितार्थ होगा जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा हमारी प्राचीन जल संरचनाओं का संरक्षण करें, जितने जल की आवश्यकता है, उतना ही प्रयोग करें तभी हमारा यह जल गंगा संवर्धन अभियान सही मायने में पूर्ण होगा । इस दौरान सचिव श्री रामकृष्ण पटेल सहित ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने दौरा कर नहरों से मूंग फसल सिंचाई व्यवस्था का लिया जायजा

सत्ता सुधार ■ हरदा

टिमरनी विकासखंड के ग्राम समरधा, अजनाई, गोंदागांव, अबगांव व पोखरनी का कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को दौरा कर वहां नहरों के माध्यम से मूंग फसल की सिंचाई के लिये की गई व्यवस्था का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री जल संसाधन सुश्री सोनम बाजपेई, एसडीएम टिमरनी महेश बडोले और तहसीलदार टिमरनी डॉ. प्रमेश जैन सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री जैन ने भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री सुश्री बाजपेई को निर्देश दिये कि सिंचाई कार्य के दौरान रात्रि में राजस्व व पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों के साथ नियमित रूप से पेट्रोलिंग करें। उन्होने कहा कि अवैध रूप से नहर का पानी लिफ्ट करने वालों तथा नहरों में हेडअप लगाकर पानी के प्रवाह को बाधित करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री जैन ने कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये कि ओसराबंदी लागू कर ऐलान क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक नहरों के माध्यम से सिंचाई के लिये पानी पहुँचाने की व्यवस्था करें।

लायन्स उत्सवदान एवं देहदान समिति के सहयोग से हुआ 507 उत्सव

खण्डवा। बैपटिस्टजी मंडली पुरम स्केलर डेन स्कूल के सामने रहने वाले संजय अरोरा का अनोखा देवलोक गमन हो गया। भाई राजेश खत्री जी की प्रेरणा से उत्सव मनाया गया। नारायण बाहेती ने बताया कि भाई आशीष अरोरा, मनीष अरोरा, राजेश खत्री उत्सव नेदान हस्ताक्षर पत्र पर सहमति प्रदान की है। संजयोरा के निधन के बाद परिवार के सदस्यों की सहमति से लायन्स उत्सवदान, देहदान जनजागृति समिति, लायन्स क्लब खंडवा, सक्षम संस्था खंडवा और एम के आई बैंक और लियो क्लब खंडवा के सहयोग से समिति के नारायण बाहेती, सुमित परिहार शिवम परिवार के सहयोग से उत्सवदान प्रक्रिया पूरी की।

मनी लांड्रिंग मामले में भाजयुमो ने किया प्रदर्शन सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला

गांधी परिवार ने देश की जनता को धोखा दिया, जिला अध्यक्ष श्री तोमर

सत्ता सुधार ■ खंडवा

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विरोधी पोर्टफोलियो निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लैंड्रिंग मामले में असामयिक नियुक्ति की है। गांधी परिवार द्वारा बनाए गए आधार व देश की जनता के साथ भेदभाव में रोष व्याप्त है। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि गुरुवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनूप पटेल के नेतृत्व और भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर के आतिथ्य में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा एसएन कॉलेज के पास प्रदर्शन करते हुए सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। वित्तीय कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर ने कहा कि डीडी की स्थापना से यह स्पष्ट होता है कि गांधी परिवार कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन कर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को अपने नियंत्रण में ले लिया, संपत्ति दो हजार करोड़ रुपये से अधिक थी और जिसे पत्रकारिता व जनसेवा के लिए बनाया गया था। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अनूप पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एजेएल पर 90.25 करोड़ रुपये का कर्ज दिया, जिसमें दास यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को स्थान दिया गया, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कुल हिस्सेदारी 76 प्रतिशत है। यंग इंडिया ने इस 90 करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया और एजेएल पर केवल 50 करोड़ रुपये का मामूली निवेश कर पूरा स्वामित्व हासिल कर लिया।

सुहावना सिद्धवर लिपि में प्राचीन सागर जी के सान्निध्य में तीन दिव्य भव्य समारोह

सत्ता सुधार ■ खंडवा

आचार्य शिरोमणि, अध्यात्म सागर योगी, धरती के देवता, शताब्दी देशनाकार आचार्य श्री चौधरी जी महाराज ससंघ के सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूट में मंगल आगमन 20 अप्रैल को प्रातः काल में होगा। क्षेत्र समिति के प्रचारक रॉबर्ट सागर जैन महावीर, सुनील जैन खंडवा ने बताया कि आचार्य चौधरी जी महाराज का सिद्ध क्षेत्र में तीसरी बार आगमन हो रहा है। एसोसिएशन ने पिछले 2014 व 2017 में सिद्धवर कूट आ चुका है, उस दौरान मूलनायक श्री संभावितनाथ मंदिर की वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव पूज्य श्री के सानिध्य में अमीर हुई थी। क्षेत्र समिति के अध्यक्ष अमित कासलीवाल डोरे ने बताया कि आचार्य श्री के सानिध्य में लघु पंच कल्याणक प्रतिष्ठा पंडित शरद बनारसी छिन हिंद विश्विद्यालय के प्रतिष्ठाचार्य में स्वामी होंगे। 20 अप्रैल को मंगल प्रवेश भव्य स्मारक का विमोचन है। वर्कशॉप ट्रस्टी बाबूलाल जैन, ट्रस्टी विजय काला, ट्रस्टी आशीष चौधरी ने बताया कि झंडारोहण चित्रांश रिया जैन गुड़गांव द्वारा किया जाएगा। भगवान के माता-पिता बनने का विशेषज्ञ पंडित रमाकांत जैन भिंड से मिला हुआ है। धर्म इंद्र वैद्य निशा जैन, महेंद्र इंद्र विजय संगीता कटा सौरिया डेकोर, कुबेर इंद्र मयूर प्रिंसी जैन, श्रेयांश अनिल पूनम सेठी दिल्ली को बनाया गया है। समिति के प्रचारक व क्षेत्र की इतिहास पुस्तक सुहावना सिद्धवर कूट के लेखक राजेंद्र जैन महावीर सनावद ने बताया कि वयोवृद्ध विद्वान और इतिहासकार क्षेत्र डॉ. सूरजमल बोबरा डोराडोर ने ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर कहा है कि क्षेत्र से मोक्ष पधारे दो चक्री दस काम कुमार सहित साढ़े तीन करोड़ मुंडियों में मेघवा संप्रदाय ने भी सिद्ध क्षेत्र सिद्धवरकोट से निर्माण प्राप्त किया था। है. प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव की अतिप्राचीन अतिशयकारी प्रतिमा, मूलनायक संभवनाथ भगवान की प्रतिमा तीर्थ पर विराजित है। सुनील जैन प्रेमांशु जैन ने बताया कि रेवा नर्मदा तट स्थित है। समिति के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, बाबूलाल जैन, विजय काला, हेमेंद्र जैन हेमू, अमरीश चौधरी आदि ने समाज बंधुओं से लाभ लेने की अपील की है।

आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया बच्चों का जन्मदिन

हरदा। पोषण पखवाड़े के तहत शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र बूंदडा में आयोजित कार्यक्रम में 2 बच्चों का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर उनका स्वागत कर केक कटवाया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने पोषण पखवाड़ा के उद्देश्य के बारे में सभी को बताया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में दर्ज कुपोषित बच्चों के माता-पिता को बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु समझाइश भी दी । कार्यक्रम में गांव की सरपंच द्वारा पोषण पखवाड़ा के दौरान की जा रही विभिन्न गतिविधियों की सराहना की।

श्रद्धासुमन युवा मंडल के अध्यक्ष के साथ ही ब्रह्माकुमारीज संस्थान में दीक्षांत होने वाली थीं

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी रत्नमोहिनी जी को दी श्रद्धांजलि

सत्ता सुधार ■ खंडवा

89 साल तक की संस्था महापुरुषों की सेवा में अभिषेक रहने वालीं दुनिया की सबसे बड़ी अध्यापिका ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशस्तिका राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी 10 अप्रैल को पंचतत्व में विलीन हो गई।

राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी का 101 वर्ष की आयु 8 अप्रैल, प्रातः 1¬20 मिनट पर देवलोक गमन हो गया था। उनके अंतिम संस्कार में कई दशों के शिलालेख शामिल थे, जिसमें शामिल हुए, डॉ. सुनील जैन ने बताया कि दादी रत्नमोहिनी 11 वर्ष की उम्र में इस संस्थान के संपर्क में आई थीं। तब से लेकर उन्होंने एक साधारण ब्रह्माकुमारी से मुख्य प्रशस्तिका बनने तक की यात्रा तय की थी। चार साल पहले ही दादी को मुख्य प्रशस्तिका का दायित्व मिला था। इसके पहले भी वे युवा मंडल के अध्यक्ष के साथ ही ब्रह्माकुमारीज संस्थान में दीक्षांत होने वाली थीं।

इसके साथ ही उन्होंने देश ही नहीं दुनिया के कई देशों में भ्रमण कर भारतीय संस्कृति और सभ्यता का बीज बोया है,सुनील जैन ने बताया कि दादीजी को भावभीनी श्रद्धांजली देने के लिए भाग्योदय भवन आनंद नगर खंडवा में 17 अप्रेल सद्गुरुवार को सामूहिक श्रद्धांजली का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें शहर के अवशेष परिवार के साथ बड़ी संख्या में मे संस्था के शिष्य शामिल हुए थे, इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ दिग्गज प्रतिनिधि नेता मुकेश, बिशप अगस्टिन, संस्थापक एलिक्स, प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. शिवशंकर गुप्ता, पूर्व संदेश भंडारी गुप्ता, के आनंदीलाल जी सोनी और टीम ने श्रद्धासुमन,इस अवसर पर संस्था के संयोजक बीके शक्ति ने कहा कि दादी रतनमोहिनी जी ने 89 वर्ष की आयु में अपनी जीवन समर्पित जीवन संस्था को समर्पित किया था, वे 11 वर्ष की आयु में संस्था के लिए समर्पित थीं, दादी बीके शक्ति संस्था के साकार रूप थे, दादी इस संस्था की स्थापना से लेकर वटवृक्ष बनने की साक्षी रही हैं, उन्होंने 50 हजार ब्रह्माकुमारी विद्यालय की और 5500 सेवाकेन्द्र दादी की संस्था का संचालन किया है, उन्होंने इस संस्था का संचालन किया।इस अवसर पर ओंकारेश्वर से बीके श्याम दीदी, हरसूद से बीके संतोष दीदी, पंधाना से बीके सुरेखा दीदी ने पूज्य दादी के साथ की अपनी स्मृतियों को संजोया,

सामूहिक श्रद्धांजली मे सभी ने सहयोगी रूप मे राजयोग द्वारा मौन श्रद्धांजली ने की दादी जी के साथ पुष्पांजलि की।

बाल विवाह को जड़ से मिटाने के लिये आंगनवाड़ी केन्द्र में चलाया जागरूकता कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ दमोह

म.प्र. जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति बटियागढ़ द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 106 में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने और युवा बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा अनेक कदम उठाये जा रहे हैं। इसी क्रम में म.प्र.जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक उमाशंकर उपाध्याय ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई के साथ कानूनी अपराध भी है। बाल विवाह से जहां बालिकाओं एवं बालकों का सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है। वहीं, बाल अधिकारों का हनन भी होता है। बाल विवाह

अधिनियम के अंतर्गत विवाह के लिए बालिका की आयु 18 वर्ष व बालक की आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है समाज मे बाल विवाह न हो इसलिये जागरूकता जरूरी है साथ ही माहवारी स्वच्छता एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसके प्रति महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करना अति आवश्यक है। समाज में माहवारी से जुड़ी कुरीतियों को दूर करने और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। रवि तिवारी ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखना गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है। नियमित स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है माहवारी स्वच्छता अंतर्गत सैनेटरी पैड्स समिति द्वारा वितरण किये। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हेमंती रोहित ने बताया अभी पोषण पखवाड़ा चला रहा है जिसमें किशोरियों में होने वाले बदलाव पर चर्चा करते हैं, कुपोषण मुक्त समाज एवं स्वच्छता से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सहायिका प्रेमबाई अठ्या, नारायण प्रसाद बंसल,सहित महिलाएं व बालिकाएं प्रमुख रूप से मौजूद रही।

ब्रीफ न्यूज

रेलवे स्टेशन की पार्किंग से रेलकर्मी की बाइक चोरी

बीना। बीना रेलवे स्टेशन की पार्किंग से एक रेलवे कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। कैरिज एंड वैगन विभाग में कार्यरत टेक्नीशियन गणेशराम रैकवार ने रात 12 बजे अपनी बाइक पार्क की थी। अगली सुबह 8 बजे जब वह ड्यूटी से लौटे तो उनकी बाइक एमपी 15 एमके 6002 वहां नहीं थी। पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पता चला कि रात करीब एक बजे एक युवक पीठ पर बैग लेकर बाइक ले गया। गणेशराम और उनके साथी कर्मचारियों ने पार्किंग ठेकेदार मोहित सोनी से जवाब मांगा। लेकिन ठेकेदार ने किसी भी तरह की जिम्मेदारी लेने से मना कर दिया। पीड़ित कर्मचारी का कहना है कि वह हर महीने नियमित रूप से पार्किंग शुल्क जमा करते हैं। उनके पास वैध पार्किंग पास भी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब ठेकेदार वाहनों की सुरक्षा नहीं कर सकते तो शुल्क क्यों वसूलते हैं।दूसरी तरफ पार्किंग ठेकेदार मोहित सोनी का दावा है कि कर्मचारी ने बाइक पार्किंग एरिया के बाहर खड़ी की थी। उनका कहना है कि पार्किंग क्षेत्र के बाहर खड़े वाहनों की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। इस मामले में कर्मचारियों ने जीआरपी और स्टेशन के वाणिज्यिक विभाग के अधिकारियों को शिकायत कर दी है।

नवधा भक्ति पर आधारित दो दिवसीय रामकथा आज से

सागर। बमोरी रैगवा बीना बाईपास स्थित ब्रह्मऋषि देवराहा बाबा मंदिर (होटल रियार्थ इन)

में नवधा भक्ति पर आधारित दो दिवसीय श्री रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। राम कथा सागर से सेवानिवृत्त प्रथम प्रधान न्यायाधीश अरुण सिंह जी के मुखारविंद से सुनाई जाएगी।19 और 20 अप्रैल को शाम 5 से 8 बजे तक होने वाले इस सत्संग के आयोजक विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अजय दुबे एवं संयोजक अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे (अन्नी दुबे) है द्य कथा के मीडिया प्रभारी विपिन दुबे ने सभी राम भक्तों से कथा में उपस्थित होने की विनम्र अपील की है। गौरतलब है सेवानिवृत्ति जज श्री अरुण सिंह जी ओरछा धाम स्थित रामलला सरकार के परम भक्त है।जिन्हें रामकिंकर भारत भारत भूषण सम्मान से नवाजा जा चुका है।

ट्राफिंक सिग्नल चालान के नाम पर जनता को लूट रही है स्मार्ट सिटी, शिवसेना ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

सत्ता सुधार ■ सागर

स्मार्ट सिटी द्वारा प्रमुख चौराहों पर लगाए गए ट्राफिक सिग्नल ने अब आम जनता को लूटना शुरू कर दिया है। शिवसेना प्रदेश उपप्रमुख पप्पू तिवारी ने ट्राफिंक सिग्नल पर की जा ही नाजायज चालानी कार्यवाही पर कडी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा की दुपहिया वाहनों के ट्राफिंक सिग्नल पार करते हुए स्मार्ट सिटी व यातायात चौकी से मनमाने चालान के मैसेज भेज देने से आम जनता भयभीत व डरी हुई है। स्मार्ट सिटी द्वारा दुपहिया वाहन चालको के एक महीने में 20 से लेकर 25 चालान के मैसेज भेजकर दवाव बनाया जा रहा है कि यदि आपने चालान का भुगतान नहीं किया तो आपका चालान कोर्ट में भेजकर दुगुनी वसूली की जाएगी। यातायात के नियमों का पालन करने के बाबजूद भी ट्राफिंक सिग्नल से निकलने वाले दुपहिया का चालान कई बार मोबाइल पर भेजा जा रहा है जिसको भर भर के आमजन परेशान है।स्मार्ट सिटी द्वारा नियम विरूद्ध भेजे जा रहे मध्यम परिवारों के दुपहिया वाहनों की चालानी कार्यवाही का शिवसेना विरोध दर्ज कराती है और स्मार्ट सिटी को चेतावनी देती है कि वो मनमर्जी के भेजे जा रहे चालानों की वसूली बंद करे नहीं तो शिवसैनिक स्मार्ट सिटी का घेराव कर जनता के हित में उग्र आंदोलन करेगी।

कलेक्टर के निर्देश पर बंडा के अरिहंत नर्सिंग होम का निरीक्षण कर लेब को किया सील

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर अरिहंत नर्सिंग होम का निरीक्षण कर लेब को सील किया गया एवं नर्सिंग होम के सभी दस्तावेज एकत्र कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।एसडीएम रविश श्रीवास्तव ने बताया कि कलेक्टर संदीप जी आर के द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि जिले में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम एवं झोलाछाप डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके परिपेक्ष में यह कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने बताया कि तहसीलदार श्रीमती ममता मिश्रा एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ आज अरिहंत नर्सिंग होम एवं लेब का निरीक्षण किया गया ।लैब की लाइसेंस न होने पर तत्काल प्रभाव से सील किया गया है एवं नर्सिंग होम के समस्त दस्तावेज को एकत्र कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष जांच हेतु प्रस्तुत किए जा जायेंगे।

ग्रामोदय संकुल स्तरीय फेडरेशन की निगरानी समिति ने किया गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर एसडीम सहित समस्त अधिकारियों एवं स्वास्थ्य समूह की समिति के द्वारा उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।इसी क्रम में सागर जिले के शाहगढ़ विकासखंड में ग्रामोदय संकुल स्तरीय फेडरेशन की निगरानी समिति के चार सदस्यों ने महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा संचालित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। सबसे पहले यह दल सीताराम स्वयं सहायता समूह के द्वारा संचालित केंद्र में पहुंचा जहां ऑपरेटर नदारत पाए गए, केंद्र का संचालन पुरुष कर रहे थे एवं समूह की महिलाएं इस केंद्र में उपलब्ध नहीं थी और पुरुषों ने बताया कि महिलाएं काम में लगीं हैं , हम लोग ही इस केंद्र को चला रहे हैं। इसी प्रकार शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह के द्वारा संचालित गेहूं उपार्जन केंद्र में भी ऑपरेटर और महिलाएं नहीं थे। इस केंद्र का संचालन भी पुरुष कर रहे थे।महिला समूह के द्वारा संचालित उपरोक्त दोनों केंद्रों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए जो कि नहीं थी। इस संदर्भ में संकुल स्तरीय निगरानी समिति शीघ्र ही कलेक्टर महोदय को अपना विस्तृत प्रतिवेदन आगामी कार्यवाही के लिए प्रस्तुत करेगी। भ्रमण के दौरान मां वैष्णो देवी स्वयं सहायता समूह बराज और मैहर माता स्वयं स्वयं सहायता समूह कनीखेड़ी में महिलाएं उपस्थित थी परंतु उनकी उपस्थिति नाम मात्र की थी। केंद्र के संचालन के संबंध में उनकी जानकारी पुख्ता नहीं थी इन दोनों केंद्रों में भी संचालन का काम पुरुषों की दखलंदाजी से चल रहा था।कलेक्टर संदीप जी आर की मंशा के अनुरूप उपार्जन केंद्र महिलाओं को इसलिए सौंपे गए हैं कि उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास हो, वे अपनी आमदनी को बढ़ाने में स्वयं सक्षम होकर आगे आएं। यही कारण है कि इन केंद्रों का सघन मूल्यांकन और निरीक्षण विभिन्न स्तर पर कराया जा रहा है ताकि महिलाओं को उनके अधिकार प्राप्त हों और वे अपने अवसरों से वंचित न रह पाएं।

ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा महिला पशुपालकों का प्रशिक्षण संपन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

खुरई विकासखंड की ग्राम खजुरा हरचंद में महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी सदस्यों का जो पहले से पशुपालन गतिविधियों में संलग्न है और दूध उत्पादन से उनकी आमदनी होती है ऐसी महिला पशुपालकों का मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा प्रशिक्षण संपादित किया गया इस प्रशिक्षण में पशुओं के टीकाकरण पशुओं के पोषण पशुओं को होने वाले रोग बीमारी उनकी पहचान उसका उपचार और उनसे बचाव कृत्रिम गर्भाधान स्वच्छ दूध उत्पादन तकनीक चारागाह उत्पादन विषयों पर चर्चा की गई कलेक्टर श्री संदीप के मार्गदर्शन में संचालित इन प्रशिक्षण प्रशिक्षकों का उद्देश्य महिला समूह हो से जुड़ी सदस्यों की आमदनी को और भी बेहतर बनाना है पशुपालन के कार्य को अभी तकनीकी रूप से कर सके और इसमें जिन विषयों की उन्हें जानकारी नहीं है उन विषयों पर संपूर्ण जानकारी देते हुए उन्हें उत्तम पशुपालक बनाना है।

शराब के लिए चाकूबाजी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

सागर। जिले के मोतीनगर थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया है। पुलिस के अनुसार, 4 दिसंबर को फरियादी रवि उर्फ भूरे पिता गफलू पटेल उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम गूगर ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत में फरियादी ने बताया कि 25 नवंबर को वह मजदूरी करके शीतला माता मंदिर के यहां से लौट रहा था। तभी धनीराम बगीचा के पास सतू लड़िया, कीरत लड़िया और रानू लड़िया मिले। उन्होंने रास्ते में रोका और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। मैंने पैसे नहीं दिए तो गालीगलौज करने लगे। गालियां देने से रोका तो आरोपियों ने लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सतू और रानू ने मुझे पकड़ लिया और कीरत ने चाकू निकालकर मेरे पेट और जांघ पर मारा। जिससे खून निकलने लगा।

आधार कार्ड सेंटर पर बढ़ रही भीड़ आमजन लगातार हो रहे परेशान

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

आधार कार्ड बनवाने और अपडेट कराने लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छोटी बजरिया में संचालित पोस्ट ऑफिस के बाहर आधार कार्ड बनवाने वालों की लंबी कतार लग रही है।कई लोग सुबह 7 बजे से आकर काउंटर पर खड़े हो जाते हैं। बुधवार को पोस्ट ऑफिस के बाहर आधार कार्ड बनवाने वालों की लंबी कतार थी। आम लोगों को परेशान होते देख नानक वार्ड पार्षद बीडी रजक पोस्ट ऑफिस पहुंचे और अधिकारियों से चर्चा की।तपती धूप में लाइन में खड़ी एक गर्भवती महिला और एक दिव्यांग को उन्होंने लाइन से निकालकर अधिकारियों से कहा कि इनके आधार कार्ड पहले बना दो। इसके अलावा उन्होंने एसडीएम विजय डेहरिया से आधार कार्ड को लेकर लिखित शिकायत की है। इसमें उन्होंने कहा कि शहर में सिर्फ दो जगहों पर आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। लोग ग्रामीण क्षेत्र से आधार कार्ड बनवाने सुबह से आकर लाइन में लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि शहर में कम से कम छह केंद्र खोले जाने चाहिए, ताकि लोगों को दिक्कत न हो। इस पर एसडीएम ने आश्वासन दिया कि उन्होंने अधिकारियों को पत्र लिखा है, जल्द नए केंद्र शुरू हो जाएंगे।

भानगढ़ तहसील भवन की जगह को लेकर ग्रामीणों ने जताई आपत्ति

बीना/सागर। बीना में भानगढ़ तहसील भवन के निर्माण स्थल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने एसडीएम को पत्र देकर आवंटित की गई जमीन पर आपत्ति जताई है।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विधायक निर्मला सप्रे की मांग पर भानगढ़ में तहसील भवन की स्वीकृति दी थी। वित्तीय मंजूरी मिलने के बाद तहसीलदार ने जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू की। इस पर दावे-आपत्तियां मांगी गई।ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में आवंटित की गई जमीन डूब क्षेत्र में है। बारिश के मौसम में यहां पानी भर जाता है। उनकी मांग है कि तहसील भवन का निर्माण पुलिस थाने के पास किया जाए। ग्रामीणों के अनुसार पुलिस थाना गांव के मध्य में स्थित है और वहां तहसील भवन बनने से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा।उल्लेखनीय है कि भानगढ़ और खिमलासा के लोग लंबे समय से तहसील की मांग कर रहे थे। पिछले साल मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विधायक ने यह मांग रखी थी। इस पर मुख्यमंत्री ने भानगढ़ में तहसील खोलने की घोषणा की थी।

सांसद डॉ. लता गुड्डू वानखेड़े ने सीएम, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष से सौजन्य भेंट की

सत्ता सुधार ■ सागर

सागर सांसद डॉ.लता गुड्डू वानखेड़े ने भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा से सौजन्य भेंट की और उन्हें विगत दिनों ताशकंद में संपन्न हुई इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन (आईपीयू) की बैठक की जानकारी देते हुए लोकसभा क्षेत्र में कराए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने ताशकंद में आई.पी.यू. संघ की बैठक से लौटने के पश्चात् सांसद को बधाई देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर आशालता सिलाकारी, सचिन तिवारी, महेश यादव, मोकमसींग मीणा,महेन्द्र जाट भी मौजूद रहें।

तापमान सागर में छाता और गमछा लेकर निकल रहे लोग

43 डिग्री पहुंचा तापमानः पानी पीने, खाली पेट न रहने की सलाह

सत्ता सुधार ■ सागर

जिले में दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होने से गर्मी का असर बढ़ा है। पारे में लगातार उछाल से दिन के साथ रातें भी गर्म होने लगी हैं। दिन का तापमान जहां 43.8 डिग्री के पार पहुंच गया है। वहीं न्यूनतम पारा 26.6 डिग्री सेल्सियस पर है। शुक्रवार सुबह से तेज धूप खिली। जैसे-जैसे दिन चढ़ा धूप में चुभन बढ़ती गई। दोपहर के समय अचानक आसमान में बादल छाए। धूप-छांव का दौर जारी रहा। हालांकि लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली। इस दौरान गर्म हवाओं के थपेड़ों से लोगों के हाल-बेहाल रहे। दोपहर के समय बाजार की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। आम दिनों की अपेक्षा कम लोग ही घरों से बाहर निकले। गर्मी से बचाओ के लिए लोग छाता और गमछों का उपयोग कर रहे हैं। गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग ने दोपहर के समय लोगों को 12 बजे से शाम 4 बजे तक जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है। क्योंकि इन्हीं चार घंटों में तेज धूप होती है। मौसम विभाग के अनुसार दिन के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। रात में भी गर्मी बढ़ी है। अगले पांच दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

गर्मी और लू से बचाओ के लिए यह करें: गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरे ने लू से बचाओ के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने लू के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी अस्पताल में संपर्क करने और आवश्यक दवा का उपयोग करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि गर्मी में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल और शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना और पुतलियां छोटी हो जाना लू के प्रमुख लक्षण हैं।

दोपहर के 4 घंटे धूप में निकलने से बचें

गर्मी व लू से बचाओ के लिए खूब पानी पीएं और खाली पेट न रहें। शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें। ठंडे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में 12 से 4 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पांव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी जरूर पीए, बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग करें। ओआरएस का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों के रस आदि का सेवन करें।

मंत्री राजपूत और पूर्वमंत्री सिंह के बीच सुलह कराएगा समाज

सत्ता सुधार ■ सागर

जिले में महाराणा प्रताप की प्रतिमा को लेकर क्षत्रिय समाज के दो घरानों में बयानबाजी का दौर जारी है। प्रतिमा स्थापना स्थल को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के भतीजे और क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष लखन सिंह बामौरा प्रतिमा को नगर निगम सिटी स्टेडियम के बाह स्थापित कराना चाहते हैं। लेकिन, दूसरी तरफ मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के भाई और जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा केंद्रीय जेल की बाउंड्री के पास आईजी बंगले के सामने स्थापित कराने की बात रखी है।

समाज की बैठक में हुआ फैसला

प्रतिमा स्थापना को लेकर चल रही खींचतान के बीच जिला क्षत्रिय समाज ने शुक्रवार को एक बैठक बुलाई। जिसमें 5 निर्णय लिए गए हैं। इसमें शहर के क्षत्रिय समाज के दो घरानों की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और आपसी मतभेद खत्म करने के लिए समिति बनाई गई है। इस समिति में समाज के बुजुर्ग और युवाओं को शामिल किया गया है। समिति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह से बात करेगी।

ब्रीफ न्यूज़

गुजराज टाइटंस ने फिलिप्स की जगह शनाका को शामिल किया

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने श्रीलंका के अनुभवी ऑल्राउंडर दासुन शनाका को न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स की जगह पर अपनी टीम में शामिल किया है। फिलिप्स चोटिल होने के कारण सत्र के बचे हुए मैचों से बाहर हो गये हैं। वहीं शनाका दो साल पहले भी गुजरात टाइटंस में शामिल थे। 2023 में उन्हें फ्रेंचाइजी ने 75 लाख रुपये में अपने साथ शामिल किया था। तब वह केवल 3 मैच ही खेल पाये थे हालांकि इस बार शनाका नए कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं फिलिप्स को इस बार गुजरात टाइटंस ने नीलामी में 2 करोड़ रुपये में खरीदा था पर वह एक भी मैच नहीं खेल पाये। शनाका को फ्रेंचाइजी और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद ही आईपीएल में जगह मिली है। वह आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही अच्छी गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने हाल ही में इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) में दुबई कैपिटल्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

आईपीएल : हेड सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद को मुंबई इंडियंस के खिलाफ यहां हुए मैच में हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में सनराइजर्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक नया रिकार्ड बनाया है। हेड ने इस मैच में केवल 29 रन बनाये पर इसके साथ ही हेड आईपीएल में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 170 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 30 से अधिक के औसत से कुल 1000 रन बनाये हैं। इससे पहले जिन भी खिलाड़ियों ने 1000 रन बनाये हैं उनका स्ट्राइक रेट कम रहा है। हेड ने आईपीएल में 172 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाए है। हेड ने कुल 32 मैचों में 36.21 के औसत से 1014 रन बनाए हैं। इससे पहले 102 से अधिक खिलाड़ियों ने आईपीएल में 1000 रन बनाये हैं। इसमें वेस्टइंडीज के रसल ने 170 के अधिक के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाये पर उनका औसत भी 27 रहा है। इसके अलावा वेस्टइंडीज के ही निकोलस पूरन और दक्षिण अफ्रीका के हेनिरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ियों ने भी 1000 रन बनाये हैं पर उनका औसत भी हेड से कम ही रहा है हालांकि हेड का फॉर्म इस साल आईपीएल में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैच में अब तक कुल 248 रन बनाए हैं।

धवन का सबसे अधिक चौके मारने का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इस बार सबसे अधिक चौके मारने का रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अब तक ये रिकार्ड पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। धवन ने अब तक आईपीएल की 221 पारियों में 768 चौके लगाए हैं। वह आईपीएल में 700 चौके लगाने पहले पहले बल्लेबाज थे।

ब्रिटेन में यूरोपा लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और ओलपिक लयोनासिस के बीच मैच में गोल के बाद जश्न मनाने हुए मैनचेस्टर के हैरी और उनके साथी।

विश्वकप में खेलने पर फैसला मेसी को ही लेने दे : स्कोलोनी

एजेंसी ■ मुम्बई

कनाडा,यूनाइटेड स्टेट और मैक्सिको में होने वाले 2026 फीफा विश्वकप में अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। मेसी की कप्तानी में ही पिछले विश्वप में अर्जेंटीना ने खिताब जीता था पर अब वह 27 साल के हो गये हैं। ऐसे में वह अगले साल विश्वकप में खेल पायेंगे ये पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। 2022 विश्वकप में अर्जेंटीना की जीत में मेसी की अहम भूमिका थी। उन्होंने तब 7 गोल किए थे। इस खिलाड़ी ने अब तक पांच फीफा विश्वकप खेले हैं। अगले साल तक वह 28 के हो जाएंगे। ऐसे में उनकी फिटनेस कैसी रहती है ये भी देखना होगा। अर्जेंटीना ने विश्वकप के लिए पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया है। वहीं कोच लियोनल स्कोलोनी ने कहा कि हम देखेंगे कि आगे क्या होता है, अभी बहुत समय है। अभी हमें उसे अकेला छोड़ देना चाहिए समय आने पर वह खेलने ये नहीं खेलने पर अपनी ओर से फैसला करेगा।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स का मुकाबला

पिछले तीन मैचों से मिल रही हार से वह अंक तातिका में काफी नीचे खिसक गई

एजेंसी ■ जयपुर

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स से होगा। इस मैच में रॉयल्स का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा क्योंकि पिछले तीन मैचों से मिल रही हार से वह अंक तातिका में काफी नीचे खिसक गयी है। रॉयल्य के लिए हालांकि जीत दर्ज करना इतना आसान नहीं होगा। इसका कारण उसकी टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है उसके कप्तान संजू सैमसन पिछले मैच में चोटिल भी हो गये थे, ऐसे में उनके खेलने पर भी संशय रहेगा। टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को इस मैच में जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उसके गेंदबाजों को सुपर जाइंट्स के आक्रामक सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन पर अंकुश ओर कप्तान ऋषभ पंत पर अंकुश लगाना होगा। अभी तक रॉयल्स की टीम को सात मैचों में केवल दो मैचों में ही जीत के मिली है और वह आठवें स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर अंकतालिका में पांचवे स्थान पर चल रही सुपर जाइंट्स का लक्ष्य इस मैच को जीतकर एक बार फिर अंक तालिका में शीर्ष चार में पहुंचना रहेगा।

रॉयल्स की कमजोरी बल्लेबाजी का कमजोर होना है जिसका लाभ सुपर जाइंट्स उठाना चाहेगी। अभी तक राजस्थान का बल्लेबाजी क्रम दबाव में बिखरता दिखा है। उसके सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिये हैं पर देखना होगा कि क्या वे इस लय को बनाये रख पाते हैं। पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रन बनाने के बाद से ही सैमसन के बल्ले से रन नहीं आये हैं। टीम के अच्छे स्कोर के लिए सैमसन और यशस्वी का रन बनाना बेहद जरुरी है। रॉयल्स के बल्लेबाजों को सुपर जाइंट्स के गेंदबाजों शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, दिग्वेश राठी और स्पिनर रवि बिश्नोई के सामने सावधानी से खेलना होगा। रॉयल्स की परेशानी रियान पराग और ध्रुव जुरेल का फार्म में नहीं होना है हालांकि नीतिश राणा ने पिछले मैच में 51 रन बनाए और टीम उनसे इस मैच में भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर औरा संदीप शर्मा को बेहतर प्रदर्शन कर सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। लखनऊ की ताकत पूरन के आलावा मिचेल मार्श जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों का होना है। इसके अलावा उसके पास एडेन माक्ररम और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ी भी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

टीमें:-

लखनऊ सुपर जाइंट्स:- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ। प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

राजस्थान रॉयल्स:- संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभम दुबे, नितीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षाना, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजल हक फारूकी, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका, वानिंदु हसरंगा, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

आईपीएल में आज होगा टाइटंस और कैपिटल्स के बीच मुकाबला

एजेंसी ■ अहमदाबाद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होना तय है । इसका कारण है कि दिल्ली की टीम अब तक एक ही मैच हारी है और उसे छह मैचों के बाद 10 अंक हैं और वह शीर्ष पर है जबकि गुजरात की टीम चार जीत के साथ ही 8 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। दोनो ही टीमों ने अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी की है। दिल्ली की टीम की कमान अक्षर पटेल के पास जबकि गुजरात की शुभमन गिल के पास है। गुजरात की टीम को इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। यहां की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है , इसलिए इस मैदान पर बड़े स्कोर बनने तय हैं। इस पिच पर अच्छी उछाल मिलने के कारण बल्लेबाज के लिए शॉट खेलना काफी आसान रहता है। हालांकि, जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है पिच धीमी होने लगती है, जिससे गेंदबाजों के पास भी अच्छा अवसर रहता है। ऐसे में कुल मिलाकर देखा जाये तो पिच में बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों के लिए भी अवसर हैं। इस मैदान पर तेज गेंदबाज स्पिनरों से अधिक प्रभावी होते हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराया था जिससे वह इस मैच में बड़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं, गुजरात को पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसके ऊपर दबाव रहेगा जिससे वह उबरना चाहेगी। ऐसे में इस मैच में दिल्ली का पलड़ा भारी नजर आता है। दिल्ली की बल्लेबाजी करुण नायर, केएल राहुल , ट्रिस्टन स्टब्स, कप्तान अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क और मोहित शर्मा के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव, अक्षर पर आधारित रहेगी।

आईपीएल में इस बार मुम्बई इंडियंस और सीएसके सहित इन चार टीमों का बाहर होना तय

एजेंसी ■ मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अलावा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद का भी बाहर होना तय नजर आ रहा है। ये सभी टीमें अंत तालिका में निचले क्रम पर हैं। मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स चारों टीमों के पास चार अंक है। इन टीमों की स्थिति काफी कमजोर बनी हुई है।

अब अगर ये एक दो मैच हारती हैं तो बाहर हो जाएंगी। प्लेऑफ के लिए कम से कम 16 अंक होने चाहिये और अभी के प्रदर्शन को देखते हुए इन टीमों का वहां पहुंचना असंभव सा है। अभी तक दिल्ली कैपिटल्स के अलावा सभी टीमों ने छह या इससे अधिक खेले हैं। आईपीएल में अभी गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स शीर्ष चार में हैं और इनके प्लेऑफ में जाने की संभावनएं सबसे ज्यादा हैं। इन सभी सभी टीमों के आठ अंक है। आईपीएल 2025 के इस सत्र में कुल 74 मैच होने है। प्लेऑफ के लिए हर टीम को लीग चरण में 14 मैच खेलने है। अंक तालिक में शीर्ष चार टीमों को प्लेऑफ में जगह मिलेगी।

कराची किंग्स के मालिक ने बाबर को बाहर करने का कारण बताया

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10वें सीजन में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम पेशावर जाज्मी की ओर से खेल रहे हैं पर उनका अब तक का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पहले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाये जबकि दूसरे मैच में एक रन ही बना पाये। वहीं उनकी पुरानी फ्रैंचाइजी कराची किंग्स के मालिक सलमान इकबाल ने 2023 के सत्र से बाबर को बाहर करने का कारण अब बताया है। सलमान ने कहा है कि आजम को अपनी बल्लेबाजी पोजिशन पसंद नहीं आ रही थी। इसी कारण उन्हें आपसी सहमति से टीम से बाहर करना पड़ा था। उन्होंने कोच मिकी आर्थर के साथ आजम को नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने के लिए कहा था पर उन्होंने इंकार कर दिया था। इकबाल ने कहा, आर्थर और मैंने आजम से कराची किंग्स के लिए नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने को कहा था पर वह ऐसा करने तैयार नहीं नहीं थे और इसलिए हमें उन्हें बाहर करना पड़ा था।

जर्मनी में डब्ल्यूटीए मुकाबले में खेलती हुई अमेरिका की कोको गाफ।

क्रिकेट लीग

ये एक दिन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन जाएगी और इसी की तर्ज पर कई नई लीग भी उभरेंगी

17 साल के सफर में विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनी आईपीएल

एजेंसी ■ मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 साल पूरे हो गये हैं। आज ही के दिन 18 अप्रैल 2008 को आईपीएल की शुरुआत हुई थी तब किसी को भी अंदाजा नहीं था कि ये एक दिन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन जाएगी और इसी की तर्ज पर कई नई लीग भी उभरेंगी। आईपीएल का शुरुआती मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला गया था। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित उस पहले ही मैच में केकेआर की ओर से खेल रहे न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। मैक्कुलम केकेआर की ओर से पारी की शुरुआत के लिए उतरे और उन्होंने जमकर रन बनाये। मैक्कुलम ने केवल 73 गेंदों पर ही नाबाद 158 रन बना दिये। इस दौरान उन्होंने 13 छक्के और 10 चौके लगाये। उसी पारी से सौरव गांगुली की कप्तानी

वाली केकेआर ने तीन विकेट पर 222 रन बनाये थे। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की पूरी टीम 15.1 ओवरों में ही 82 रनों पर सिमट गई और उसे 140 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा. उस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी राहुल द्रविड़ के पास थी। मैक्कुलम को उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिल था। आईपीएल के पहले सत्र की विजेता राजस्थान रॉयल्स रही थी। तब रॉयल्स की कप्तान ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वॉर्न कर रहे थे। आईपीए के अब तक के सत्रों में कई विवाद भी उभरे हैं। आईपीएल 2010 फाइनल के बाद इसके कमिश्नर रहे ललित मोदी को बीसीसीआई से भ्रष्टाचार के आरोपों में बाहर कर दिया था। वहीं साल 2013 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों पर स्पॉट फिक्सिंग का आरोप लगे थे।

बांगर की बेटी अनाया बोली, लड़की बनने के बाद समर्थन मिला पर उत्पीड़न भी हुआ

लंदन। लड़के से लड़की बनने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजर बांगर की बेटी अनाया बांगर को छेड़छाड़ का भी सामना करना पड़ा है। वहीं आजकल लंदन में रह रही अनाया को लेकर आई एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उसे कुछ क्रिकेटरों ने अश्लील तस्वीरें भी भेजीं थीं। वहीं अनाया ने अपने जेंडर बदलाव को लेकर इसमें कहा ,卐 जब मैं आठ नौ साल की थी तो मां की अल्मारी से कपड़े निकालकर पहनती थी। फिर शीशे में देखकर कहती थी कि मैं लड़की हूं और मुझे लड़की बनना है। मैंने कई नामी क्रिकेटरों के साथ खेला है।卐 अनाया ने साथ ही कहा, 卐लड़की बनने के बाद मुझे समर्थन भी मिला और कुछ उत्पीड़न भी हुआ है। कुछ क्रिकेटर ऐसे भी रहे हैं, जिन्होंने मुझे गलत तरीके से अपनी तस्वीरें भेजीं।卐 गौरतलब है कि बांगर की तरह ही अनाया भी एक क्रिकेटर हैं।

इस साल टी20 में 500 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने अभिषेक

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। अभिषेक ने मुंबई इंडियंस के खिलाप 40 रनों की पारी खेली। इस पारी के साथ ही इस युवा बल्लेबाज ने एक रिकार्ड भी बना लिया। अभिषेक अब तक इस साल टी20 क्रिकेट में सबसे पहले 500 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस साल 12 पारियों में 511 रन बनाए हैं। उनके अलावा अब तक इस साल कोई भी और भारतीय बल्लेबाज 400 रनों तक भी नहीं पहुंच पाया है।

दैनिक
सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

कुंडासे विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने तीखी प्रतिक्रया दी है। उन्होंने पूछा है कि आखिर हिंदू कहां तक भागेगा। राजा भैया ने कहा, संसद से लेकर सड़कों तक आये दिन संविधान लहराने वालों को भी याद रखना चाहिए कि संविधान शिल्पी बाबा साहेब के संविधान में वक्फ नाम का शब्द कभी था ही नहीं, न ही उनकी परिकल्पना में इसका कोई औचित्य था। हत्या, लूटपाट और बर्बरता 'काफिरों' के साथ हो रही है।

संभल सीओ अनुज चौधरी को पुलिस जांच में क्लीनचिट

होली और ईद पर दिए बयान को लेकर मिली राहत, कोई नकारात्मक जानकारी सामने नहीं आई, सामाजिक कार्यकर्ता ने की थी शिकायत

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के सीओ अनुज चौधरी को पुलिस द्वारा की गई जांच में क्लीनचिट मिल गई है। यह क्लीनचिट होली और ईद के दौरान दिए गए उनके बयानों को लेकर पुलिस आचरण नियमावली के उल्लंघन के आरोपों पर दी गई है।

पुलिस की जांच के अनुसार, सीओ अनुज चौधरी के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं। एसपी कानून व्यवस्था की जांच रिपोर्ट के आधार पर सीओ को पूरी तरह से क्लीनचिट दे दी गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि संभल जिले के अधिकारियों और आम लोगों के बयान भी दर्ज किए गए थे, जिनमें सीओ के बारे में कोई नकारात्मक जानकारी सामने नहीं आई। सीओ अनुज चौधरी के खिलाफ शिकायत एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ ठाकुर ने की थी। उनका आरोप था कि सीओ के बयान पुलिस आचरण नियमावली का उल्लंघन करते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ ठाकुर का कहना था कि सीओ ने पीस कमेटी की बैठक में यह टिप्पणी की थी कि होली साल में एक दिन आती है, लेकिन जुमा 52 दिन आता है। अगर सेवइयां खिलानी हैं तो गुजिया भी खानी पड़ेगी।

जांच में फर्जी निकले सभी आरोप

हालांकि, पुलिस जांच में इस आरोप को सही नहीं पाया गया। एसपी कानून व्यवस्था ने अपनी जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार के नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है और सीओ अनुज चौधरी को क्लीनचिट दे दी गई। पुलिस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सीओ को सम्मानित करने वाली समिति के पदाधिकारियों और अन्य स्थानीय अधिकारियों के बयान भी दर्ज किए गए थे, जो चौधरी के खिलाफ किसी भी शिकायत को खारिज करते हैं। इस मामले में पुलिस की जांच अब पूरी हो चुकी है।

बहादुर शाह जफर की पेंटिंग को औरंगजेब बताकर पोती कालिख

हिंदू संगठन का हंगामा: डीआरएम बोले- हम इस पर कार्रवाई करेंगे

सत्ता सुधार ■ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में औरंगजेब की दीवार पर बनाई गई तस्वीर को लेकर जमकर हंगामा हुआ। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की सुंदरता बढ़ाने के लिए औरंगजेब की पेंटिंग बनाई गई थी। हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता इस पर भड़क गए और तस्वीर पर कालिख पोत दी लेकिन अब डीआरएम ने उस तस्वीर की हकीकत बताई है। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर बनाई गई औरंगजेब की ग्रैफिटी को देखकर हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता भड़क गए। इस घटना के वीडियो में कार्यकर्ताओं को नारेबाजी करते और भगवा झंडे लहराते देखा जा सकता है। इस दौरान जय श्रीराम के नारे लगाए गए। दरअसल, कार्यकर्ताओं में औरंगजेब की तस्वीर को लेकर नाराजगी थी। वीडियो में देखा जा सकता है कि मौके पर हिंदू रक्षा दल के लगभग 20 कार्यकर्ता हैं और वे औरंगजेब की पेंटिंग पर कालिख पोत रहे हैं। विवाद बढ़ने पर मौके पर जीआरपी पहुंची, जिसके बाद कार्यकर्ता वहां से निकल गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुस्लिम आक्रांताओं की तस्वीरों का क्या मतलब है, जिन्होंने देश के मंदिरों को लूटा। हिंदुस्तान को लूटा। यह नहीं चलने दिया जाएगा। लेकिन अब डीआरएम ने कहा है कि जिस तस्वीर पर कालिख पोती गई है। वह औरंगजेब की नहीं थी, बल्कि बहादुर शाह जफर की थी। डीआरएम पुष्पेश रमन त्रिपाठी का कहना है कि हम इस मामले पर अभी पूरी जानकारी जुटा रहे हैं, लेकिन वो तस्वीर औरंगजेब की नहीं थी। वह बहादुर शाह जफर की तस्वीर थी। बहादुर शाह जफर ने 1857 की लड़ाई में अच्छी भागीदारी निभाई थी। पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाना गलत है। हम इस पर कार्रवाई करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

रामपुर में मूकबधिर किशोरी के साथ दरिंदगी, मुरादाबाद रेफर

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के सैफनी में हैवानियत की हदें पार करने का मामला सामने आया है। सैफनी थाना इलाके के एक गांव से लापता हुई मूकबधिर किशोरी खेत में बेसुध पड़ी मिली। किशोरी के शरीर पर कम कपड़े थे और माथे पर गहरी चोट थी। उसके निजी अंगों से भी रक्तस्राव हो रहा था। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसकी हालत को गंभीर देखते हुए उसे मुरादाबाद के अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसपी ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया है। क्षेत्र के एक गांव में दरिंदगी का शिकार हुई मूक बधिर व मानसिक रूप से कमजोर बिटिया अब भी बेहोश है। वह मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती है।

एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 10 लाख रुपए की ठगी

मेरठ। मेरठ के टीपीनगर के एक युवक विपुल जैन से उनकी बेटी का एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर एक युवक ने दस लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर दिया। टीपीनगर थाना क्षेत्र के कमला नगर निवासी युवक विमल जैन ने एसएसपी डॉ. विपिन ताडा को तहरीर देते हुए बताया था कि उन्होंने एक वर्ष पूर्व उत्कर्ष शर्मा से बेटी का मेरठ के एक मेडिकल कॉलिज में दाखिला दिलाने के लिए बात की थी। दाखिला दिलाने के नाम युवक ने दस पीड़ित से दस लाख रुपए लिए थे।

समाज का सामना करना सीखो! भागकर शादी करने पर नहीं दे सकते सुरक्षा

इलाहाबाद हाईकोर्ट की दो टूक-साबित करना होगा कि उनके जीवन और स्वतंत्रता को खतरा

सहमति संबंध के पल भर में बनते-बिगड़ते रिश्तों पर कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई

याचियों पर शारीरिक-मानसिक हमला करने का कोई साक्ष्य पेश नहीं किया गया

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि स्वेच्छा से शादी करने वाले जोड़ों को समाज का सामना करना सीखना होगा। सिर्फ भागकर शादी करने के आधार पर सुरक्षा नहीं दी जा सकती। उन्हें यह साबित करना होगा कि उनके जीवन और स्वतंत्रता को वास्तविक खतरा है। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने चित्रकूट की श्रेया केसरवानी की याचिका निस्तारित करते हुए यह टिप्पणी की है। चित्रकूट के कर्वी थाना निवासी श्रेया ने कोर्ट से शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में विपक्षियों के हस्तक्षेप न करने के लिए निर्देश देने की गुहार लगाई थी। याची अधिवक्ता की दलील थी कि शादी करने वाले जोड़े बालिग हैं। जिले के विवाह अधिकारी के यहां सिविल मैरिज के लिए आवेदन दिया हुआ है। परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की है। आशंका है कि परिजन उन्हें क्षति पहुंचा सकता है। लड़की के साथ पहले भी दुर्व्यवहार हुआ है। ऐसे में उन्हें सुरक्षा दी जाए।

पुलिस उठाएगी कानूनी कदम

कोर्ट ने कहा कि याचियों ने एसपी चित्रकूट को प्रत्यावेदन दिया है। पुलिस वास्तविक खतरे के मुताबिक कानूनी कदम उठा सकती है। रिकॉर्ड में ऐसा कोई तथ्य नहीं है, जिससे यह प्रतीत हो कि याचियों को गंभीर खतरा है और उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। विपक्षियों की ओर से याचियों पर शारीरिक या मानसिक हमला करने का कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया है।

सुरक्षा देने का नहीं बनता मामला

याचियों ने विपक्षियों के किसी अवैध आचरण को लेकर एफआईआर दर्ज करने के लिए संबंधित थाने में कोई अर्जी भी नहीं दी है। न ही मुकदमा दर्ज करने के लिए कोई तथ्य प्रस्तुत किया गया। ऐसे में पुलिस सुरक्षा देने का कोई केस नहीं बनता। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए कहा कि परेशानी होने पर प्रार्थना पत्र देने पर पुलिस उचित कार्रवाई करेगी।

झुलस रही वैवाहिक रिश्तों की पवित्रता

इधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहमति संबंध के पल भर में बनते-बिगड़ते रिश्तों पर गंभीर चिंता जताई है। हाईकोर्ट ने कहा कि ब्रेकअप से पैदा हुए प्रतिशोध की आग में वैवाहिक रिश्तों की पवित्रता झुलस रही है। नई पीढ़ी के बीच आपसी सहमति से बन रहे अंतरंग संबंधों की तकरार को आपराधिक रंग देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो वास्तव में कानून का दुरुपयोग है। इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की अदालत ने 25 वर्षीय युवती संग दुष्कर्म के आरोपी बांदा निवासी अरुण कुमार मिश्रा की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि असफल अंतरंग संबंधों में उपजे कलह का प्रतिशोध लेने के लिए आपराधिक कानून के दुरुपयोग की इजाजत नहीं दी जा सकती। पीड़िता वाकिफ थी कि आरोपी पहले तीन महिलाओं से शादी कर चुका है। फिर भी उसके संग संबंध बनाए। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ बांदा जिले के महिला थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप लगाया कि वह दिल्ली के निजी बैंक में काम कर रही थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के 6 नए जजों ने ली शपथ

इधर, इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार सुबह 10 बजे मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने छह नए न्यायमूर्तियों को पद की शपथ दिलाई। सभी अभी तक जिला जज थे। जितेन्द्र कुमार सिन्हा, अनिल कुमार (दशम), संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह एवं हरवीर सिंह ने अतिरिक्त न्यायमूर्ति के रूप में शपथ ली। इस दौरान अन्य न्यायमूर्ति गण तथा बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह के कारण न्यायिक कार्य दिन में 11 बजे प्रारंभ हुआ। इन छह न्यायमूर्तियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद 160 जजों वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट में न्यायमूर्तियों की कुल संख्या 87 हो गई है। इनमें 23 न्यायमूर्ति लखनऊ खंडपीठ के हैं। फिलहाल 86 जस्टिस ही न्यायिक कार्य करेंगे। दिल्ली हाई कोर्ट से स्थानांतरित जस्टिस यशवंत वर्मा के न्यायिक कार्य करने पर रोक लगी हुई है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इसी माह के पहले सप्ताह आठ जिला जजों को इलाहाबाद हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाए जाने की संस्तुति की थी।

ग्रेटर नोएडा में जमकर गरजा बुलडोजर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी में जाम से निजात दिलाने के लिए सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने सड़क चौड़ा करने की राह में बाधा बन रहे दुकानों के अवैध रैंप को तोड़ दिया है। प्राधिकरण रोड चौड़ीकरण का कार्य जल्द पूरा कराने के प्रयास में जुटा है। दरअसल, नोएडा, ग्रेटर नोएडा व गाजियाबाद के बीच सफर करने वाले हजारों वाहन रोजाना शाहबेरी बाजार से होकर गुजरते हैं। रास्ता संकरा होने के कारण जाम की समस्या बनी रहती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए शाहबेरी रोड को चौड़ा करने के निर्देश दिए। परियोजना विभाग की वर्क सर्किल एक की टीम ने टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर रोड चौड़ीकरण का काम शुरू करा दिया। अब तक 50 प्रतिशत से अधिक कार्य हो चुका है।

प्रदेश के हर थाने से चुने गए दो सिपाही

लखनऊ पुलिस ने बनाया ईगल मोबाइल दस्ता

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

लखनऊ पुलिस ने अपराध नियंत्रण के लिए ईगल मोबाइल दस्ता बनाया है, जिसमें हर थाने से दो सिपाही चुने गए हैं जो अपराधियों पर नजर रखेंगे और उनका डोजियर बनाएंगे। इस दस्ते का उद्देश्य अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखना और उनके बारे में जानकारी इकट्ठा करना है। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सेंगर ने बताया कि ईगल मोबाइल दस्ता अपराधियों का डोजियर तैयार करेगा और उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट डीसीपी और पुलिस कमिश्नर को भेजी जाएगी। हर टीम को कम से कम 10 अपराधियों का डोजियर तैयार करना होगा और पूरे कमिश्नरेट में हर दिन 510 अपराधियों का डोजियर तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, 1020 अपराधियों पर निगरानी रखनी होगी और उनकी रिपोर्ट तैयार करनी होगी। ईगल मोबाइल के रोज के कार्यों की निगरानी के लिए एक वॉट्सएप ग्रुप बनाया जा रहा है, जहां टीम अपने कार्यों की डिटेल पोस्ट करेगी।

अपराधियों का होगा सत्यापन: ईगल मोबाइल को जेल से रिहा होने वाले अपराधियों की सूची भी देनी होगी और घर जाकर उनका सत्यापन करना होगा। थाने पर बने अपराधी एलबम रिस्टर को पूरा करना होगा और जेल जाने वाले अपराधियों से पूछताछ कर डोजियर तैयार करना होगा।

यूपी में हुई बेमौसम बारिश और आकाशीय बिजली ने ली 13 जान

लखनऊ। यूपी में बेमौसम बारिश कहर बनी बरसी। 24 घंटे में हुई बारिश से 13 लोगों की जान चली गई। सबसे ज्यादा 6 मौतें अयोध्या में हुई। यहां गुरुवार शाम को तेज आंधी चलने से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। इसके नीचे दबकर 3 महिलाओं की मौत हो गई। इसके अलावा, बारिश से दीवार गिर गई। मलबे में दबने से 3 महिलाओं की जान चली गई। बाराबंकी में टिन शेड और पेड़ गिरने से 6 साल के बच्चे समेत 5 लोगों की मौत हो गई। 6 घायल हैं। अमेठी और बस्ती में बिजली गिरने से 1-1 व्यक्ति की मौत हो गई। गोरखपुर में भी गुरुवार देर रात बारिश हुई। बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं को देखते हुए सीएम योगी ने अफसरों को अलर्ट रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में उतरें, राहत कार्यों पर नजर रखें। जलभराव की स्थिति में जल निकासी की व्यवस्था की जाए। फसलों के नुकसान का सर्वे कराकर रिपोर्ट जल्द से जल्द भेजी जाए, ताकि किसानों को मुआवजा दिया जा सके।

पति की मौत, पत्नी ने भी दी जान

बिजनौर। बिजनौर के मसनपुर गांव में एक महिला ने अपने जीवनसाथी को खो दिया, इसके बाद वह दुख सहन नहीं कर पाई। महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। इसके बाद दोनों की अंतिम यात्रा साथ निकली, एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया, जिसने हर आंख को नम कर दिया।

सपा सांसद रामजी लाल की अर्जी पर सुनवाई टली

प्रयागराज। करणी सेना से विवाद के बाद सुरक्षा की मांग लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे सपा सांसद रामजी लाल सुमन की याचिका पर सुनवाई टल गई है। गलत कोर्ट में मामला सूचीबद्ध होने के कारण सुनवाई टल गई है। समाजवादी पाटी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन और उनके बेटे पूर्व विधायक रणधीर सुमन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। साथ ही उन्होंने आवास पर करणी सेना के कथित हमले के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। शुक्रवार को मामला न्यायमूर्ति महेशचंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अनिल कुमार दशम की अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं रामतलाई हनुमान मंदिर के पास शिवपुरी रोड श्योपुर से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। **मोबाईल न. 9893126900, 7869966100,** फोन- फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2006/17513, विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। **शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।**